न्यायिक कार्यवाही का राजनीतिकरण न करें : सुप्रीम कोर्ट - 12

पैसा ही पैसा बनाता है और दूसरा पैसा भी खींच लाता है - 12

नौसेना की नई ताकत... लहरों पर उतरा अजय - 13

क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे: सिराज - 14

आज का मौसम

36.0° अधिकतम तापमान

28.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.29

सूर्यास्त 07.09

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी 07:05 तक उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 22 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 242, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

परिवर्तन ही जीवन है...

...और अब नये रंग, नये रूप और नयी उड़ान के साथ आपका

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

आयुष्मान क्लीनिक
डॉ. कुमार वासु
एम.बी.बी.एस, पी.जी.डी.सी.एच.
(शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ)
पूर्व चिकित्सक- जे.एन.एम.सी., अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU)
के.डी. मेडिकल कॉलेज, मथुरा/नयति मेडिसिटी, मथुरा
वर्तमान चिकित्सकः- जिला महिला अस्पताल, बदायूं
बच्चों की समस्त बीमारियों की इलाज की सुविधा
• पीलिया
• मलेरिया
• टाइफाइड
• निमोनिया
• दमा
• उल्टी/दस्त
• इन्फेक्शन
• डेंगू
• दौरे पड़ना
• दिमागी बुखार
• भूख न लगना
• पसली चलना
• खून की कमी
• वजन न बढ़ना
सम्पर्क सूत्रः- 9084981467
पताः- इन्द्रा चौक, माल गोदाम रोड, सिविल लाइन्स, बदायूं

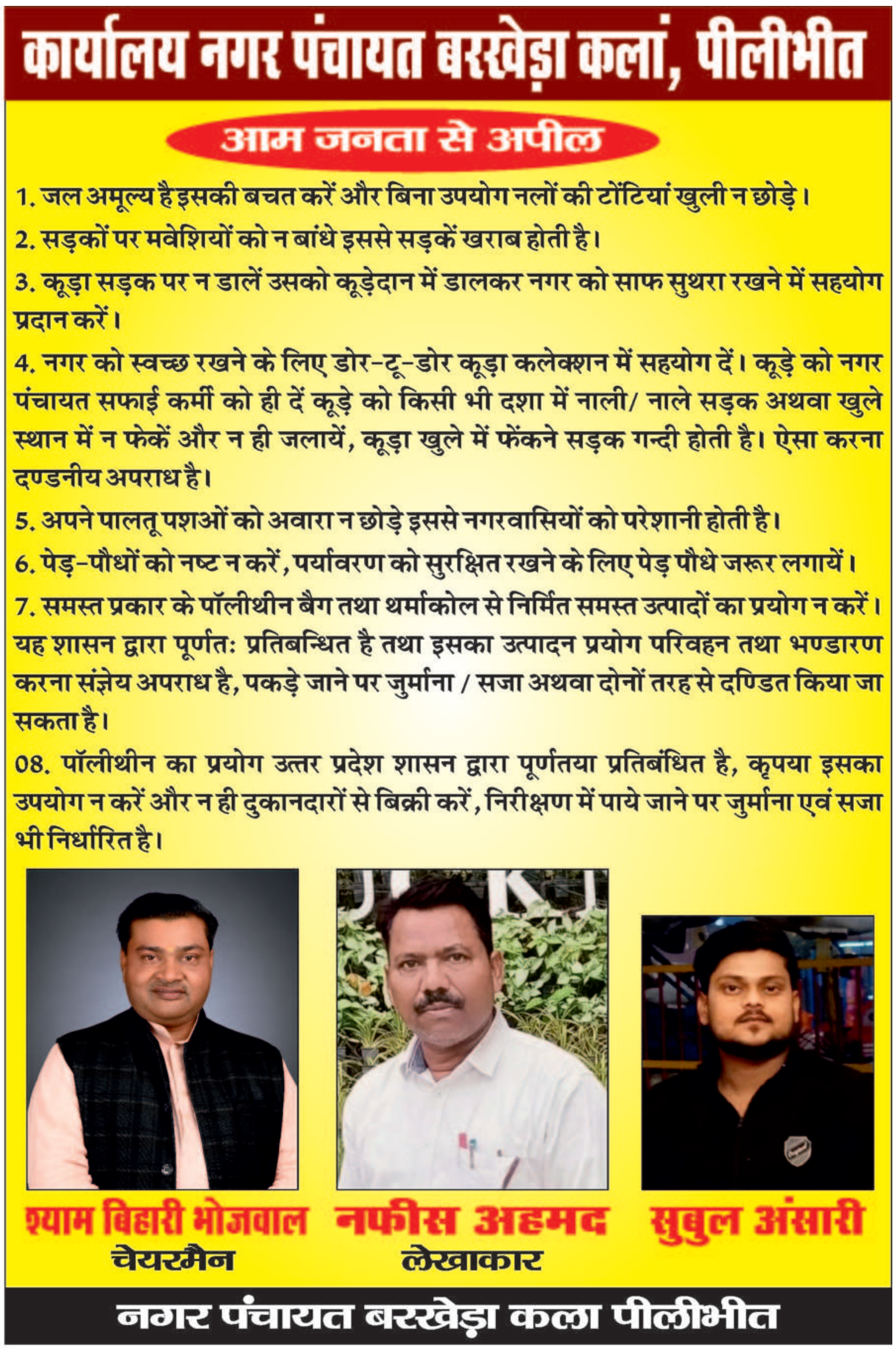
कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा कलां, पीलीभीत
आम जनता से अपील
1. जल अमूल्य है इसकी बचत करें और बिना उपयोग नलों की टोंटियां खुली न छोड़े।
2. सड़कों पर मवेशियों को न बांधे इससे सड़कें खराब होती है।
3. कूड़ा सड़क पर न डालें उसको कूड़ेदान में डालकर नगर को साफ सुथरा रखने में सहयोग प्रदान करें।
4. नगर को स्वच्छ रखने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में सहयोग दें। कूड़े को नगर पंचायत सफाई कर्मी को ही दें कूड़े को किसी भी दशा में नाली/ नाले सड़क अथवा खुले स्थान में न फेकें और न ही जलायें, कूड़ा खुले में फेंकने सड़क गन्दी होती है। ऐसा करना दण्डनीय अपराध है।
5. अपने पालतू पशुओं को अवारा न छोड़े इससे नगरवासियों को परेशानी होती है।
6. पेड़-पौधों को नष्ट न करें, पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधे जरूर लगायें।
7. समस्त प्रकार के पॉलीथीन बैग तथा थर्माकोल से निर्मित समस्त उत्पादों का प्रयोग न करें। यह शासन द्वारा पूर्णतः प्रतिबन्धित है तथा इसका उत्पादन प्रयोग परिवहन तथा भण्डारण करना संज्ञेय अपराध है, पकड़े जाने पर जुर्माना / सजा अथवा दोनों तरह से दण्डित किया जा सकता है।
08. पॉलीथीन का प्रयोग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पूर्णतया प्रतिबंधित है, कृपया इसका उपयोग न करें और न ही दुकानदारों से बिक्री करें, निरीक्षण में पाये जाने पर जुर्माना एवं सजा भी निर्धारित है।
श्याम बिहारी भोजवाल
चेयरमैन
नफीस अहमद
लेखाकार
सुबुल अंसारी
नगर पंचायत बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी को
पवित्र श्रावण माह
की हार्दिक शुभकामनाएं
50 वर्षों से निरंतर आपकी सेवा में
स्व. वेदप्रकाश रावत
कुमार
कन्फैक्शनरी
तारीन बहादुरगंज पचराहा, शाहजहांपुर
सुबोध रावत
उपेश रावत
देवेश रावत

THE BEST PRIMARY SCHOOL IN SHAHJAHANPUR
GLOBAL
INTERNATIONAL SCHOOL
SINCE 2010
SUNIL GUPTA
DIRECTOR
GIVE YOUR CHILD THE WINGS
TO EXPLORE AND DISCOVER
ADMISSION OPEN
Teacher-student ratio 1:15
Holistic development
Focus on every child
Well-trained staff
Focus on English Speaking
Safe and nurturing environment
Playgroup to Class 5
6394969480/ 9415528369
2- CIVIL LINES BEHIND DURGA HOTEL, SHAHJAHANPUR

न्यायिक कार्यवाही का राजनीतिकरण न करें : सुप्रीम कोर्ट - 12

पैसा ही पैसा बनाता है और दूसरा पैसा भी खींच लाता है - 12

नौसेना की नई ताकत... लहरों पर उतरा अजय - 13

क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे: सिराज - 14

आज का मौसम

36.0° अधिकतम तापमान

28.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.29 | सूर्यास्त 07.09

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

| बरेली |

श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी 07:05 तक उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 22 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 242, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रणाम!

स्नेही पाठक जनों को अमृत विचार परिवार का प्रणाम। अमृत विचार की पांच वर्षों की यात्रा हम सबके लिए एक यादगार अनुभव की तरह है। अब इसका नया रूप, नया कलेवर समाचार पत्र के उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत कर रहा है। पांच साल पहले हमने एक सपना देखा था। लोगों तक सच्ची, समय पर और प्रासंगिक खबरें पहुंचाने का सपना। इन वर्षों में हमने पेज दर पेज, खबर दर खबर तरक्की की है और आपका विश्वास जीता है। लेकिन यह जगत परिवर्तनशील है। जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है, हमें इस बात का भान हुआ कि अमृत विचार को भी अपने में बदलाव लाना होगा। यह परिवर्तन ही निरंतर विकास की कड़ी है।

अमृत विचार का भविष्य भी नवाचार और तकनीकी उन्नति में है। इस लिहाज से न केवल समाचार पत्र के स्वरूप में वरन् इसमें प्रस्तुत सामग्री में भी हमने कुछ नया जोड़ा है। समाचारों में नवीनता लाने का प्रयास तो हम निरंतर कर ही रहे हैं, साथ ही कुछ हट कर विभिन्न क्षेत्रों की जानकारियों से भी आपको रू-ब-रू भी कराएंगे। अब आपको सातों दिन इंद्रधनुष के सात रंगों की तरह फीचर पेज भी देंगे। जो केवल मनोरंजक ही नहीं, ज्ञानप्रद भी होंगे। इनमें आपको ग्लैमर, आटोमोबाइल, धर्म-अध्यात्म, कला-संस्कृति, शिक्षा जगत, विज्ञान, तकनीकी की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा एक दिन हमारे सुधी पाठकों को भी अपने अनुभव साझा करने के लिए स्थान रहेगा। इसके साथ- साथ अब हमारी टीम अपने डिजिटल प्लेटफार्म को और बेहतर बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। एक इंटरएक्टिव वेबसाइट, मोबाइल-फ्रेंडली एप और रियल-टाइम अपडेट्स के साथ आपके सामने होगी। हमारा संकल्प है कि हर माध्यम से, चाहे वेबसाइट, यू ट्यूब या सोशल मीडिया हो, हम आपको सूचनाओं से पूरी तरह वाकिफ रखें। हम मल्टीमीडिया कंटेंट, जैसे वीडियो, पॉडकास्ट और लाइव रिपोर्टिंग में भी निवेश कर रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी से जुड़ सकें और तेजी से बदलती मीडिया की दुनिया में आगे बने रहें। इसके साथ ही, हम डेटा एनालिटिक्स और एआई जैसे आधुनिक टूल्स का उपयोग करके यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारे पाठक क्या चाहते हैं। परिवर्तन संसार की नियति है। इस निरंतरता को कोई रोक नही सकता। यही उन्नति का कारक भी है। लेकिन इन सब उन्नतियों के बीच, एक चीज़ कभी नहीं बदलेगी , और वह है हमारी सच्चाई, ईमानदारी और ज़िम्मेदार पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता। आपके सहयोग से, हम सिर्फ अख़बार नहीं चला रहे हैं, हम सूचना के भविष्य को गढ़ रहे हैं। आपका प्यार हमें उत्साह और आगे बढ़ने का जज्बा देता है, इसे हमेशा बनाए रखें। अमृत विचार आज से एक नए रंग, एक नए रूप और नई उड़ान के साथ।

डॉ. वरुण अग्रवाल
निदेशक

डॉ. अर्जुन अग्रवाल
निदेशक

दुनिया ने 22 मिनट में देखी भारत की ताकत

मानसून सत्र

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा- इस बार सत्र विजयोत्सव की तरह

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर अपेक्षित चर्चा के लिए सरकार का रुख तय करते हुए कहा कि यह सत्र विजयोत्सव की तरह है। विश्वास जताया कि सभी संसद सदस्य इस भावना को एक स्वर में अभिव्यक्त करेंगे। सत्र शुरू होने से पहले संसद परिसर में मोदी ने कहा कि बम और बंदूक पर संविधान की जीत हो रही है। कहा कि नक्सलवाद तेजी से कम हो रहा है और रेड जोन धीरे-धीरे हरित विकास क्षेत्र में बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सौ प्रतिशत लक्ष्यों को प्राप्त किया। पूरी दुनिया ने हमारे सशस्त्र बलों का सामर्थ्य देखा। भारतीय सशस्त्र बलों ने मात्र 22 मिनट में आतंकवादियों को मारकर उनके ठिकानों को जमींदोज कर दिया। संसद का मानसून सत्र सोमवार (21 जुलाई) से आरंभ हुआ और 21 अगस्त तक इसकी कुल 21 बैठकें प्रस्तावित हैं।

मानसून सत्र शुरू होने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत का पक्ष विभिन्न देशों में रखने गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों की सराहना की और कहा कि उन्होंने 'आतंकवाद के आका' पाकिस्तान को बेनकाब किया। उन्होंने कहा मैं इन सभी सांसदों और पार्टियों की, राष्ट्र हित में किए गए इस काम के लिए सराहना करता हूं। मोदी ने कहा कि सभी दलों का अलग-अलग एजेंडा है लेकिन दल हित में मत भले ही न मिलें, लेकिन देश हित में मन जरूर मिलें। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार में कहा था कि बहुत कम समय में ही भारत की सैन्य ताकत दिखाई दे गई और 'मेड इन इंडिया' के तहत देश में निर्मित सैन्य क्षमताओं की ओर दुनिया का ध्यान गया है।

मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इसने पूरी दुनिया को झकझोर दिया और आतंकवाद तथा उसके केन्द्र की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया। प्रधानमंत्री ने माओवाद और नक्सलवाद के खिलाफ अपनी सरकार की निर्णायक कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि लाल गलियारे अब हरित विकास क्षेत्रों में बदल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि पहली बार भारत का तिरंगा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर लहराया।

मानसून सत्र के पहले दिन संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए नोटिस

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव से संबंधित नोटिस सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में दिए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपे गए नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद, अनुराग ठाकुर समेत कुल 145 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। निचले सदन में अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत नोटिस दिए गए हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले और भाजपा के राजीव प्रताव रूड़ी समेत कई अन्य सदस्यों ने भी इस पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रसाद ने संसद परिसर में कहा कि न्यायपालिका की ईमानदारी, पारदर्शिता और स्वतंत्रता तभी सुनिश्चित होगी, जब न्यायाधीशों का आचरण अच्छा होगा। आरोप संगीन थे और ऐसे में महाभियोग के लिए नोटिस दिया गया है। हमने आग्रह किया है कि कार्यवाही जल्द शुरू होनी चाहिए। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सौंपे गए नोटिस पर 63 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा कि कुल 63 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं और अब इस मामले की जांच होगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित न्यायाधीश को हटाया जाएगा।

विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले और कई अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में विपक्षी दलों के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद समेत अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया। शोर-शराबे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब 20 मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक, दूसरी बार अपराह्न दो बजे तक और फिर चार बजे तक के लिए स्थगित की गई। शाम चार बजे कार्यवाही पुन: शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने हंगामा नहीं थमने पर कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। सुबह सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी। सभा ने उनके साथ ही पहलगाम हमले और अहमदाबाद विमान हादसे में तथा प्राकृतिक आपदाओं में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी।

ब्रीफ न्यूज

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री अच्युतानंदन का निधन

तिरुवनंतपुरम। भारत के सबसे सम्मानित कम्युनिस्ट नेताओं में से एक और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस. अच्युतानंदन का सोमवार को 101 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। माकपा के प्रदेश सचिव एमवी. गोविंदन ने बताया कि लगभग एक महीने पहले हृदयाघात के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए वरिष्ठ नेता का आज निधन हो गया।

मुख्यमंत्री स्टालिन अस्पताल में भर्ती

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को सोमवार सुबह की सैर के दौरान चक्कर आने बाद अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. अनिल बीजी ने यह जानकारी दी।

अंदर देखें... अंतस

अशोका फोम

SUMMER SALE UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

बांग्लादेश का लड़ाकू विमान क्रैश, 20 की मौत

- ढाका में एक स्कूल के भवन से टकराया विमान, 171 घायल

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में वायुसेना का एक प्रशिक्षण विमान सोमवार दोपहर राजधानी ढाका में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक स्कूल भवन से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 171 अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों एवं चश्मदीदों ने बताया कि जान गंवाने वालों में ज्यादातर बच्चे शामिल हैं। यह बांग्लादेश के इतिहास में हुए सबसे घातक विमान हादसों में एक है। अधिकारियों ने कहा कि चीन निर्मित एफ-7 बीजीआई प्रशिक्षण विमान दोपहर बाद ढाका के उत्तर क्षेत्र में 'माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज' के दो मंजिला भवन से टकरा गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम की भी मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टरेट ने कहा कि इस दुर्घटना में पायलट समेत 20 लोगों की मौत हो गई और 171 अन्य घायल हो गए। कहा कि पायलट ने विमान को घनी आबादी वाले इलाके से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह स्कूल की दो मंजिला इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान नियमित प्रशिक्षण के तहत दोपहर 1:06 बजे कुर्मीटोला स्थित बांग्लादेश वायुसेना अड्डे एके खांडेकर से उड़ान भरने के बाद यांत्रिक खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बांग्लादेशी वायुसेना ने एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया है। अंतरिम सरकार ने 22 जुलाई को राजकीय शोक की घोषणा की है।

मुंबई में रनवे से फिसला एयर इंडिया का विमान

मुंबई। कोच्चि से आ रहा एयर इंडिया का एक विमान सोमवार सुबह मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते समय रनवे के बाहर निकल गया। विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि विमान सुरक्षित रूप से उतर गया तथा सभी यात्री एवं चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। प्रवक्ता ने कहा कि 21 जुलाई 2025 को कोच्चि से मुंबई के लिए रवाना हुई उड़ान संख्या एआई2744 के हवाई अड्डे पर उतरते समय भारी बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप वह हवाई अड्डे पर उतरने के बाद रनवे के बाहर निकल गया। डीजीसीए की एक टीम स्थिति का आकलन कर रही है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिया इस्तीफा

- राष्ट्रपति मुर्मू को भेजे इस्तीफे में स्वास्थ्य कारणों का दिया हवाला
- पद पर रहते इस्तीफा देने वाले वीवी गिरि के बाद दूसरे उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा भेज दिया और कहा कि वह तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। धनखड़ ने राष्ट्रपति को लिखे अपने पत्र में कहा, स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूं। धनखड़ (74) ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पदभार संभाला था और उनका कार्यकाल 2027 तक था। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन ही इस्तीफा दे दिया।

हाल में उनकी दिल्ली एम्स में एंजियोप्लास्टी हुई थी। राज्यसभा के सभापति के रूप में अपने कार्यकाल में, धनखड़ का विपक्ष के साथ कई बार टकराव हुआ, जिसने उन पर महाभियोग चलाने का प्रस्ताव भी पेश किया था। यह प्रस्ताव स्वतंत्र भारत में किसी वर्तमान उपराष्ट्रपति को हटाने का पहला मामला था। धनखड़ पद पर रहते हुए इस्तीफा देने वाले दूसरे उपराष्ट्रपति हैं। इससे पहले वीवी गिरि ने 20 जुलाई, 1969 को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पद से इस्तीफा दे दिया था। धनखड़ का इस्तीफा राज्यसभा में एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम के बाद आया है, क्योंकि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए विपक्ष द्वारा एक प्रस्ताव उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया था और उन्होंने सदन में इसका उल्लेख किया था।

115 रुपये में जमीन! ये तो सत्ता के दुरुपयोग का मामला है : सुप्रीम कोर्ट

- समाजवादी पार्टी ने पीलीभीत में कार्यालय के लिए ली थी जमीन

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में मात्र 115 रुपये में कार्यालय की जगह धोखाधड़ी से कब्जाने के लिए सोमवार को समाजवादी पार्टी को फटकार लगाई और इसे 'राजनीतिक शक्ति का स्पष्ट दुरुपयोग' बताया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राजनीतिक दल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे से कहा कि यह धोखाधड़ी से आवंटन का मामला नहीं है, बल्कि 'बाहुबल और सत्ता का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी से कब्जा' किए जाने का मामला है।

शीर्ष अदालत पीलीभीत नगरपालिका परिषद के बेदखली आदेश के खिलाफ यहां पार्टी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दवे ने तर्क दिया कि कार्यालय के लिए किराया देने के बावजूद, नगर निगम के अधिकारी उनके मुवक्किल को बेदखल करने पर अड़े हुए हैं। पीठ ने कहा कि आप एक राजनीतिक दल हैं। आपने जगह पर कब्जा करने के लिए आधिकारिक पद और राजनीतिक शक्ति का दुरुपयोग किया। क्या आपने कभी नगरपालिका क्षेत्र में 115 रुपये किराए पर कार्यालय की जगह के बारे में सुना है? यह सत्ता के दुरुपयोग का स्पष्ट मामला है।

जब दवे ने छह सप्ताह तक बेदखल नहीं किए जाने की अपील की की, तो पीठ ने कहा कि इस समय आप एक अनधिकृत अधिभोगी हैं। ये धोखाधड़ी वाले आवंटन नहीं, बल्कि धोखाधड़ी वाले कब्जे हैं।

अदालत ने खारिज की सपा की याचिका

पीठ ने कहा कि बेहतर होगा कि आप उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करें और ऐसे किसी भी धोखाधड़ी वाले आवंटन या कब्जे को अदालत के संज्ञान में लाएं। हम इस कदम का स्वागत करेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 16 जून को पार्टी के पीलीभीत जिलाध्यक्ष की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जो उन्हें स्थानीय पार्टी कार्यालय खाली करने के आदेश के मामले में नई याचिका दायर करने से रोकता था।। शीर्ष अदालत ने पार्टी को नगर निकाय के निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता प्रदान की।

अभियोजन विफल, सभी 12 आरोपी बरी

मुंबई ट्रेन विस्फोट

मुंबई, एजेंसी

मुंबई उच्च न्यायालय ने 11 जुलाई 2006 को हुए मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सोमवार को सभी 12 आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है तथा यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने यह अपराध किया है। यह फैसला शहर के पश्चिमी रेलवे नेटवर्क को हिला देने वाले आतंकवादी हमले के 19 साल बाद आया है। इस हमले में 180 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और कई घायल हुए थे।

न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध में प्रयुक्त बमों के प्रकार को रिकार्ड में लाने में भी असफल रहा है । उच्च न्यायालय ने 12 व्यक्तियों की दोषसिद्धि को रद्द करते हुए कहा कि गवाहों के बयान और आरोपियों के पास से कथित तौर पर की गई बरामदगी का कोई साक्ष्य मूल्य नहीं है।

इनमें से पांच आरोपियों को विशेष अदालत ने सजा-ए-मौत और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

पहल | मुख्यमंत्री योगी का बड़ा फैसला, 60 वर्षों से 10 हजार परिवार झेल रहे थे विस्थापन

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भू-स्वामित्व

- पीलीभीत, लखीमपुर, बिजनौर रामपुर के डीएम को भूस्वामी अधिकार देने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधि सम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। पीलीभीत, लखीमपुर, बिजनौर और रामपुर में रह रहे ऐसे 10 हजार से अधिक परिवारों को वहां के जिलाधिकारी भूस्वामी अधिकार देने की कार्यवाही शुरू करते हुए राजस्व रिकार्ड में दर्ज करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने आवास पर हुई बैठक में कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने शासन के अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है। योगी ने कहा कि यह संवेदनशील प्रयास दशकों से उपेक्षित विस्थापित परिवारों के लिए एक नई उम्मीद और गरिमापूर्ण जीवन का द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है। इसे केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं। अद्यतन स्थिति के अनुसार एक ओर जहां कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है।

घर और खेती थी, फिर भी अभिलेखों में नाम नहीं

प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरुप्रसाद ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जिले में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और कृषि भूमि भी आवंटित की गई। लेकिन समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियां, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं।

युवक ने अपनी गर्दन पर चाकू से किए वार, गंभीर

बीसलपुर, अमृत विचारः एक युवक ने चाकू से अपनी ही गर्दन पर कई वार किए। उसकी हालत गंभीर है। ग्राम खनंका उचसिया निवासी दंगल सिंह ने बताया कि उनका भाई नरवीर सिंह 17 जुलाई को घर के बाहर खड़ा था। मामूली विवाद को लेकर गांव के ही धीरज कुमार, रवि कुमार ने उसके ऊपर लाठी डंडे और बांका से हमला बोल दिया। उसके सिर में गंभीर चोट आई। सोमवार शाम 5 बजे नरवीर सिंह कोतवाली आया और उसने अपने ही गांव के धीरज व रवि के विरुद्ध तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इसके बाद नरवीर अपने गांव वापस लौटा और घर में रखे चाकू से अपनी गर्दन पर वार कर दिया। वह लहूलुहान होकर मौके पर गिर गया। परिजन सीएचसी लेकर पहुंचे और वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

थोक विक्रेताओं ने खोली कालाबाजारी की दुकान

यूरिया थोक विक्रेता की कॉल रिकॉर्डिंग साक्ष्य के तौर पर सौंपी, एफआईआर और लाइसेंस निरस्त करने की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः खाद की किल्लत को लेकर किसान परेशान है। अभी कुछ दिन पहले ही जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में मुद्दा उठा और कृषि अधिकारी को थप्पड़ तक जड़ दिया था, जिससे मामला तूल पकड़ चुका है। इसी बीच अब एक शिकायत पूर्व चेयरमैन की ओर से की गई है। वह खाद के फुटकर विक्रेता हैं। उनके अनुसार, खाद की कालाबाजारी के पीछे थोक विक्रेता जिम्मेदार हैं। उनके द्वारा पहले से ही शासन से निर्धारित अधिक दाम पर मनमाने तरीके से बिक्री की जा रही है, जिसके बाद फुटकर विक्रेता को मजबूरन अधिक दाम वसूलना पड़ेंगे।

एक दुकान पर लगा खाद का स्टॉक।

- खाद के फुटकर व्यापारी मझोला के पूर्व चेयरमैन ने कृषि अधिकारी से की शिकायत

नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा (मझोला) के पूर्व चेयरमैन रामऔतार अग्रवाल ने जिला कृषि अधिकारी से शिकायत की। जिसमें बताया कि उनकी मझोला में खाद की रिटेल की दुकान है, जिसमें खरीद बिक्री आदि प्रबंधन का कार्य वह करते हैं। फुटकर बिक्री के लिए यूरिया खाद की जरूरत थी। इस पर 24 जून को बीसलपुर स्थित ज्वाला सरन जगदीश सरन फर्म के मालिक से संपर्क किया। इस पर फर्म मालिक ने बताया कि उन्हें यूरिया 260 रुपये एक्स बरेली देंगे और इनसे 55 हजार रुपये का माल टैगिंग में यूरिया की गाड़ी के साथ लेना पड़ेगा। इस पर जब ये कहा कि ऐसे तो यूरिया भाड़ा आदि खर्च मिलाकर मझोला में 280 रुपये प्रति बोरी से भी ऊपर पड़ेगी, जो सरकारी नियंत्रण मूल्य 266 रुपये, प्रति बैग लोडिंग का खर्च मिलाकर करबी 270 रुपये अधिकतम ही किसान का खर्च होना चाहिए।

इस प्रकार की स्थिति बना देने से तो हंगामा हो जाएगा। इस पर फर्म मालिक ने साफ कहा कि यही रेट लगेगा और टैगिंग का माल जिंग, जाइम आदि भी 55 हजार रुपये का लेना पड़ेगा। इसके बिना यूरिया नहीं मिलेगी। इस माल का मूल्य भी बाजार रेट से दोगुना बताया। आपत्ति करने पर आगे यूरिया और आने वाली है, जो ठीक रेट में पड़ जाएगी। आपत्ति जताने पर कुछ भांपकर टाल दिया, जिसकी कॉल रिकॉर्डिंग भी उनके पास है। शासन के रेट पर यूरिया देने को कहा गया लेकिन यूरिया का स्टॉक न आने की बात कहकर टोल दिया गया, जबकि इसी बीच इनके पास कई बार यूरिया आई और इन लोगों ने ब्लैक मार्केटिंग कर दी। जो रिटेलर मजबूरी में इनसे ब्लैक में शर्तों पर यूरिया लेने को तैयार थे, सिर्फ उन्हें दी गई। इधर, शिकायतकर्ता के पुत्र कपिल अग्रवाल जो राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि है। उन्होंने भी इस प्रकरण में जिला कृषि अधिकारी से वार्ता कर कार्रवाई करने के लिए कहा है।

...तो अब खाद की कालाबाजारी पर भी पुलिस करे कार्रवाई

इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने कहा कि मझोला के पूर्व चेयरमैन से शिकायत प्राप्त हुई है। एक ऑडियो भी पत्र के साथ भेजा गया है। ऑडियो पुलिस को दे दिया जाएगा, वह इसकी फॉरेंसिक जांच कराए। इसके बाद जांच करा ली जाएगी, अभी तो कर्मचारी ही हड़ताल पर हैं, जांच किससे कराएंगे। हड़ताल खत्म कराने के प्रयास जैसे-तैसे कर रहे हैं।

नगर पालिका की सीमा विस्तार में पक्षपात का आरोप

संवाददाता, पूरनपुर

- सपा कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचारः नगर पालिका पूरनुपर की सीमा विस्तार में पक्षपात का आरोप लगाते हुए सपा कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। चुनावी लाभ के लिए सजातीय वर्ग की सीमा विस्तार का प्रस्ताव भेजने का आरोप लगाया गया।

समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष मुजफ्फर खान उर्फ हाजी लाडले के नेतृत्व में सोमवार को कार्यकर्ता तहसील पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को सौंपा। जिसमें कहा कि वर्तमान में नगर पालिका की ओर से सीमा विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। आरोप लगाया कि नगर पालिका के जिम्मेदार चारों दिशाओं का सीमा विस्तार न कर निजी स्वार्थ के लिए कुछ कॉलोनी को नगर में मिलाने का प्रस्ताव भेजा है। आरोप लगाया कि नगर पालिकाध्यक्ष निजी स्वार्थ और चुनावी लाभ के लिए सीमा विस्तार में पक्षपात कर रहे हैं। चारों दिशाओं में नगर से सटी कॉलोनी और ग्राम पंचायत पूरनपुर देहात को भी सीमा विस्तार में शामिल करने की मांग की गई। इस दौरान नगर पालिका परिषद की चारों दिशाओं का सामान सीमा विस्तार कराने की मांग की गई। नगर पालिका की ओर से भेजे गए सीमा विस्तार की प्रस्ताव पर रोक लगाते हुए उसकी जांच कराने की मांग भी की। इस मौके पर राम लखन, अफजाल अंसारी, मोहम्मद शाहिद खान, मुशाहिद, कौशल, आनंद मौजूद रहे।

शहर से देहात तक बिजली कटौती की मार, लोग परेशान

रविवार को भी रात भर कई इलाकों में रहा ब्लैकआउट, पावर कॉरपोरेशन की लापरवाही का खामियाजा उठा रहे पीलीभीतवासी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बिजली व्यवस्था में सुधार को लेकर किए दावे इस बार भी खोखले साबित हो गए। पिछले कुछ दिनों हालात यूं बन गए कि अघोषित कटौती की मार ने शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हाहाकार मचा दिया है। हालात बद से बदतर हो चुके हैं। दिनभर की आंख मिचौली के बाद पूरी-पूरी रात बिजली गुल हो रही है। जिम्मेदार लोड बढ़ने पर लोकल फाल्ट का हवाला देते हुए साख बचा रहे हैं। घरेलू से लेकर व्यावसायिक जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। आलम ये है कि सुधार होने के बजाय दिनोंदिन व्यवस्था और चरमरा रही है। पॉवर कॉरपोरेशन के जिम्मेदारों की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है, जिसे लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ चुकी है।

लाइन पर सुधार कराने पहुंची पावर कॉरपोरेशन की टीम।

निरंजनकुंज फीडर क्षेत्र में फाल्ट ठीक करता कर्मचारी।

शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गर्मी की दस्तक के साथ ही बिजली की अघोषित कटौती दर्द झेलना पड़ रहा है। शनिवार रात को दस घंटे तक सप्लाई बाधित रही थी। इसके बाद रविवार को भी दिनभर बिजली की आंख मिचौली रही, जिससे उपभोक्ता परेशान थे।

इसके बाद रात में भी राहत नहीं मिल सकी। लोकल फाल्ट के नाम पर बिजली गुल होती चली गई। संजय रॉयल पार्क में 11 केवी की नई केबिल डलवाई जा रही थी, जिसके चलते तमाम इलाको में सप्लाई रात साढ़े 10 बजे तक गुल रही। इसके बाद छतरी चौराहा फीडर की बत्ती गुल हो गई। शरीफ खां चौराहा की तरफ बिजली आ भी रही थी तो लो वोल्टेज ने परेशान कर दिया। दुर्गाप्रसाद मोहल्ले में तार में फाल्ट हो गया। छोटी मार्केट के पास ट्रांसफार्मर से एक फेस की सप्लाई बाधित रही। रात 12 बजे आवास विकास फीडर की सप्लाई चालू हो सकी, जो रात 8 बजे के बाद से यहां की बिजली गुल थी। इसके बाद 33 केवी नकटादाना लाइन ट्रिप हो गई और कई जगह फाल्ट हो गए, जिसके बाद आधे शहर की बिजली सप्लाई बाधित हो गई। एकता नगर, रामविहार कॉलोनी, निरंजनकुंज कॉलोनी, फीलखाना, अवध नगर कॉलोनी, मुनीर खां, समेत कई इलाकों में पूरी रात बिजली नहीं आई। 33 केवी लाइन पर भी दिक्कत आई। इसके बाद सोमवार को भी परेशानी बढ़ी रही। आयुर्वेदिक कॉलेज चौराहा, खकरा, डालचंद, आसफजान, साहूकारा, अशोक कॉलोनी, शेर मोहम्मद, कांशीराम कॉलोनी में बत्ती गुल हो गई। बताते हैं कि ट्रांसमिशन से दिक्कत हुई थी, उसका इंसुलेटर फंस गया था। इसे लेकर टीम दौड़ी और सुधार कार्य में जुटी रही। सावन के दूसरे सोमवार को बिजली की कटौती तड़के हुई तो पानी की दिक्कत ने भी घेर लिया और लोगों में नाराजगी दिखी।

इसकी सुबह करीब नौ बजे सप्लाई चालू करा दी गई। मगर, फिर भी एकता नगर, निरंजनकुंज की सप्लाई नहीं हुई। इसे लेकर उपभोक्ता जानकारी करते रहे। हालांकि शाम तक बिजली की आवाजाही परेशान करती रही।

12 घंटे गुल रही दियोरिया क्षेत्र की बिजली

दियोरियाकलां, अमृत विचार : ग्रामीण अंचलों में भी बिजली कटौती मार ने उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया है। रविवार रात 33 केवीए में फाल्ट होने के बाद रात 10 बजे से दियोरिया उपकेंद्र की विद्युत आपूर्ति ठप पड़ गई, जिससे उपकेंद्र से जुड़े तमाम गांवों में बिजली गुल हो गई। भीषण गर्मी में उपभोक्ता परेशान हो गए। रात भर बिजली नहीं आई। दूसरे दिन सोमवार को भी सुधार कार्य चलता रहा। इसके ठीक 12 घंटे बाद सुबह करीब दस बजे सप्लाई चालू कराई जा सकी। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन किसी न किसी कारण बिजली घंटों गुल होती है। बच्चों और बुजुर्गों को अधिक परेशानी हो रही है। जेई धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि फाल्ट के चलते सप्लाई बाधित रही थी। इसका सुधार करा दिया गया है।

मेवातपुर में तेंदुए ने नहीं, सियार ने किया था महिला पर हमला

- वन महकमे ने किया खुलासा, हाथ में हंसिया लगने से हुआ जख्म
- मौके पर न ही तेंदुआ मिला और न ही उसके या किसी अन्य वन्यजीव के पगचिह्न मिले

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: न्यूरिया क्षेत्र के गांव मेवातपुर में एक दिन पूर्व महिला पर किसी तेंदुए ने नहीं, बल्कि सियार ने हमला किया है। वहीं महिला के हाथ में जो जख्म हैं, वह बचाव में चलाए गए हंसिये के वार के हैं, जो महिला के हाथ में लग गया। इसका खुलासा वन अफसरों ने किया है।

बीते रविवार सुबह न्यूरिया क्षेत्र के गांव मेवातपुर में गांव निवासी 50 वर्षीया जगदेई पत्नी हेमराज वन्यजीव के हमले में घायल हो गई थी। महिला पर हमला उस वक्त हुआ, जब वह गांव के पास ही अपने धान के खेत को देखने गई थी।

हमले में महिला के दोनों हाथ जख्मी हो गए थे। उस दौरान ग्रामीणों का कहना था कि महिला पर हमला तेंदुआ ने किया है। सूचना पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के उप प्रभागीय वनाधिकारी रुद्रप्रताप सिंह एवं माला रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी रॉबिन सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। हाथियों की मदद से वनकर्मियों ने सर्च ऑपरेशन भी चलाया, मगर मौके पर न ही तेंदुआ मिला और न ही तेंदुए या किसी अन्य वन्यजीव के पगचिह्न मिले थे।

घटना के बाद घायल महिला को मेडिकल कॉलेज में ले जाकर उचार कराया गया। इधर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई गई थी।

जांच में हमला किसी तेंदुए के द्वारा नहीं, बल्कि सियार का होना पाया गया है और महिला के हाथ में जो जख्म हैं, उसमें कुछ जख्म हंसिये के वार के भी हैं, जो महिला ने बचाव में सियार के ऊपर चलाया गया था, मगर वह खुद महिला के हाथ में लग गया।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

मझोला, अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। उसका शव फंदे से लटका मिला। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच कर रही है।

न्यूरिया थाना क्षेत्र के कस्बा मझोला की मिश्रा नगर कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय किरण कौर पत्नी सरवन सिंह का शव सोमवार को अपने ही मकान में दुपट्टे से बने फंदे से लटका मिला। वह परिवार संग किराए के मकान में पांच साल से रह रही थी। पति ट्रक चालक हैं। बताते हैं कि शाम को वह दोनों बच्चों को ट्यूशन छोड़कर आई थी। जबकि पति बाजार गए थे। वापस आने पर फंदे से लटका शव देख परिवार में चीख पुकार मच गई। इसकी सूचना मिलने पर न्यूरिया पुलिस फील्ड यूनिट टीम के साथ पहुंची और जानकारी की। एसओ न्यूरिया सुभाष मावी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। मामले की जांच करा रहे हैं।

एसडीओ ऑफिस के बाहर वैन खड़ी कर जमा कर रहे बिल

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: एक्सईएन के तबादले के बाद डिवीजन में लापरवाही हावी हो गई है। अवैध रूप से चलाया जा रहा जनसेवा केंद्र चर्चा के बाद सरकारी भवन से हटकर एसडीओ कार्यालय के बाहर वैन में संचालित किया जा रहा है। शिकायत के बाद भी अवैध रूप से संचालित वैन को जिम्मेदारों ने नहीं हटवाया। इसको लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बता दें कि तत्कालीन अधिशासी अभियंता प्रशांत गुप्ता के कार्यकाल में डिवीजन परिसर के बाहर वैन में जन सेवा केंद्र संचालित किए जा रहे थे। उन्होंने परिसर में केंद्र चलाने की अनुमति नहीं दी। एसडीओ कार्यालय के बाहर बने विभागीय काउंटरों पर ही बिजली बिल जमा किए जा रहे थे। प्रशांत गुप्ता के तबादले के बाद से डिवीजन कार्यालय में लापरवाही शुरू हो गई है। कुछ दिन पहले डिवीजन परिसर में ही सरकारी भवन में निजी जन सेवा केंद्र चालू कर दिया गया। शिकायत के बाद एसडीओ मोहित गुप्ता ने जन सेवा केंद्र हटवा दिया। उसके बाद यह जनसेवा केंद्र अब एक वैन में चलाया जा रहा है। यह वैन एसडीओ कार्यालय के बाहर खड़ी की जा रही है। बिजली घर बिल जमा करने के लिए पहुंचने वाले उपभोक्ताओं को रास्ते में रोक कर उनसे वैन में संचालित निजी जन सेवा केंद्र पर बिल जमा कराया जा रहा है, जबकि पास में ही बिजली विभाग के तीन काउंटर बिल जमा करने के लिए बने हुए हैं। इसकी जानकारी जिम्मेदारों को है, लेकिन 200 मीटर दायरे के अंदर निजी केंद्र संचालित न किए जाने के नियम को नजरअंदाज कर मिली भगत के चलते धांधली की जा रही है। इसे कमीशन खोरी से जोड़कर देखा जा रहा है। एक्सईएन हरेंद्र सिंह का कहना है कि परिसर में वैन नहीं खड़ी की जा सकती है। इसकी जांच कराई जाएगी।

एसडीओ कार्यालय के बाहर खड़ी वैन में संचालित जन सेवा केंद्र।

दिव्यांग के बिल में हेराफेरी का आरोप

बताते हैं कि नगर के मोहल्ला रजागंज के रहने वाले दिव्यांग इरफान की मां शनिवार को एसडीओ कार्यालय में बने काउंटर पर बिल जमा करने गईं। इस दौरान निजी जन सेवा केंद्र संचालक ने उनसे वैन में बिल जमा करने के लिए कहा। बिल के 764 रुपये जमाकर इरफान की मां ने केंद्र संचालक से रसीद मांगी। संचालक ने बिल के रुपये पूरे जमा करने के बाद महिला को 450 रुपये की जमा रसीद दी। घर पहुंचकर महिला ने बेटे इरफान को रसीद दिखाई। सोमवार को इरफान अपनी मां के साथ बिजली घर पहुंचे और जनसेवा केंद्र संचालक से जमा किए गए पूरे बिल की रसीद मांगी। केंद्र संचालक ने अपने केंद्र पर बिल जमा न किए जाने की बात कही। इस पर इरफान एक्स ई एन से शिकायत की। उसके बाद जनसेवा केंद्र संचालक ने महिला के रुपये वापस किए।

दोस्त के बहकावे में घर से नकदी जेवर ले गया छात्र लापता

पूरनपुर, अमृत विचार: नगर के रहने वाले एक अधिवक्ता की पत्नी सोमवार को बाजार गई थीं। इस दौरान मोहल्ले का ही रहने वाला एक युवक उनके बेटे को बहला फुसला कर अपने साथ लेकर चला गया।

अधिवक्ता का आरोप है कि दोस्त के बहकावे में आकर उनका बेटा घर में रखे सोने चांदी के करीब 10 लाख कीमत के जेवर और 50 हजार रुपये भी साथ ले गया है। कमरे की अलमारी में रखे बॉक्स में सोने की कई अंगूठियां, मंगलसूत्र आदि रखे हुए थे। खोजबीन के बाद छात्र का पता न चलने पर उसके दोस्तों की खोजबीन की गई। दोनों युवकों के पास मोबाइल नहीं है। अधिवक्ता ने छात्र को बहलाकर ले जाने का आरोप उसके दोस्त पर लगाया। परिजन ने छात्र से अनहोनी की आशंका भी जताई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 22 जुलाई 2025
पीलीभीत

- अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं को सदर तहसील में धरना प्रदर्शन सुबह 9 .30 बजे।
- प्राचीन गौरीशंकर मंदिर से कछला घाट के लिए कांवड़ियों की रवानगी सुबह 7 बजे।
- श्री बालाजी नीम करौली धाम कांशीराम ईदगाह में भव्य दरबार दोपहर 12 बजे से।

सिटी ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर हमला करने की रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम चौखंडी निवासी सुनील कुमार कीओर से रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें उसने बताया कि 23 मई को वह घर पर थे। गांव का महेंद्र पाल, सुशील कुमार व दुष्यंत कुमार पुरानी रंजिश में घर में घुस आए। लाठी और बांके से हमला कर घायल कर दिया।

सर्पदंश से बिगड़ी ग्रामीण की हालत

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम पहाड़गंज निवासी अब्दुल रशीद का पुत्र नन्हे खां खेत पर फसल देखने गया था। वह खेत पर काम करते वक्त उसे सांप ने डस लिया। उसे सीएचसी ले जाया गया। इलाज के बाद हालत में सुधार होने पर परिजन घर ले गए।

बंदरों के झुंड के हमले में युवक घायल

बीसलपुर : मोहल्ला दुबे निवासी राधे श्याम का पुत्र अशोक कुमार घर पर था। इसी दौरान बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। बचने के चक्कर में भागते वक्त वह गिरा और बंदरों ने हमला कर दिया। घायल को सीएचसी भर्ती कराया गया।

अब अनुभवी अफसरों ने संभाली कमान

ग्रामीणों को सुरक्षित करने के साथ बाघिन को पकड़ने की बनाई प्लानिंग, हर दो गांव पर लगाई सात सदस्यीय टीम

बाघिन की दहशत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पिछले दिनों ताबड़तोड़ हुई मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के बाद समूचे न्यूरिया क्षेत्र में दहशत से जूझ रहा है। बाघिन के हमले में तीन इंसानों की जान जा चुकी है। शासन स्तर तक खलबली मची हुई है। वन महकमे के लिए हमलावर बाघिन को पकड़ने के अलावा आमजन को सुरक्षित रखना चुनौती बना हुआ है। ऐसे में अब यहां की कमान अनुभवी वन अफसरों के हाथों में दी गई है। इन्हीं वन अफसरों के नेतृत्व में टीमें उत्तराखंड सीमा तक संवेदनशील गांवों में आबादी क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए बाघिन को पकड़ने की कवायद चल रही है। फिलहाल हमलावर बाघिन कब पकड़ी जाएगी, इसका जवाब तो इन वन अफसरों के पास भी नहीं है, मगर आने वाले दिनों में कोई और इंसान बाघिन का निवाला न बने, इस पर पूरा फोकस करते हुए अभियान को अंजाम दिया जा रहा है।

जनपद पीलीभीत के जंगलों को जून 2014 में टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया था। इसके बाद बाघ संरक्षण परियोजना से बेशक पीलीभीत टाइगर रिजर्व को संजीवनी मिली। बाघ-तेंदुओं के साथ अन्य वन्यजीवों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि भी हुई। देश ही नहीं, बल्कि विश्व पटल तक इसकी ख्याति पहुंच गई। मगर, इनके सबके बीच आधे-अधूरे संसाधनों के दम पर घोषित किए गए टाइगर रिजर्व से बड़ी संख्या में बाघ-तेंदुओं ने भी जंगल से बाहर निकलना शुरू कर दिया। ऐसे में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी तेजी से बढ़ने लगी है। हालांकि सीमित संसाधनों के दम पर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने काफी हद तक वन्यजीव-इंसानी टकराव रोकने में सफलता भी पाई।

मौजूदा साल के शुरुआती चार महीनों तक जनपद में एक भी मानव-वन्यजीव संघर्ष की बड़ी घटना सामने नहीं आई, मगर मई की महीना आते-आते एकाएक इसमें तेजी आ गई। 14 मई से 3 जून के बीच पूरनपुर तहसील के गांवों में हुए बाघ हमलों में दो महिलाओं समेत चार लोगों को जान गंवानी पड़ी। सिलसिला यहीं नहीं थमा।

बीते 9 जून को न्यूरिया क्षेत्र के गांव मेवातपुर में बाघिन हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। इसके बाद से हमलावर बाघिन अकेले न्यूरिया क्षेत्र में अब तक तीन इंसानों की जान ले चुकी है, जबकि बाघ हमले में घायल एक अन्य महिला जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। जनपद में एकाएक बढ़े मानव-वन्यजीव संघर्ष से वन महकमा भी सकते में है। वहीं ताबड़तोड़ हमलों से शासन स्तर तक खलबली मची हुई है। इधर, मानसूनी सीजन में हमलावर बाघिन को पकड़ना वन महकमे के लिए चुनौती बना हुआ है। ऐसे में शासन ने जनपद की कमान अब मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह एवं फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्रा को दी गई है। मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह के पास तराई के जंगलों का खासा अनुभव रहा है। वहीं रमेश चंद्रा मुरादाबाद वृत्त के वन संरक्षक हैं, उन्हें मुरादाबाद वृत्त के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर का चार्ज दिया गया है। खास बात यह है कि फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्रा के नेतृत्व में अब 82 तेंदुए रेस्क्यू किए जा चुके हैं। अब इन्हीं वन अफसरों के नेतृत्व में बाघिन को पकड़ने की भी कवायद चल रही है।

अभियान के दौरान गांव फुलहर में निगरानी करते क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव व टीम।

एफडी कार्यालय में बैठ कर अभियान के संबंध में अपडेट करते मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह व फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्रा। ● अमृत विचार

- मामला शासन तक पहुंचने के बाद उत्तराखंड सीमा तक बढ़ाई निगरानी, 24 घंटे कॉम्बिंग

...ताकि हमलों से बचाव करते हुए पकड़ी जा सके बाघिन

हमलावर बाघिन को पकड़ने के लिए अनुभवी वन अफसरों के नेतृत्व में अभियान की रुपरेखा तैयार की गई है। बाघिन के बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए उत्तराखंड सीमा तक 20 प्रभावित गांवों को निगरानी के दायरे में लिया गया है। प्रत्येक दो गांवों के लिए एक-एक टीम बनाई गई है। टीम में अलग-अलग रैंक के 6 से 7 सदस्य शामिल किए गए हैं। इनमें वन अफसरों से लेकर वनकर्मी और टाइगर ट्रैकर शामिल हैं। सभी टीमों को अलग-अलग वाहन मुहैय्या कराए गए हैं। टीमें लगातार 24 घंटें इन प्रभावित गांवों में लगी हुई हैं। मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह ने स्पष्ट कहा कि मानव वन्यजीव संघर्ष के बाद पहली प्राथमिकता संबंधित क्षेत्र की आबादी की सुरक्षा है। इसी को देखते हुए प्रत्येक गांव में निगरानी के साथ ही टीमें लगाकर लोगों को जागरूक कराया जा रहा है। उन्हें वन्यजीव के हमले से बचाव को बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत टीमें करा रही हैं। उन्होंने रेस्क्यू में आ रही कुछ दिक्कतों को भी बताया। कहा कि वर्तमान में बारिश का सीजन है। ऐसे में बारिश के बाद पगचिह्न मिट जा रहे हैं, जिससे बाघिन की लोकेशन ट्रेस करने में खासी दिक्कत आ रही है। इन दिक्कतों के बावजूद टीमें लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं। बाघिन की लोकेशन पता लगाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। टीम से अधिकारी सीधे संपर्क में हैं और पल-पल की अपडेट ली जा रही है।

चुनौती बनी हमलावर बाघिन , सोमवार को भी वन महकमे के हाथ खाली

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: न्यूरिया क्षेत्र में दहशत का पर्याय बनी बाघिन वन महकमे के लिए चुनौती बनती जा रही है। रविवार रात से सोमवार शाम तक टीमें दिन-रात खाक छानती रही, तीन रेस्क्यू प्वाइंटों पर ट्रैप एनिमल बांधकर बाघिन का इंतजार भी किया गया, मगर हमलावर बाघिन का कहीं कोई अता-पता नहीं चल सका। ऐसे में अब हमलावर बाघिन की मौजूदगी संभावित इलाके में न होने की संभावना जताई जा रही है।

जनपद में न्यूरिया क्षेत्र में चार दिन के अंतराल पर हुए हमलों में दो इंसानों की मौत के बाद शासन के निर्देश पर वन महकमे के बडे अफसर जनपद में ही डेरा डाले हुए हैं। बाघिन को पकड़ने के लिए बीते चार दिनों से न्यूरिया क्षेत्र में वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। वन अफसरों के नेतृत्व में 100 से अधिक वनकर्मियों को लगाया गया है। रविवार रात से सोमवार देर शाम तक सभी टीमें वन अफसरों के नेतृत्व में संभावित स्थानों पर पैदल गश्त, ड्रोन मॉनीटरिंग के माध्यम से बाघिन की तलाश में जुटी रहीं। मगर, हमलावर बाघिन का कही कोई अता-पता नहीं चल सका। फिलहाल डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह एवं डीएफओ भरत कुमार डीके के नेतृत्व में न्यूरिया क्षेत्र में ही लगातार मॉनीटरिंग करने के साथ-साथ लोगों को जागरुक कर रही है, ताकि कही कोई अन्य अनहोनी घटना का सामना न करना पड़े।

डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि बाघिन की लोकेशन जानने के लगातार प्रयास चल रहे हैं। सभी टीमें प्रभावित गांवों में पैदल गश्त, ड्रोन मॉनीटरिंग के माध्यम से बाघिन की तलाश में जुटी हुई हैं। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। हालांकि अभी तक बाघिन की कोई सटीक लोकेशन नहीं मिल सकी है।

वन्यजीव प्रभावित इलाके में ड्रोन के माध्यम से बाघिन की तलाश करते एक्सपर्ट।

- रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी टीमें रात भर छानती रही खाक, नहीं मिली कोई लोकेशन

पिकअप ने तीन साल के बच्चे को रौंदा, मौत

घुंघचिहाई, अमृत विचार : पिकअप की टक्कर से मासूम की जान चली गई। बरेली ले जाते वक्त रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। थाना क्षेत्र के गांव सिमरिया ताल्लुके अजीतपुर बिल्हा निवासी विजय पाल का तीन साल का पुत्र शिवांश रविवार देर शाम करीब साढ़े 7 बजे घर के बाहर बैठा था। इसी बीच अनियंत्रित पिकअप ने बच्चे को टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और चालक को पकड़ लिया। तेजी व लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। इधर, घायल बच्चे को हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया। बरेली ले जाते वक्त रास्ते में उसकी मौत हो गई। पिता ने मामले की तहरीर दी। इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह ने बताया कि परिजन की तहरीर पर कार्रवाई कराई जा रही है।

दिल्ली के होटल से पकड़ा गया 50 हजार का इनामी कबूतरबाज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: ठगी के मामलों में फरार चल रहा शातिर 50 हजार का इनामी जालसाज दिल्ली के होटल में पहचान बदलकर छिपा था। सुरागरसी के बाद पीलीभीत पुलिस और एसटीएफ फील्ड यूनिट बरेली की संयुक्त टीम ने आरोपी को होटल से ही धर दबोचा। सख्ती से पूछताछ की गई तो आरोपी ने अपनी असल पहचान स्वीकार की। टीम आरोपी को हिरासत में लेकर पीलीभीत पहुंची। फिर अमरिया थाना पुलिस ने चालान कर कोर्ट में पेश करके आरोपी को जेल भेज दिया है। इससे पहले अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया ने पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता कर खुलासा किया।

पुलिस के अनुसार, अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम पिंजरा बमनपुरी निवासी मनोज कुमार भारती पुत्र ब्रजमोहन भारती शातिर ठग है। वह जाली दस्तावेजों के माध्यम से विदेश भेजने और विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से मोटी रकम ठगता है। उस पर बीते साल एफआईआर दर्ज की गई थी, लेकिन वह पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका था। आरोपी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया। गिरफ्तारी के लिए अमरिया इंस्पेक्टर की अगुवाई में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था। एसटीएफ फील्ड यूनिट टीम बरेली को भी शामिल किया गया। इसके बाद पुलिस ने सुरागरसी की। इस दौरान आरोपी के दिल्ली में छिपे होने की जानकारी मिली। अमरिया थाने के दरोगा राजकुमार मलिक, एसटीएफ फील्ड यूनिट बरेली के दरोगा धूम सिंह, हेड कांस्टेबल हरिओम, सुमित कुमार, अरुण कुमार कांस्टेबल जयंत यादव रविवार को दिल्ली पहुंच गए।

टीम दिल्ली के बिंदापुर थाना पहुंची। फिर मिली सूचना पर उत्तमनगर दिल्ली के पंखा रोड होटल त्वमेव में दबिश दी गई और होटल के रिसेप्शन से आरोपी को पकड़ लिया। वह वहां पर मुकेश नाम से रुका हुआ था। मगर पुलिस के पूछताछ करने के बाद कुछ ही देर में असल पहचान को स्वीकार लिया। ये भी बताया कि पुलिस से बचने के लिए वह पहचान बदलकर लखनऊ, दिल्ली समेत कई अलग-अलग स्थानों पर रुक रहा था। टीम पकड़कर आरोपी को पीलीभीत लेकर पहुंची। अमरिया थाने में आगे की कार्रवाई को लेकर लिखा पढ़ी की गई। सोमवार को प्रेसवार्ता कर एएसपी ने खुलासा किया, जिसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया है। आरोपी पर बीते साल अमरिया थाने में एक और इस साल अमरिया में दो, घुंघचिहाई और माधोटांडा थाने में एक-एक मुकदमा दर्ज हुआ था।

पुलिस की गिरफ्त में पकड़ा गया आरोपी। ● अमृत विचार

> ठगी और कबूतरबाजी करने वाले गिरोह के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिल्ली के एक होटल से 50 हजार का पुरस्कार घोषित आरोपी गिरफ्तार किया गया। वह नाम बदलकर छिपा हुआ था। मामले में आगे की कार्रवाई कराई जा रही है।
> –विक्रम दहिया, एएसपी

- पीलीभीत और एसटीएफ फील्ड यूनिट बरेली की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई
- एएसपी ने प्रेसवार्ता कर किया खुलासा, विदेश भेजने के नाम पर करता था ठगी

विवाहिता को पीटकर घर से निकला

पीलीभीत, अमृत विचार : दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने विवाहिता को पीटकर घर से निकाल दिया। क्षेत्र के ग्राम सड़ा निवासी शिवानी देवी पत्नी राजेश कुमार ने न्यूरिया थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 22 फरवरी 2023 को राजेश सक्सेना पुत्र गुरुदयाल सक्सेना निवासी ग्राम सड़ा से हुई थी।

आरोप है कि शादी के बाद से उसके पति राजेश सक्सेना, ससुर गुरुदयाल सक्सेना, सास नत्थो देवी, नंद रचना व ज्योति, देवर बंटी ने दहेज में पांच लाख रुपये और दो तोला सोने की चेन की मांग की। दहेज न देने पर उसके साथ मारपीट की जाने लगी। 18 जुलाई की दोपहर 12 बजे आरोपियों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया।बांके से वार करके घायल कर दिया।

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे
हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
बरेली
9837023223

वन्यजीव हमले में घायलों का जाना हाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भाकपा माले नेताओं ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर वन्यजीव के हमलों में घायल हुई महिला एवं किशोर का हाल जाना। इसके बाद माले नेता वन्यजीव प्रभावित गांव मेवातपुर पहुंचे। यहां उन्होंने बाघ हमले का शिकार हुए मुकेश कुमार और घायल हुई जगदेई के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान माले नेताओं ने बताया कि बाघ हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को 20 लाख और घायलों को 5-5 लाख रुपये मुआवजा देने आदि मांगों को लेकर 12 अगस्त को डीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। भाकपा माले के जिला प्रभारी कामरेड अफरोज आलम और जिला कमेटी सदस्य एडवोकेट शम्स विकास सोमवार को मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने पांच दिन पूर्व गांव मंडरिया में वन्यजीव के हमले में घायल हुए नीलेश और एक दिन पूर्व गांव मेवातपुर में वन्यजीव हमले में घायल हुई जगदेई का हाल जाना। इसके बाद माले नेता मेवातपुर भी पहुंचे। यहां उन्होंने बाघ हमले का शिकार हुए मुकेश कुमार और घायल महिला जगदेई के परिजनों से मुलाकात कर घटना के संबंध में जानकारी ली।

गांव मेवातपुर में पीड़ित परिवार के सदस्यों से जानकारी लेते माले नेता।

मीट के साथ पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा

पीलीभीत, अमृत विचार : अमरिया थाने में तैनात दरोगा अजय तिवारी ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस बीच सूचना मिली कि बिरहनी मोड़ के पास दो युवक बाइक पर मीट लेकर सितारगंज की ओर से आ रहे हैं। इसे न्यूरिया ले जाकर बेचने की योजना है। सूचना के आधार पर कनपुरा मोड़ के पास घेराबंदी कर बाइक सवार दोनों युवकों को पकड़ लिया। आरोपियों ने अपना नाम तस्लीम निवासी मोहल्ला मियां खां, थाना न्यूरिया और शमशुल पुत्र मकसूद अहमद निवासी मोहल्ला ठाकुरद्वारा भट्टे वाली गौटिया, थाना न्यूरिया बताया। तस्लीम के पास से 20 किग्रा और शमशुल से 22 किग्रा मीट बरामद हुआ।

बाघ हमले में मृत महिला के परिजनों को मिली मदद

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भाजपा विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद ने सोमवार को न्यूरिया थाना क्षेत्र के मडरिया गांव का निरीक्षण किया। बता दें कि गांव की रहने वाली 50 वर्षीय कृष्णा देवी की 17 जुलाई को बाघ के हमले में मौत हो गई थी।

विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने अधिकारियों संग परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। मृतका के दोनों पुत्रों को दो-दो लाख रुपये की सरकारी आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। विधायक ने गांव समेत आसपास के क्षेत्र में बाघ की गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने प्रभागीय वन अधिकारी से फोन पर वार्ता कर गांव की सीमाओं पर स्ट्रीट लाइट लगवाकर उचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

विधायक ने अधिकारियों से जल्द से जल्द बाघ की लोकेशन ट्रेस कर उसे रेस्क्यू कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। साथ ही बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता से बात कर बाघ प्रभावित गांवों में अधिक समय तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर पंचायत कलीनगर | विकास कार्य में करोड़ों खर्च के बाद भी मिल सका 730वां स्थान, कम आबादी के बावजूद व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं कर सके जिम्मेदार

कूड़ा निस्तारण और शुद्ध पेयजल में हुए फेल, सर्वेक्षण में गिर गई रैंक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नगर की जनता को बेहतर सुविधाएं देने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, मगर इन प्रयासों का ज़मीनी स्तर पर परिणाम नहीं दिखा। केंद्र सरकार की ओर से कार्यों का मूल्यांकन करने के बाद सर्वेक्षण की रैंकिंग जारी की गई। इसमें नगर पंचायत कलीनगर को स्टेट में 730वां स्थान मिला है, जिसने स्थानीय दावों की हकीकत सामने ला दी है। कम आबादी वाले इस छोटे नगर क्षेत्र में व्यवस्थाएं सुधारना जहां आसान माना जाता है, वहीं यहां की स्थिति यह रही कि न तो कूड़ा निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था बन सकी, न ही शुद्ध पेयजल की सुचारू आपूर्ति। अभी भी गंदगी, गंदे जलस्रोत और अव्यवस्थित कूड़ा निस्तारण जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

स्वच्छता मिशन की सफलता की बात करने वाले जिम्मेदारों के दावे अब सवालों में हैं। नगर पंचायत की यह रैंकिंग दर्शाती है कि जनता के हितों को दरकिनार कर केवल खानापूर्ति कर जिम्मेदारों ने अपनी पीठ थपथपाई, जबकि जमीनी हकीकत पूरी तरह इसके उलट रही। नगर पंचायत कलीनगर की आबादी 15 हजार के आसपास है। यहां कुल 10 वार्ड हैं। नगर पंचायत की ओर से मूलभूत सुविधाएं देने का लगातार दावा किया जाता रहा है। सफाई व्यवस्था को सुधारने के लिए नगर पंचायत की ओर से करीब 32 आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी रखे हुए हैं। इसके अलावा कूड़ा उठान के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली, कूड़ा गाड़ी, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने के लिए ई-रिक्शा आदि होने की बात कही जाती है। हर वर्ष स्वच्छ भारत मिशन की ओर से नगर पंचायत को बजट दिया जाता है। इसके बाद भी विकास के नाम पर लगभग शून्य है।

हाल में ही स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग 2024 का परिणाम जारी हुआ, जिसमें नगर पंचायत कलीनगर को स्टेट में 730वां स्थान मिला है। देश में 1382 स्थान मिला है, जबकि वर्ष 2023 में 576वां स्थान स्टेट में और 3139 स्थान देश में मिला था। इस बार केंद्रीय टीम ने सर्वे के दौरान नगर पंचायत को कूड़ा संग्रह में चार फीसदी अंक दिए हैं। इसके पीछे कारण नगर पंचायत की ओर से अभी तक कूड़ा निस्तारण करने के लिए कोई डंपिंग ग्राउंड निर्धारित नहीं किया है। कूड़ा उठान होने के बाद हाईवे और खाली प्लाटों में ढेर लगाया जा रहा है। जो रैंकिंग गिरने का कारण बने। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के दावों की भी इस रिपोर्ट ने पोल खोलकर रख दी। पंचायत को इस सर्वेक्षण में शून्य अंक मिले हैं यानी नगर पंचायत क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शून्य है। अधिकांश इलाकों में पाइप लाइन नहीं बिछी है, जिसके आधार पर टीम ने अंक दिए हैं। हालांकि डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में 78 फीसदी अंक मिले हैं, लेकिन कुछ इलाकों में अभी भी कूड़ा कलेक्शन नहीं हो रहा है। फिलहाल रैंकिंग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

नगर पंचायत कलीनगर का भवन।

फर्म के फर्जी अभिलेख की जांच हुई, न शुरू हो सका वाटर कूलर का काम

स्वच्छता सर्वेक्षण में की रैंकिंग से नगर पंचायत कलीनगर की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। विकास कार्य को लेकर भी खानापूरी करने की बात कही जा रही है। ऐसे में बीते माह उजागर हुआ टेंडर का खेल भी सुर्खियां बना है। नगर पंचायत कलीनगर में स्वच्छ पेयजल योजना के तहत 58 लाख की लागत से सोलर वेस्ड वाटर कूलर की स्थापना कराई जानी है। 21 मई को ई-निविदा आमंत्रित की गई थी। इसमें चार फर्म एम-एम कंस्ट्रक्शन, पवन इंटरप्राइजेज, आरवीआर कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स, जीवी कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स ने बिड डाली थी। पहले जीवी कंस्ट्रक्शन की बिड अस्वीकृत की गई और फिर धांधली के आरोप लगाते हुए शिकायत की गई तो आनन-फानन में पांच जून को अन्य तीनों फर्म की बिड भी अस्वीकृत कर दी गई थी। यही नहीं, एमएम कंस्ट्रक्शन की ओर से लगाया गया श्रम विभाग के पंजीकरण को प्रमाण पत्र कूटरचित होने का आरोप था। अभी तक एमएम कंस्ट्रक्शन के फर्जी अभिलेख की जांच नहीं हो सकी है। दोबारा निविदा भी नहीं निकाली जा सकी है। ऐसे में वाटर कूलर का काम शुरू नहीं हो सका है।

बरेली कॉलेज...एक आंदोलन...एक परंपरा...एक प्रेरणा

बरेली कॉलेज का 188 वर्षों का यह सफर केवल ईंट-पत्थर का इतिहास नहीं, बल्कि उस विचारधारा की यात्रा है जिसमें शिक्षा को समाज निर्माण और राष्ट्र उत्थान का साधन माना गया। इस कॉलेज की प्राचीरें गवाह हैं उन आंदोलनों की, उन सभाओं की और उन आदर्शों की जिन्होंने न केवल बरेली को, बल्कि उत्तर भारत को एक नई दिशा दी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय को आज यदि अपनी गौरवपूर्ण पहचान पर गर्व है, तो उसे यह स्वीकारना होगा कि उस नींव में बरेली कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों की तपस्या, संघर्ष और दूरदर्शिता का अमूल्य योगदान है। बरेली कॉलेज केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं बल्कि यह उत्तर भारत की शिक्षा और चेतना का ध्वजवाहक है। उत्तर भारत की शैक्षणिक गरिमा का प्रतीक बरेली कॉलेज 18 जुलाई 2025 को 188 वर्षों का अद्वितीय सफर पूरा कर चुका है। इस ऐतिहासिक अवसर पर संस्थान की गौरवशाली विरासत, राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका तथा स्वतंत्रता संग्राम के दौर में छात्र आंदोलनों से लेकर शिक्षण और अनुशासन तक सीमित नहीं रहा है। यह कॉलेज सदैव युवाओं की ऊर्जा, सामाजिक चेतना और राष्ट्र सेवा के आदर्शों का केंद्र रहा है। शिवांग पांडेय की रिपोर्ट...

रुहेलखंड का ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले बरेली कॉलेज की स्थापना 1837 में नौमहला मस्जिद के पास एक सरकारी स्कूल में हुई थी। पहले हेडमास्टर के रूप में रोजर्स ने पदभार संभाला। हेडमास्टर रोजर्स के पास 57 छात्रों की जिम्मेदारी थी। 1857 में मंगल पांडेय की ओर से क्रांति का बिगुल बजाने का सर्वाधिक प्रभाव बरेली कॉलेज पर ही रहा। सन 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ मेरठ के बाद सबसे बड़ी बगावत बरेली में हुई, जिसका केंद्र बिंदु बरेली कॉलेज रहा। 1857 में बैरकपुर से आई खबर को सुनकर कुतुबशाह, पं. छंगेलाल, परमानंद जैसे अध्यापकों ने जिन्हें उस समय 30 रुपये तनख्वाह मिलती थी, एक साथ नौकरी छोड़ दी। जानकारों के अनुसार शिक्षक मौलवी महमूद अहसन की भी भूमिका अहम रही। फिर उनके पीछे एक के बाद एक लोग जुटते गए। कुछ माह बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और काला पानी की सजा दी गयी। कॉलेज के होनहार छात्र मुहम्मद अली खान उर्फ जैमीग्रीन ने भी क्रांति में अहम भूमिका निभाई। बरेली कॉलेज के दर्शन शास्त्र विभाग के प्रो. एसी त्रिपाठी बताते हैं कि मुहम्मद अली खान उर्फ जैमीग्रीन ने तत्कालीन फौजी अफसरों से कहा कि मिशेल साहब! मैंने और अजीमुल्ला खान ने पूरा इरादा कर लिया है कि सर जमीनें हिंद से कंपनी का राज खत्म कर देंगे और मादरे वतन के माथे से गुलामी का दाग धोकर रहेंगे।'''' इन चंद लाइनों ने बरेली कॉलेजों का स्वाभिमान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। इन शब्दों से खफा अग्रेजों ने उन्हें सरेआम एक पेड़ पर लटकाकर फांसी दी। इसके बाद कॉलेज 1884 में फिर शुरू हो गया और कॉलेज को सबसे पहले कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्धता मिली। बाद में आगरा विश्वविद्यालय से संबद्धता मिली। वहीं 17 जुलाई 1906 को नव निर्मित भवन का उद्घाटन हुआ और 18 जुलाई से कॉलेज फिर शुरू हो गया। वर्ष 1907 में जब प्राचार्य केरी का कार्यकाल समाप्ति की ओर था, तभी कॉलेज में छात्र आंदोलनों की शुरुआत हुई। छात्र भूदेव बनर्जी के निष्कासन के विरोध में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के समस्त कॉलेजों के छात्रों ने हड़ताल का बिगुल फूंका और मार्च 1907 में उनका निष्कासन रद्द कर दिया गया। 1908 में इंग्लैंड से एल्डरसन को बरेली कॉलेज का प्राचार्य नियुक्त किया गया। उनके समय में प्रशासनिक मजबूती के साथ शैक्षणिक गुणवत्ता में भी वृद्धि हुई। इसके बाद 1927 में विशेष रूप से अमेरिका के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से बुलाए गए हैमस्टेड ने प्राचार्य पद संभाला, लेकिन भारतीय महिलाओं पर की गई उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कॉलेज में भयंकर छात्र आंदोलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें कॉलेज छोड़ कर इंग्लैंड लौटना पड़ा। वर्ष 1928 में विलियम ओवेंस ने प्राचार्य पद संभाला। उन्हीं के कार्यकाल में कॉलेज में छात्र संघ की स्थापना, दर्शन परिषद, उर्दू परिषद, हिंदी प्रचारिणी सभा और स्टाफ क्लब जैसे मंच सक्रिय हुए। बीएससी की कक्षाएं शुरू हुईं और रसायन विभाग के लिए भव्य ब्रज मोहन लाल ब्लॉक का निर्माण हुआ, जिसका उद्घाटन तत्कालीन गवर्नर ने किया। कॉलेज के सांस्कृतिक गौरव का प्रमाण इस बात से भी लगाया जा सकता है कि तत्कालीन हिंदी प्रचारिणी सभा के कार्यक्रम में अध्यक्षता के लिए मुंशी प्रेमचंद का बरेली आगमन हुआ। सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान वर्ष 1930 में छात्र पंडित दरबारी लाल शर्मा ने कॉलेज का बहिष्कार कर नमक आंदोलन में हिस्सा लिया। कॉलेज के राष्ट्रवादी छात्रों ने यंग स्टूडेंट्स एसोसिएशन की स्थापना की। उसके प्रथम अध्यक्ष प्रताप चंद्र आजाद बने। 1932 में जब प्रो. अनुकूल चंद्र दत्त बरेली कॉलेज के पहले भारतीय प्राचार्य बने, तब कॉलेज ने अपने 100 वर्ष पूरे किए। उनके कार्यकाल में कॉलेज भवनों का निर्माण, पुस्तकालय का विकास और विभिन्न विभागों की स्थापना के साथ-साथ छात्रों की सक्रिय भागीदारी स्वतंत्रता आंदोलन में देखी गई। वर्ष 1937 में छात्र कृपानंदन ने कॉलेज हॉल पर फहरा रहे यूनियन जैक को जलाकर तिरंगा लहरा दिया, उन्हें पुलिस ने जेल में भेज दिया। इसके कारण छात्रसंघ को स्थगित कर कुछ छात्रों को निष्कासित किया गया। 1943 के बाद प्रोफेसर मदन मोहन, प्रोफेसर भट्टाचार्य, और प्रो. आरके शर्मा जैसे प्राचार्यों ने कॉलेज की रीढ़ को मजबूत किया। एनसीसी, स्टूडेंट वेलफेयर, कॉमर्स ब्लॉक और तरणताल जैसी संस्थाओं और सुविधाओं की स्थापना हुई। छात्रों की खेल उपलब्धियां देश भर में चर्चित रहीं। 1965 में जब डॉ. जीपी मेहरोत्रा ने प्राचार्य पद ग्रहण किया, तब कॉलेज अराजकता की गिरफ्त में था। हथियारबंद छात्र समूहों से मुकाबला कर प्राचार्य व शिक्षकों ने संस्थान की गरिमा की रक्षा की। यह वह दौर था जब शिक्षकों ने न केवल पढ़ाने की जिम्मेदारी निभाई बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का भी परिचय दिया। 1973 का वर्ष बरेली कॉलेज के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। जब बरेली शहर में विश्वविद्यालय की मांग को लेकर ऐतिहासिक आंदोलन हुआ, तो उसके नेतृत्व में थे बरेली कॉलेज के शिक्षक प्रो. कृपानंद, प्रो. भारद्वाज, प्रो. रस्तोगी, प्रो. सिंघल और डॉ. नरेंद्र सिंह जैसे शिक्षाविद। हजारों छात्रों के साथ यह आंदोलन इतना प्रबल हुआ कि अंततः रुहेलखंड विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

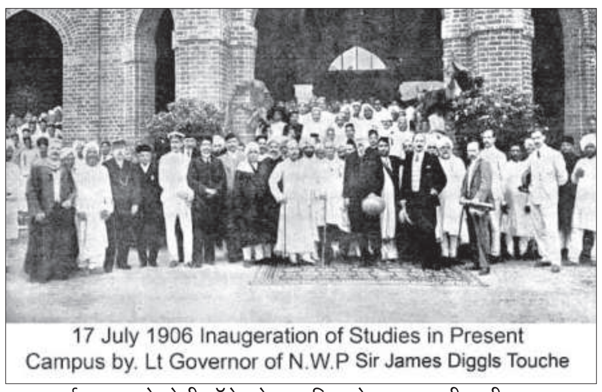

17 जुलाई, 1906 को बरेली कॉलेज के नए परिसर के उद्घाटन की तस्वीर।

बरेली कॉलेज के पूर्व छात्रों के नाम

एसएमएस बर्नी - हरियाणा और चंडीगढ़ के राज्यपाल
एनएस चौधरी - आईएएस, इंडियन हाई कमिशन लंदन
सुरेश चंद्र सिंघल - आईएएस, एजीआई ऑडिट
ओम प्रकाश सक्सेना - असिस्टेंट इनकम टैक्स कमिशनर
मदन मोहन माथुर - रेजिडेंट डायरेक्टर ट्रेड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, टोक्यो
कृष्ण गोयल पूर्व मंत्री
पीके मिश्रा संयुक्त सचिव, वित्त विभाग
संतोष गंगवार झारखंड राज्यपाल
दिनेश जौहरी पूर्व मंत्री
प्रदीप जोशी एनटीए चेयरमैन

उस समय कॉलेज की रीढ़ अनुशासन मानी जाती थी

लखीमपुर जैसे छोटे शहर से बीएससी करने के बाद 1985 में जब पहली बार एमएससी में बरेली कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए पहुंचा। उस समय कॉलेज की रीढ़ अनुशासन मानी जाती थी। उस समय एमएससी के लिए सिर्फ 10 सीटों पर आवेदन हुए, भाग्यशाली रहा कि उन 10 विद्यार्थियों में से मैं भी एक रहा। तत्कालीन विभागध्यक्ष प्रो. डीके शर्मा सभी विद्यार्थियों को अपने बच्चों जैसा समझकर पढ़ाते थे। उन्हीं के दिशा-निर्देश पर चलते हुए एमएससी में यूनिवर्सिटी टॉप किया। उसके बाद पीएचडी, फेलोशिप समेत अन्य। बरेली कॉलेज ने मुझे न सिर्फ पढ़ाई बल्कि नौकरीऔर सम्मान दिया। उस 10 बैच के मेरे साथी आज भी संपर्क में हैं। - **प्रो. आलोक खरे**, विभागध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग।

बरेली कॉलेज में वर्ष 1986 में स्नातक के पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। उस समय सबसे बड़ी खुशी स्कूल ड्रेस से मुक्ति की थी। उस समय सुरक्षा और अनुशासन के मामले में बरेली कॉलेज बहुत सख्त माना जाता था। किसी भी बच्चे को निष्कासित किया जाता था तो उसका नाम चीफ प्रॉक्टर कार्यालय में लगे लाउडस्पीकर से बताया जाता था। इसके साथ ही नियम-कानूनों को भी रोजाना स्पीकर पर बोला जाता था। इसके साथ ही कक्षाओं के बाद चाय-समोसे की दुकानों पर गपशप करने वाले वो स्वर्णिम समय रहा।- **प्रो. पीबी सिंह**, डीएसडब्ल्यू, रुविवि

बरेली कॉलेज में बतौर प्राचार्य अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने से पहले से कॉलेज का नाम सुना हुआ था, लेकिन इस कॉलेज की ऐतिहासिकता की अनुभूति सुखद अनुभव का अहसास करने वाली रही।-**प्रो. ओपी राय**, प्राचार्य

1954 में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के बाद कॉलेज का पहला दिन पूरी दुनिया लग रहा था। उस समय छात्रों के नेतृत्व करने के अध्यक्ष उम्मीदवारों को सिर्फ उनके अध्यक्षीय भाषण के आधार पर बुद्धिमत्ता के आधार पर चयन किया जाता था। मुझे अच्छे से याद है कि उस समय गोपाल कृष्ण के भाषण से मेरे साथ वहां मौजूद कई अन्य छात्र प्रभावित हुए, बाद में वे अध्यक्ष रहे। मेरा उर्दू से यूनिवर्सिटी टॉप करना बरेली शहर में चर्चा का विषय रहा। 1962 में प्राचार्य सुंदरम साहब हर बुधवार को हॉकी ग्राउंड में विद्यार्थियों को नैतिकता का भाषण दिया करते थे। बरेली कॉलेज के छात्र से लेकर शिक्षक तक का सफर शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है।- **प्रो. वसीम बरेलवी**, मशहूर शायर

बरेली कॉलेज के इतिहास को दर्शाने के लिए सैनिक ने लिखा उपन्यास

सीआरपीएफ में सिपाही के रूप में अपनी सेवा देने वाले संदीप यादव बरेली कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। इस कॉलेज की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने बरेली कॉलेज के इतिहास के ऊपर सीक्रेट क्लास नामक उपन्यास भी लिखा है। उपन्यास में बरेली कॉलेज की कालातीत की घटनाओं को उपन्यास के तौर पर पाठकों तक पहुंचाया गया है।

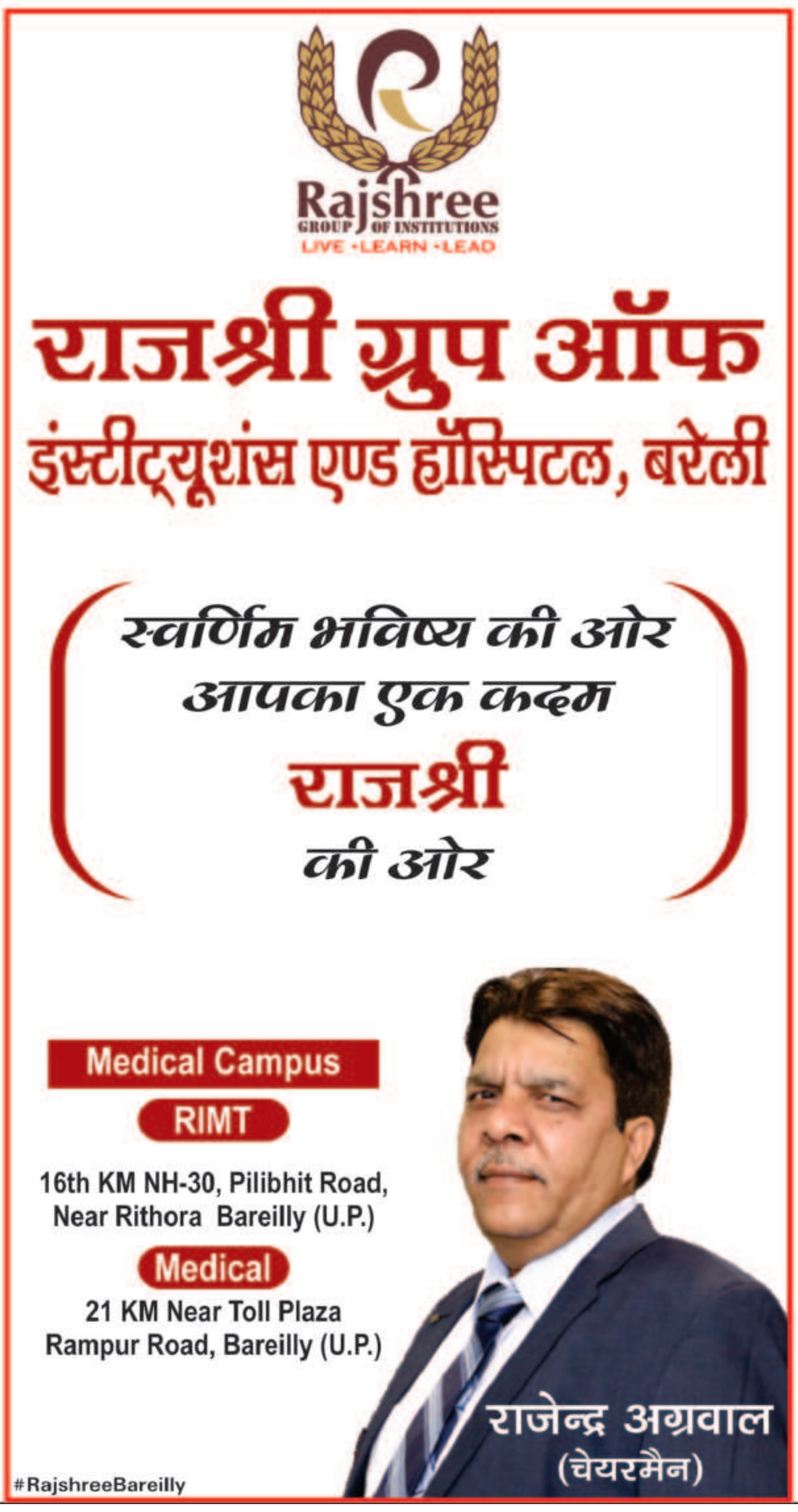

बीसलपुर: बुलडोजर पर सवार हुए योगी सेना के कार्यकर्ता

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में महादेव की पूजा अर्चना की गई। गुलेश्वर नाथ मंदिर में कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया।सुबह छह बजे से ही भक्त शिवालय पहुंचना शुरू हो गए। प्राचीन शिवलिंग के दर्शन कर पूजा की। मठिया नाथ मंदिर पर विशेष उत्सव मनाया गया। मंदिर को गेंदे के फूलों से सजा कर मंदिर के पुजारी केशव गुप्ता द्वारा जलाभिषेक किया गया। इसके अलावा बड़ा स्थल शिव मंदिर, राम जानकी मंदिर बेनी राम मंदिर बंगाली बाबा मंदिर देवेश्वर नीलकंठ महादेव मंदिर, गौरी शंकर मंदिर समेत अन्य शिवालयों में भक्तों ने पूजा अर्चना की। वहीं कांवड़ यात्रा में राष्ट्रीय योगी सेना के कार्यकर्ता बुलडोजर पर सवार होकर भगवा ध्वज लहराते हुए शामिल हुए।

बीसलपुर में बुल्डोजर पर सवार योगी सेना के कार्यकर्ता।

पंजाब नैशनल बैंक
pnb Oriental United
भारत सरकार का उपक्रम

एआरएमबी बरेली
सी–18/बी, प्रथम तल, डी.डी. पुरम,
निकट गंगाशील हॉस्पिटल बरेली यू.पी.
Ph. 0581-2520446, email : cs8194@pnb.co.in

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु नीलामी सूचना

सिक्यूरिटाइजेशन एंड रीकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंसियल एसेट एवं इन्फोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 और सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के प्रावधान नियम 8 (6) के साथ पठित के अंतर्गत अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु नीलामी सूचना एतद्वारा आम जनता को सामान्य रूप से और ऋणियों से और जमानतदारों, गारंटर को विशेष रूप से जिन्होनें नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों को बंधक किया है, सुरक्षित लेनदार को चार्ज किया है बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक, भौतिक, प्रतीकात्मक कब्जे में लिया गया है, बैंक/सुरक्षित लेनदार के प्रति देयताओं की वसूली हेतु सम्बंधित ऋणियों की सम्पत्तियों की नीलामी "जहाँ है जैसा है""जैसा है जो है" और "जो कुछ भी वहां है" के आधार पर नीचे दी गयी तालिका में वर्णित तिथियों को की जाएगी, आरक्षित मूल्य और बयाना राशि का ब्यौरा नीचे दी गयी तालिका में सम्पत्तियों के सम्मुख अंकित की गयी है।

सुरक्षित सम्पत्तियों की अनुसूची

क्र. सं.	शाखा का नाम / खाते का नाम / ऋणीयों/गारंटर्स का नाम व पता	बंधक सम्पत्तियों का ब्यौरा/स्वामी का नाम (सम्पत्ति का बन्धकर्ता)	(A) SARFAESI एक्ट 2002 के सेक्शन 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना की तिथि (B) दिनांक...को बकाया धनराशि (C) SARFAESI एक्ट 2002 के सेक्सन 13(4) के अंतर्गत कब्जे की तिथि (D) कब्जे की प्रकृति रचनात्मक/भौतिक/सांकेतिक	(A) आरक्षित मूल्य (रू. लाख में) (B) अग्रधन राशि (अग्रधन राशि जमा करने की अंतम तिथि) (C) बोली बढ़त राशि (D) सम्पत्ति आईडी	(A) नीलामी की तारीख (B) ईएमडी की अंतिम तिथि (C) नीलामी का समय
01.	**बीओ : पीलीभीत** **श्रीमती रहनुमा बी पत्नी श्री सिराज अहमद** निवासी 89 मोह. मदीना शाह पीलीभीत	आवासीय संपत्ति के सामियक बन्धक, क्षेत्रफल 251.30 वर्ग मीटर श्रीमती रहनुमा बी पत्नी श्री सिराज अहमद के नाम मोह. देस नगर अंदर चुंगी तहसील व जिला पीलीभीत में स्थित है। बिक्रीविलेखानुसार बही संख्या 01, जिल्द संख्या 8526, पृष्ठ संख्या 21–58, क्रमांक 9500, दिनांक 26/10/2019 को सब रजिस्ट्रार पीलीभीत में पंजीकृत। **विलेख के अनुसार सीमाएं पूरब** – रास्ता 6.10 मीटर चौड़ा, **पश्चिम** – प्लॉट भुवनेश, **उत्तर** – प्लॉट विक्रेता, **दक्षिण** – प्लॉट विक्रेता।	A) 28.11.2022 **B) Rs.27,29,039.60/-** +01.11.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 10.02.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.19,41,570 B) Rs.1,94,157 C) Rs.20,000 **D) PUNBORBIL2501**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
02.		आवासीय संपत्ति के साम्यिक बन्धक क्षेत्रफल 109.48 वर्ग मीटर श्रीमती रहनुमा बी पत्नी श्री सिराज अहमद के नाम मोह. चंदोई तहसील एवं जिला पीलीभीत में स्थित है। बही संख्या 1, जिल्द संख्या 5165, पृष्ठ संख्या 375–396, क्रमांक 3150, दिनांक 16/04/2012 को सब रजिस्ट्रार पीलीभीत में पंजीकृत। **सीमाएं : पूरब** – रास्ता 15 फीट चौड़ा, **पश्चिम** – बेग सिद्दीक चौधरी, **उत्तर** – प्लॉट साबिर, **दक्षिण** – प्लॉट मोहम्मद शफी।		A) Rs.9,55,580 B) Rs.95,558 C) Rs.20,000 **D) PUNBORBIL2502**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
03.	**बीओ : उसावां** **कंचन लता पत्नी मुनेश्वर बाबू और श्री मुनेश्वर बाबू पुत्र श्री रामेश्वर दयाल**	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड (आवासीय भूखंड के साम्यिक बन्धक और उस पर निर्माण) जिसका क्षेत्रफल 139.57 वर्ग मीटर है, श्रीमती कंचन लता पत्नी मुनेश्वर बाबू के नाम खसरा संख्या 1079 का भाग, ग्राम उसावां परगना, उसहैत, तहसील दातागंज, जिला बदायूं में स्थित है। बिक्री विलेखानुसार बुक संख्या 1, वाल्युम 1805, पृष्ठ संख्या– 01 से 30, क्रम संख्या 1401, दिनांक 10.05.2007 को एसआरओ दातागंज कार्यालय जिला बदायूं में पंजीकृत। **सीमा इस प्रकार है : पूर्व** : खेत मुनेश्वर बाबू गुप्ता, **पश्चिम** : खेत शिवलाल, **उत्तर** : खेत मुनेश्वर बाबू गुप्ता, **दक्षिण** : रोड।	A) 07.03.2024 **B) Rs.26,92,973.17** +01.03.2024 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 21.06.2024 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.29,77,000 B) Rs.2,97,700 C) Rs.20,000 **D) PUNBONCKM3049**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
04.	**पीएनबी, शाहजहांपुर** **श्रीमती रानी सईद पत्नी मो. सईद खान, मो. सईद खान पुत्र मो. हनीफ खान** **जमानती** : दया राम पुत्र राम निवास और राजेंद्र कुमार पुत्र ओम प्रकाश	श्रीमती रानी सईद पत्नी मो. सईद खान के नाम से आवासीय भवन, मोह. तारीन जलालनगर, तहसील सदर और जिला शाहजहांपुर में स्थित है। यह सब रजिस्ट्रार, शाहजहांपुर के पास पंजीकृत है। इसका क्षेत्रफल 184.53 वर्ग मीटर है। पुस्तक संख्या 1, ज़िला 9678 के पृष्ठ 305 से 378 के अनुसार, क्रम संख्या 12390 दिनांक 16/09/2015 के अनुसार, **इसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं : पूरब** : मो. सज्जाद, रफ़ीक का मकान, **पश्चिम** : हाज़ी मो. हनीफ खान **उत्तर** : पक्की गली 12 फीट चौड़ी **दक्षिण** : हसमत का घर	A) 04.05.2018 **B) Rs.45,71,714.33** + 01.04.2018 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 10.07.2018 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.43,88,000 B) Rs.4,38,800 C) Rs.20,000 **D) PUNB18732002**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
05.	**पीएनबी कच्चा कटरा, शाहजहाँपुर** **मैसर्स तेजपाल अभिषेक कुमार प्रोपराइटर– श्री तेजपाल मिश्रा पुत्र श्री छविनाथ मिश्रा** **जमानती/बंधककर्ता–** श्री आशीष कुमार पांडे पुत्र श्री राम कृष्ण पांडे	आवासीय मकान के सामियक बन्धक क्षेत्रफल 176.05 वर्ग मीटर श्री आशीष कुमार पांडे के नाम मोहल्ला वकारजई परगना और तहसील सदर जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। 11/01/2012 को निष्पादित विक्रय विलेखानुसार बुक संख्या 1, वाल्युम संख्या 7325, पृष्ठ संख्या 275–340 और क्रम संख्या 317 के अनुसार, रजिस्ट्रार कार्यालय शाहजहाँपुर में पंजीकृत। **टाईटल डीड के अनुसार सीमाएं : पूरब**– नेहरू मोंटेसरी स्कूल, **पश्चिम**– मुंशी राम का मकान, **उत्तर**– गोविंद राम का मकान, **दक्षिण**– गली मोहल्ला और रास्ता मुश्तरका	A) 23.12.2022 **B) Rs.41,87,860** +30.12.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 14.03.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.36,75,000 B) Rs.3,67,500 C) Rs.20,000 **D) PUNBOTAKKK**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
06.	**बीओ : बांडा** **श्री साई जी इंटरप्राइजेज श्रीमती रेनू गुप्ता पत्नी विजय गुप्ता** **जमानती/बंधककर्ता–** श्री विजय कुमार पुत्र सरजू प्रसाद	गैर कृषि भूमि के साम्यिक बंधक क्षेत्रफल 167.40 वर्ग मीटर श्रीमती रेनू गुप्ता के नाम पर गाटा संख्या 884 का भाग, ग्राम बंडा तहसील पुवायां जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। बुक सं. 1, वाल्युम सं. 6130 पृष्ठ : 165–200, क्र.सं. 4764, दिनांक 28.03.2014 **सीमाएं : पूरब में** : देवेश शुक्ला का प्लॉट, **पश्चिम में** : रास्ता कच्चा 18 फिट चौड़ा, **उत्तर में** : भैया लाल की भूमि, **दक्षिण में** : दलीप का प्लॉट	A) 14/11/2022 **B) Rs.41,16,677.38/-** + 01.11.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 21.02.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.11,71,000 B) Rs.1,17,100 C) Rs.20,000 **D) PUNB162215225601**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
07.		आवासीय भूमि एवं भवन भाग के साम्यिक बंधक क्षेत्रफल 140.00 वर्ग मीटर श्री विजय कुमार गुप्ता के नाम पर गाटा संख्या के 1417 का भाग, ग्राम बंडा मौहल्ला गायत्री नगर कॉलोनी पोस्ट बंडा तहसील पुवायां जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। **सीमाएं : पूरब में** : श्री चंद्र भाल सिंह का मकान, **पश्चिम में** : श्री राजेंद्र प्रसाद एवं अन्य, **उत्तर में** : कच्ची गली, **दक्षिण में** : कच्ची गली		A) Rs.26,02,000 B) Rs.2,60,200 C) Rs.20,000 **D) PUNB162215225602**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
08.	**बीओ : पीएनबी शाहजहाँपुर** **मैसर्स स्वास्तिक इंटरप्राइजेज प्रो0 संदीप कुमार सिंह पुत्र राकेश कुमार सिंह** **जमानती/बंधककर्ता : राकेश कुमार सिंह पुत्र नरेश पाल सिंह**	आवासीय संपत्ति क्षेत्रफल 165.55 वर्गमीटर राकेश कुमार सिंह पुत्र नरेश पाल सिंह के नाम ग्राम सारी खास परगना और तहसील सदर जिला शाहजहाँपुर में स्थित है। बही नंबर 1, खंड –472 पृष्ठ संख्या 245–256 क्रम संख्या 509, दिनांक 05.02.1993 को सब रजिस्ट्रार सदर शाहजहाँपुर में पंजीकृत है। **सीमा इस प्रकार है : पूरब** – रास्ता मुश्तरका कच्चा, **पश्चिम** – अराजी बाये, **उत्तर** – खेत जगत नारायण, **दक्षिण** – अराजी बाये	A) 06/05/2023 **B) Rs.14,00,853/-** + 01.05.2023 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 09.08.2023 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.35,29,000 B) Rs.3,52,900 C) Rs.20,000 **D) PUNB01873871036**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM
09.	**पीएनबी, बीओः ओर्छी, बदायूँ (यूपी)** **मैसर्स हेमन्त कुमार अनुराग कुमार प्रोपराइटर के कानूनी उत्तराधिकारी (हेमंत कुमार) : श्रीमती रेखा वार्ष्णेय पत्नी स्वर्गीय हेमंत कुमार** **प्रोपराइटर/जमानती/बंधकर्ता** : श्रीमती शशि बाला पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र कुमार **जमानती/बंधककर्ता** : 1.श्रीमान. सुलभ कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार, 2. श्री मिथलेश वार्ष्णेय पत्नी सुलभ कुमार	व्यवसायिक भूखंड और भवन के साम्यिक बन्धक क्षेत्रफल –185.39 वर्ग मीटर, शशि बाला पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र कुमार और श्रीमती मिथलेश कुमारी पत्नी सुलभ कुमार के नाम पर मोह रुस्तगियान, बड़ा महादेव, साहनी ऑप्टिकल्स के पास, कस्बा एवं तहसील चंदौसी जिला संभल यूपी में स्थित हे। बिक्री विलेख 11798, जिल्द संख्या 4923, पृष्ठ संख्या 289–302 दिनांकित 24.09.2012 **सीमाएं इस प्रकार है–पूरब** : विजय का मकान, **पश्चिम**– अरविंद कुमार शर्मा, **उत्तर**– सड़क, **दक्षिण**– पंडित जी का मकान।	A) 18.10.2022 **B) Rs.1,43,72,188.53** +01.10.2022 से प्रभावी ब्याज एवं अन्य खर्चे C) 28.12.2022 D) सांकेतिक कब्जा	A) Rs.60,62,000 B) Rs.6,06,200 C) Rs.20,000 **D) PUNBOHKAKO2**	A) 12.08.2025 B) 12.08.2025 C) 11:00 AM TO 16:00 PM

ई–नीलामी बिक्री के नियम और शर्ते :–
बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों और शर्तो और निम्नलिखित शर्तो के अधीन होगी :
1. संपत्तियों को "जैसा है जहां है के आधार पर" और "जैसा है जो है के आधार पर" और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जा रहा है।
2. यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा।
3. बिक्री नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा वेबसाइट **https://baanknet.com** पर दिए गए ई–नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अलग–अलग तारीख पर की जाएगी जैसा कि अंतिम कॉलम में ऊपर बताया गया है।
4. बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** और **www.pnbindia.in** देखें।
5. किसी भी विवाद में ई–नीलामी प्रकाशन का अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।
6. संभावित खरीदार/इच्छुक पक्ष (आईपी/पीएंडएम के निरीक्षण के लिए या अन्य) अधिकृत अधिकारी से मो.नं. **9794963666** व **9897334808** पर संपर्क कर सकते हैं।
7.टीडीएस बैंक नीति के अनुसार लागू होगा।

दिनाक : 22.07.2025 स्थान : बरेली प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

बढ़ते वन्यजीव हमलों पर भड़की भाकियू, दी चेतावनी

मंडी स्थित गेस्ट हाउस मे हुई भाकियू की मासिक पंचायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक पंचायत में जनपद में बढ़ रहे बाघ हमले की घटनाओं पर रोष व्यक्त किया गया। इस दौरान अन्य मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया गया। पंचायत के दौरान ही डीएम को संबोधित आठ सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की गई।

भाकियू (टिकैत) की मासिक पंचायत सोमवार को मंडी स्थित गेस्टहाउस में हुई। जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि इस समय जनपद में बाघों का भारी आतंक है। वन विभाग चुप्पी साधे बैठा है। अगर अब खेतों में बाघ दिखाई दिए तो इसका परिणाम वन विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारियों को झेलना पड़ेगा। भारतीय किसान यूनियन अब इस मसले को लेकर आरपार की लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने खाद की कमी बताते हुए सभी सहकारी समितियां एवं इफको किसान सेवा केंद्र पर खाद उपलब्ध कराने की मांग की। मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह काहलों ने जिला पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कहा कि अगर पुलिस विभाग के जिम्मेदारों ने रवैया नहीं बदला तो आंदोलन होगा। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्यारेलाल वर्मा छुट्टा पशुओं को पकड़वाकर गोशाला भिजवाने और अघोषित बिजली कटौती पर रोक लगाने की मांग की। इस मौके पर युवा विंग जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह, जिला महामंत्री नेमचंद वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह, मंडल उपाध्यक्ष नरेश मिश्रा, वरिष्ठ निर्मल लाल भोजवाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते भाकियू पदाधिकारी व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● डीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा

साहब, बाघ की दस्तक से आतंक, कराएं समाधान

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला लोधी सभा के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को सौंपा। जिसमें बताया कि मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सैजना, सैजनिया, मडरिया, फुलहर, बिथरा आदि के आसपास बाघ –बाघिन जनहानि कर रहे हैं। ग्रामीण भयभीत हैं। खेती कार्य भी बाधित हो रहा है। इसका स्थायी समाधान कराने और मृतकों के परिवार को उचित मुआवजे की मांग की गई। इस मौके पर जगदीश लोधी, जगपाल वर्मा, प्रेमशंकर, रीतराम वर्मा, बृजेश आदि थे।

सिटी ब्रीफ

किशोरी को ले जाने की रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि 19 जुलाई की रात ग्राम अखौला का कन्हैयालाल पुत्र मुकेश कुमार उनकी उसकी नाबालिक पुत्री को ले गया। पुत्री घर में रखे डेढ़ लाख रुपये और जेवर भी ले गई। जब आरोपी के घर गए तो उसके पिता मुकेश ने दूरभाष पर बात कराई। इस दौरान आरोपी ने रिश्तेदार के घर शाहजहांपुर होने की बात कही और बताया कि पुत्री उसी के पास है। मगर अभी तक पुत्री को वापस नहीं किया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

कुएं में गिरा सांड़

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पतरसिया मे पंडित सुमन के मकान के पास कुएं है। दो गोवंशीय पशु लड़ रहे थे। इसी बीच एक सांड़ उसमें गिर गया। रविवार को इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से सांड़ को बाहर निकलवाया। हालांकि उसकी मौत हो गई थी। फिर शव को दफन करा दिया ।

युवक ने खाया जहर

बिलसंडा, अमृत विचार : घरेलू कलह के चलते एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की, लेकिन परिजन ने कार्रवाई से इन्कार कर दिया। करेली थाना क्षेत्र के गांव सरैया निवासी युवक ने जहर खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन झोलाछाप के पास ले गए और उपचार कराया। इसी बीच युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची करेली पुलिस ने जानकारी की। मगर परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया।

पति समेत 7 पर दहेज की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार: गांव पौटाकलां निवासी फरहा नाज़ पुत्री छोटे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका निकाह 27 अप्रैल 2024 को थाना जहानाबाद क्षेत्र के पसियापुर मोहल्ला बड़ी बाजार निवासी कामरान पुत्र मेहरबान मंसूरी से हुआ था। अतिरिक्त दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पति कामरान, ससुर मेहरबान, सास रजीदा, जेठ मोहम्मद इमरान, जेठानी हुमैरा, चचिया ससुर मोहम्मद शाहिद, चचिया सास अफसाना बेगम गर्भपात का दबाव बनाया।

विरोध करने पर मारपीट की गई। इसके बाद जबरन गर्भपात करा दिया। पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

14 केंद्रों पर परीक्षा, 6072 अभ्यर्थी होंगे शामिल

बैठक में मौजूद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एडीएम ऋतु पूनिया, एएसपी विक्रम दहिया।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● 27 जुलाई को होगी समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा

अमृत विचार: डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को लोक सेवा आयोग द्वारा 27 जुलाई को आयोजित होने वाली समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। एडीएम वित्त ऋतु पूनिया ने आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के बोर में विस्तार से जानकारी दी।

गांधी सभागार में हुई बैठक में डीएम ने कहा कि लोक सेवा आयोग के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। प्रतिबंधित सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र के भीतर न ले जा सके। समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करें। परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराएं। कहा कि प्रत्येक कक्ष के सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, पेयजल आदि की जांच कर लें। कहीं कोई कमी हो तो उसे पूर्ण करा लिया जाए। कोई भी कर्मचारी बिना आईडी के मिला तो कार्रवाई की जाएगी। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर भी पुख्ता बंदोबस्त करें। डीआईओएस राजीव कुमार ने बताया कि जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा होगी, जिसमें 6072 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा सुबह साढ़े नौ बजे से 12.30 बजे तक होगी। 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 14 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 14 केंद्र व्यवस्थापक, 14 सह केंद्र व्यवस्थापक नियुक्त किए गए है।

बरात में आई विवाहिता से छेड़छाड़, धमकाया

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र की महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पति के साथ अपनी तहेरी बहन की शादी में नौ मई को आई थी। वहां पर न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम सड़ा से आए बराती कुलदीप पुत्र मुनेन्द्र, दीपाकर पुत्र जमुनाप्रसाद ने रात करीब साढ़े 10 बजे नशे में उसका हाथ खींच छेड़छाड़ की। गाली गलौज करते हुए अश्लील हरकतें करने लगे। शोर मचाने पर परिवार के लोग एकत्र हो गए। जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। इसकी तहरीर थाना अमरिया पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से की गई। अब पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ADITYA
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

आवश्यकता है
● मैट्रन (नर्सिंग का अनुभव) ● नर्स (Male/Female) (ANM/GNM)
● आयुर्वेदिक परिचारिका ● OT टेक्निशियन
● वार्ड ब्यॉय ● ड्राइवर (मल्टीपर्पज) ● कैंटीन कुक
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो: +91-8077808309, 9837357497

सड़क से शिवालय तक बम बम भोले के जयकारे

सावन के पहले सोमवार को जलाभिषेक करने उमड़ा जनसैलाब, जमकर हुई धक्का मुक्की, देर रात जारी रहा आवगमन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : श्रावण मास के दूसरे सोमवार को तराई शिवमय हो उठी। मंदिरों से लेकर सड़कों तक कावंड़ियों की टोलियां और हर हर महादेव के जयकारे की गूंज रही। शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़ बढ़ी तो अफसरों को खुद कमान संभालनी पड़ी। भक्तों ने विधि विधान ने महादेव की पूजा अर्चना करने के बाद जलाभिषेक किया। कांवड़ियों को सख्त सुरक्षा बंदोबस्त के बीच मंदिर प्रांगण तक लाया गया। देर रात तक मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

शहर के प्राचीन गौरी शंकर मंदिर, दुग्धेश्वर नाथ मंदिर, अर्धनारीश्वर मंदिर आदि में सावन के दूसरे सोमवार को देवाधिदेव का जलाभिषेक किया गया। सुबह 5 बजे से मंदिरों में शिव भक्तों की लाइन लगना शुरू हो गई। घरों में पूजा अर्चना करने के बाद गौरीशंकर मंदिर में बाबा का जलाभिषेक करने के लिए भक्त पहुंचे। एक-एक कर श्रद्धालुओं को शिवालय में भेजा गया। शिव भक्तों ने बाबा को बेलपत्र, भांग, धतूरा चढ़ाने के बाद दूध और गंगाजल से जलाभिषेक किया। साथ ही मनौती मांगी। जहां शिवालयों में घंटे-घड़ियाल के साथ ही बम बम भोले, हर हर महादेव के जाप और मंत्रों की गूंज सुनाई दी।

सुबह 10 बजे तक भीड़ का आलम यह रहा कि मंदिर से लेकर सड़क तक श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की कतारें लगी दिखाई दी। भीड़ अधिक होने से कई बार धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कई बच्चे और बुजुर्ग महिलाएं फंस गई। जिनको पुलिस कर्मियों ने बाहर निकालकर उन्हें सुरक्षित मंदिर तक पहुंचाया।

पुलिस प्रशासनिक अधिकारी व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। बरेली हाईवे पर दिन भर कांवड़ियों की आवाजाही जारी रही। डीजे की धुन पर नाचते गाते हुए कांवड़ियों ने शहर में प्रवेश किया। कांवड़ियों ने हर हर बम बम और जय शिव शंकर के उद्घोष लगाए। कांवड़ियों के डीजे वाले वाहनों को आयुर्वेदिक कॉलेज के पास रोक लिया गया। दूसरे सोमवार को गौरीशंकर मंदिर में एक हजार से अधिक कांवड़ चढ़ाई गई। देर शाम महंत जय शंकर शर्मा की अगुवाई में बाबा की भव्य आरती की गई।

गौरीशंकर मंदिर के बाहर उमड़ा आस्था का जनसैलाब। ● अमृत विचार

गौरीशंकर मंदिर में जलाभिषेक से पहले आरती करता कांवड़ियों का दल। ● अमृत विचार

गौरीशंकर मंदिर में बाबा का जलाभिषेक करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गौरीशंकर मंदिर गेट पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

शिवालयों में पहुंचे एसपी, परखे सुरक्षा इंतजाम

पीलीभीत, अमृत विचार : सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने भोलेनाथ का पूजन भी किया। मातहतों को व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। एसपी अभिषेक यादव, एएसपी विक्रम दहिया, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर गौरीशंकर मंदिर पहुंचे। भ्रमण कर बंदोबस्त परखे। कांवड़ यात्रा व दर्शनार्थियों के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी की स्थिति, महिला पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग स्थल, ड्यूटी में तैनात कर्मियों की सतर्कता आदि को सूक्ष्मता से देखा। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, कोतवाल राजीव कुमार सिंह को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। क्यूआरटी टीम को भी अलर्ट किया गया। इसके बाद एसपी बीसलपुर के गुलेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिसकर्मियों के साथ ही आपात चिकित्सा की व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं महिला पुलिस बल की तैनाती का अवलोकन किया। एसपी थाना घुंघचाई क्षेत्र के इकोहत्तरनाथ मंदिर भी पहुंचे। सुरक्षा व दर्शन-व्यवस्था के लेकर हालात परखे। एसओ को निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए क्यूआरटी एवं कंट्रोल रूम के बीच समन्वय मजबूत हो और श्रद्धालुओं के लिए सहायता केंद्र, प्राथमिक चिकित्सा व सूचना तंत्र हर स्तर पर कार्यरत रहें।

प्राचीन गौरीशंकर मंदिर में भक्तों की भीड़ को व्यवस्थित करते एसपी अभिषेक यादव, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी। ● अमृत विचार

जल, फल व फूल से कांवड़ियों का स्वागत

पीलीभीत, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद ने सावन माह में जल भरकर आने वाले शिव भक्तों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। कावड़ियों को शुद्ध पानी और फल का वितरण किया गया। जय श्री राम, हर हर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। इस मौके पर जिला मंत्री प्रवीन मोहन, जिला उपाध्यक्ष अन्नू चौधरी, विभाग मठ मंदिर प्रमुख अम्बरीष, नगर अध्यक्ष महेश पाठक, उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता, नगर प्रचार प्रसार प्रमुख अजय राठौर, हरप्रीत कौर, संगम अग्रवाल, समीर शाह, लक्ष्मण, मनोज क्षत्री, गौतम, नंदकिशोर, हरीश सिंह, बसंत यादव आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी Bachelor of Computer Science, Roll No. 9181380029 EN Roll No-17002777 Degree Sr. No. 14006 वर्ष 2020 की डिग्री वास्तव में कहीं खो गई है। **जाहिद खान पुत्र श्री मुन्तेयाज खान निवासी बकर नगर सुनरासी सीबी गंज, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र राजवीर एवं उसकी पत्नी शारदा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **लक्ष्मी पत्नी श्री राजू निवासी पीपल के पेड़ के पास ग्राम करगैना करेली जिला बरेली**

सूचना

मैंने अपना नाम MAHENDER PAL SINGH S/o BHUPENDRA PAL SINGH से बदलकर MAHENDRA PAL SINGH कर दिया है। भविष्य में मुझे MAHENDRA PAL SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाए।

MAHENDRA PAL SINGH
S/o BHUPENDRA PAL SINGH
R/o MOH- SHRIRAM NAGAR
COLONY FACE- 3 DISTIC BUDAUN

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अर्पित एवं उसकी पत्नी सलोनी सक्सेना को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **महेश कुमार पुत्र शंकर लाल निवासी कायस्थान जायसवाल कॉलोनी पूरनपुर परगना व तहसील पूरनपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

मैंने अपना नाम RAVINDER KAUR W/o MAHENDER PAL SINGH से बदलकर RAVINDAR KAUR W/o MAHENDRA PAL SINGH रख लिया है। भविष्य में मुझे RAVINDAR KAUR के नाम से जाना व पहचाना जाए।

RAVINDAR KAUR W/o
MAHENDRA PAL SINGH
MOH- SHRIRAM NAGAR COLONY,
FACE 3 DIST : BADAUN

सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम जीविका सक्सेना पुत्री श्री विकास आनन्द सक्सेना है जो शैक्षिक अभिलेख में अंकित है त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं. 654460951198 में उसका नाम यशी सक्सेना अंकित हो गया है जो कि गलत है, भविष्य में पुत्री को उसके सही नाम जीविका सक्सेना पुत्री श्री विकास आनन्द सक्सेना के नाम से जाना व पहचाना जाये। एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विभिन्न औपचारिकतायें समस्त मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।
प्रार्थी- पूजा सक्सेना श्री विकास आनन्द सक्सेना
पता:- C/o विकास आनन्द सक्सेना 287 बाग गुलेशर खां निकट दुर्गा मन्दिर, पीलीभीत

आवश्यकता है

अस्थाई रूप से चेतना सेवा संस्थान टी. आई. बरेली में

आउट रीच वर्कर- 1 पद

योग्यता:- स्नातक (Only male candidate)
मानदेय -10500/-
प्रतिमाह यात्रा भत्ता-1500/-
कम से कम 1 वर्ष का अनुभव

प्रत्यक्ष रूप या डाक से आवेदन
जमा करने की अंतिम तिथि 27-07-2025
शाम 5 बजे तक

E-mail: bareilly.chetna@gmail.com

पता:- चेतना सेवा संस्थान कृष्णा नगर कालोनी फेस-2 नजदीक आला हजरत अस्पताल बरेली 243006

संपर्क करें:-
8799261418, 7018236674

आम सूचना

एक किता मकान पुख्ता नं0 011 रकवा 207.82 वर्ग गज यानि 173.76 वर्ग मीटर वाके कटरा चाँद खाँ सिन्धु नगर, बरेली में स्थित है जोकि प्रार्थिनी ने जरिये बैनामा 16.04.2003 को अशोक कुमार पुत्र मन्नूमल निवासी 103, राजेन्द्र नगर तहसील व जिला बरेली से बजरिये बैनामा क्रय किया था जोकि पुस्तक सं. 1 खण्ड 436 के पृष्ठ 197-228 क्रम सं0 2725 पर दि. 16.04. 2003 जो सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में रजिस्टर्ड है । सम्बन्धित सम्पत्ति का बैनामा (1) बैनामा दिनांक 23.03. 1985 को अशोक कुमार पुत्र मन्नूमल निवासी 103, राजेन्द्र नगर तहसील व जिला बरेली ने बजरिये बैनामा सिन्धी सहकारी आवास समिति, बरेली से क्रय किया था जो जिल्द सं0 2416 के पृष्ठ 164 बुक 1 जिल्द 2425 के पृष्ठ 729-742 में नं0 2658 दि. 23.03.1985 रजिस्टर्ड है जो खो गया है । अतः सूचना देनी है कि प्रार्थिनी का उपरोक्त मूल दस्तावेज जोकि फोटोस्टेट कराने को ले जाते हुए श्यामगंज सब्जी मण्डी के आसपास गिर गये काफी तलाशने पर भी नही मिला। **श्रीमती कविता दातवानी पत्नी शीतलदास वातवानी द्वारा अमित कुमार पुत्र स्व. घनश्यामदास नि. 7, सिन्धु नगर, कटरा चाँद खाँ, बरेली।**

“कभी मत सोचिए कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है, ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है।”

अमेरिका का साथ

पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को अमेरिका ने आखिरकार वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया। यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। अमेरिका के निर्णय से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूती मिलनी चाहिए। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे समय पर उठाया गया अहम कदम कहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत करने के लिए अमेरिका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को सबूत के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। टीआरएफ ऐसा संगठन रहा है, जिसके आतंकियों ने 5 अगस्त, 2019, संसद में अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने वाले दिन, के बाद जम्मू-कश्मीर में करीब 95 फीसदी लक्षित हत्याएं की हैं। शुरू में समझा गया था कि यह सोशल मीडिया पर सक्रिय कोई संगठन है, लेकिन सेना-सुरक्षा बलों ने जिन आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर किया अथवा पूछताछ के दौरान जो खुलासे सामने आए, उनसे साबित होता गया कि यह लश्कर का मुखौटा संगठन है। टीआरएफ पर पाबंदी लगने से अब कोई उसे वित्तीय मदद या अनुदान नहीं दे सकेगा। उसका कोई भी सदस्य अमेरिका में नहीं घुस पाएगा। उन्हें अमेरिका का वीजा नहीं दिया जाएगा, बल्कि उनके जिन देशों के पासपोर्ट हैं, उन्हें रद्द करने का आग्रह किया जाएगा।

अब भारत इसे संयुक्त राष्ट्र से भी ‘आतंकी संगठन’ घोषित कराने के प्रयास करेगा। कहा जा सकता है कि भारत की कवायद इस संगठन के खिलाफ अमेरिका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमेरिका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है लेकिन कई देशों ने आतंकवाद पर दोहरी नीति अपना रखी है। इनमें अमेरिका भी शामिल है। एक तरफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। अमेरिका उसे आइएमएफ से कर्ज भी दिलवाता है और हथियार भी बेचता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया हैरान करने वाला है। उसने अब तक टीआरएफ को प्रतिबंधित संगठन घोषित नहीं किया है। हद यह कि पहलगाम हमले के बाद यूएनएससी ने जो बयान जारी किया था, उसमें टीआरएफ का नाम तक नहीं था। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी। हालांकि यह एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पहलगाम हमले के बाद से ट्रंप प्रशासन की अन्य कार्रवाइयों को परिप्रेक्ष्य में रखना आवश्यक है। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद, अमेरिका ने कई मौकों पर चार दिवसीय संघर्ष पर भारत के कथन का खंडन किया है। ट्रंप का अभूतपूर्व व्हाइट हाउस लंच और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की प्रशंसा, सरकार द्वारा यह कहने के कुछ घंटों बाद हुई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप के साथ स्थिति स्पष्ट कर दी है और यह सवाल उठाता है कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए अमेरिका पाकिस्तान पर कितना दबाव डालने को तैयार है। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर सिर उठाने का मौका न मिले। बहरहाल अमेरिका ने साबित कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह भारत के साथ खड़ा है और उसका सहयोगी है।

प्रसंगवश

राष्ट्रीय ध्वज दिवस के रंगों में समाया स्वाभिमान

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास और महत्व अत्यंत गौरवशाली है। यह मात्र एक कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं, अरमानों, बलिदानों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। स्वतंत्र भारत के इस गौरवशाली चिह्न की यात्रा सैंकड़ों वर्षों के संघर्ष, विचार-मंथन और राष्ट्र निर्माण के दौर से जुड़ी है। हमारे तिरंगे की अहमियत हर भारतीय के दिल में समाई है क्योंकि यह न केवल देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता का चिन्ह है बल्कि आज़ादी के लिए चले महासंग्राम और समावेशी संस्कृति की अमिट छाप भी है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, जिसे हम ‘तिरंगा’ के नाम से जानते हैं, उसे संविधान सभा द्वारा 22 जुलाई 1947 को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया था। इसी दिन की स्मृति में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को ‘राष्ट्रीय ध्वज दिवस’ मनाया जाता है, जिससे आज के युवाओं को हमारे ध्वज की गौरवगाथा और उसके पीछे छिपी अपूर्व राष्ट्रभक्ति की भावना की जानकारी मिल सके।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रंग, इसकी संरचना और उसके बीच स्थित चक्र, तीनों ही अपने आप में गहन दार्शनिक एवं ऐतिहासिक संदेश रखते हैं। तिरंगे में सबसे ऊपर केसरिया रंग देश के साहस, त्याग और बलिदान की भावना का प्रतीक है, मध्य में श्वेत रंग शांति, सत्य और निर्मलता का द्योतक है जबकि सबसे नीचे हरा रंग समृद्धि, विकास, उर्वरता और आशावाद का संदेश देता है। तिरंगे के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का 24 आरी वाला अशोक चक्र धर्म और सत्य के पथ को दर्शाता है। यह चक्र सम्राट अशोक के ‘सारनाथ’ के शिलालेख से लिया गया है, जो प्रगति, गति और सतत बदलाव का भी प्रतीक बन गया है। इस चक्र की 24 तीलियां देश के 24 घंटे सतत क्रियाशील और जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं।

तिरंगे के स्वरूप की अंतिम रूपरेखा टी. पिंगली वेंकैय्या नामक महान स्वतंत्रता सेनानी एवं वस्त्र वैज्ञानिक ने तैयार की थी, जो गांधीजी के मार्गदर्शन में एक ऐसा ध्वज चाहते थे, जो संपूर्ण भारत की बहुलवादी संस्कृति, स्वतंत्रता आंदोलन की भावना और आधुनिक भारत के नए मूल्यों को एक साथ समेट सके। पिंगली वेंकैय्या ने न केवल सैद्धांतिक रूप से बल्कि अधुनातन रंगों के साथ तिरंगे का सर्वसमावेशी स्वरूप प्रस्तावित किया था, जिसे संविधान सभा ने स्वीकार किया। आज भी पिंगली वेंकैय्या का नाम भारतीय ध्वज के जनक के तौर पर इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। तिरंगे के महत्व को समर्पित ‘राष्ट्रीय ध्वज दिवस’ का आयोजन हमें यह याद दिलाने के लिए है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज केवल झंडारोहण या सरकारी आयोजनों तक सीमित नहीं बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता, कर्त्तव्यनिष्ठा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और साझा भारतीयता के उच्च आदर्शों का जीवंत परिचायक है। आरंभिक आंदोलनकारियों के बलिदानों की विरासत, महान संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि और समावेशी राष्ट्रवाद के मूल्यों का शीर्ष प्रतीक है तिरंगा। देश की सीमाओं से बाहर सैन्य अभियान, विश्व मंचों पर भारत की भूमिका या देश की संप्रभुता से संबंधित हर अवसर पर तिरंगा विश्वास और गर्व का स्तंभ बनकर लहराता है। ‘सत्यमेव जयते’ अर्थात सत्य की ही विजय होती है, यह संदेश भारतीय तिरंगे की आत्मा में बसा है, जो हर भारतवासी के जीवन का आदर्श होना चाहिए।

फंडिंग और बाहरी एजेंडे से प्रेरित होता है धर्मांतरण

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

आज जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व का सबसे बड़ा देश है और हमारे भारतीय संविधान में, भारत को एक ‘पंथनिरपेक्ष’ राज्य घोषित किया गया है, जिसका अर्थ है कि राज्य का कोई आधिकारिक धर्म नहीं है, और यहां सभी नागरिकों को अपने-अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है, लेकिन पिछले कुछ समय से मीडिया की सुर्खियों में देश में धर्मांतरण संबंधी बातें लगातार सामने आ रहीं हैं, इसे किसी भी हाल और परिस्थितियों में ठीक व जायज़ नहीं ठहराया जा सकता है। साथ ही बताता चलूं कि धर्मांतरण (धर्म परिवर्तन) का मतलब है किसी व्यक्ति का एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तन करना या किसी व्यक्ति का धार्मिक विश्वास बदलना। दूसरे शब्दों में कहना ग़लत नहीं होगा कि कोई व्यक्ति विश्वास व मूल्यों में परिवर्तन के कारण भी अपना धर्म बदल सकता है।

धार्मिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार भी धर्म परिवर्तन का कारण बन सकता है। वास्तव में, यह एक व्यक्ति द्वारा स्वेच्छा से या किसी दबाव में किया जा सकता है। मसलन, धर्मांतरण के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि धार्मिक विश्वासों में बदलाव, विवाह, धर्म परिवर्तन के लिए लालच (आर्थिक लालच), या सामाजिक प्रभाव। कुछ लोग किसी विशेष धर्म के प्रति आकर्षण या आध्यात्मिक अनुभव के कारण धर्मांतरण कर सकते हैं। धर्मांतरण के कारण कभी-कभी व्यक्ति को सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ सकता है। बहरहाल कुछ राज्यों में, जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। इन कानूनों का उल्लंघन करने पर सजा का प्रावधान भी किया है, लेकिन बावजूद इसके भी हमारे देश में रह-रहकर धर्मांतरण की खबरें मीडिया की सुर्खियों में आतीं रहतीं हैं। वास्तव में आज जरूरत इस बात की है कि धर्मांतरण के मामलों पर हमारे समाज, हमें स्वयं, हमारे प्रशासन व सरकार को निरंतर सजग व सर्तक रहने की आवश्यकता है, क्यों कि इसके हमारे सामाजिक संरचना, ताने-बाने पर व्यापक असर पड़ते हैं।

> धार्मिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार भी धर्म परिवर्तन का कारण बन सकता है। वास्तव में, यह एक व्यक्ति द्वारा स्वेच्छा से या किसी दबाव में किया जा सकता है। मसलन, धर्मांतरण के कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि धार्मिक विश्वासों में बदलाव, विवाह, धर्म परिवर्तन के लिए लालच (आर्थिक लालच), या सामाजिक प्रभाव।

आज देश में अवैध धर्मांतरण कराने के लिए अनेक कट्टरपंथी नेटवर्क काम कर रहे हैं। वास्तव में ये नेटवर्क केवल धर्मांतरण तक ही सीमित नहीं हैं। धर्मांतरण के जरिये ये नेटवर्क हमारे युवाओं (हमारी युवा पीढ़ी) को कट्टरपंथ के लिए उकसाने और उन्हें देशविरोधी एजेंडे से जोड़ने का काम कर रहे हैं, जो हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक बहुत बड़ा खतरा है। पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ ज़ोन की टीम ने बलरामपुर, लखनऊ और मुंबई में छांगुर और उसके करीबी नवीन रोहरा सहित अन्य से जुड़े 15 ठिकानों पर छापा मारा। दरअसल, यह जांच उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी, जिसमें अवैध धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग और देश की सुरक्षा से जुड़े गंभीर आरोप लगाए गए थे। जांच में सामने आया है कि छांगुर बाबा बलरामपुर स्थित चांद औलिया दरगाह से पूरे नेटवर्क का संचालन करता था। आरोप है कि वह अनुसूचित जाति (एससी) और आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू वर्ग के लोगों को डराकर और बहला-फुसलाकर धर्मांतरण कराता था। उत्तर प्रदेश पुलिस का यह प्रयास काबिले-तारीफ है कि उसने धर्मातरण के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ कर देश में सुनियोजित ढंग से चल रहे धर्म परिवर्तन को समाज और देश के सामने उजागर किया है। धर्मांतरण का आईएसआईएस से कनेक्शन भी बताया जा रहा है। सामने आया है कि छह राज्यों में धर्मांतरण का नेटवर्क फैला हुआ है तथा इस संदर्भ में विदेशी फंडिंग का खुलासा भी हुआ है, जो अपने आप में बहुत बड़ी बात है। देश में धर्मांतरण के गैंगों का सक्रिय होना कोई छोटी बात नहीं है। इन गैंगों के अलग-अलग मॉड्यूल काम कर रहे हैं, मसलन कोई फंडिंग जुटाने का तो कोई लोगों को रैडिकलाइज करने का तो कोई उन्हें छिपाने की व्यवस्था कर रहें हैं, यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील है। यहां तक कि इन कट्टरपंथी गैंगों के कनेक्शन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी जुड़े पाए गए हैं। यह बहुत गंभीर है कि विभिन्न सिंडिकेट से अमेरिका, कनाडा और दुबई से फंडिंग मिलने के सबूत तक मिले हैं। एक प्रारंभिक जांच में यहां तक पता चला है कि इन कट्टरपंथी नेटवर्क का संपर्क लश्कर-ए-तइबा से भी है। धर्मांतरण के जो मामले सामने आए हैं, वह अच्छी बात है, प्रशासन, पुलिस, अधिकारी व सरकार लगातार इन कट्टरपंथी नेटवर्क की धरपकड़ में लगे हुए हैं, कुछ को गिरफ्तार भी किया गया है और छानबीन, जांच-पड़ताल लगातार की जा रही है, लेकिन इस बात की आशंका को कतई नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है कि न जाने कितने छांगुर और धर्मांतरण के अवैध नेटवर्क अब भी हमारे देश में चल रहे होंगे। हाल फिलहाल, इसमें कोई दोराय या संदेह नहीं है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्मांतरण गैंग के लिए तगड़ा आपरेशन करते हुए तगड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है, लेकिन यहां यक्ष प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर वे कौन लोग हैं जिनकी लापरवाही, मिलीभगत से ऐसे धर्मांतरण नेटवर्किंग को पनपने का मौका मिल सका? क्या ऐसे अधिकारियों और प्रशासकों पर कठोर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए? वास्तव में आज जरूरत इस बात की है कि ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए निरंतर सतर्क और समन्वित, यथेष्ठ और ईमानदार प्रयास किए जाएं। समाज को शिक्षित व जागरूक करना तो आवश्यक है ही। हम सभी को देश व समाज में धार्मिक व सामाजिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने की दिशा में एकजुट होकर काम करना होगा।

आमने सामने

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, “सदन की मर्यादा का उल्लंघन किया जा रहा है, हर सत्र बाधित होता है। प्रत्येक मुद्दे के लिए समय आवंटित किया गया है, लेकिन विपक्ष नहीं चाहता कि कार्यवाही हो...”

कांग्रेस सांसद जेबी माथेर का कहना है, “जब हमारा देश एक खतरनाक दौर से गुज़र रहा था, उस समय भारत गठबंधन ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन अभी तक कई सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। ऐसे कई मुद्दे हैं जिनका जवाब सरकार को देना चाहिए।

संसद में हंगामा, समय और संसाधनों की बर्बादी

डॉ. आशीष वशिष्ठ
लखनऊ

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा-पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रंप 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा-हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

> वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान-सम्मान पर बेजा टीका-टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष-विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिए करता है। इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। बजट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है।

मंथन

शादी और तलाक़

अमरजीत सिंह
लखनऊ

शादी और तलाक़ प्राणी जगत में सिर्फ मानव प्रजाति में ही पाये जाते हैं। सबसे मज़ेदार बात यह है कि हम संबंधों की गहन रिसर्च के बावजूद आज तक शादी और तलाक़ के सही और सर्वमान्य कारण नहीं खोज सकें हैं। लेकिन एक बात तो तय है कि तलाक़ का मुख्य कारण शादी तो है ही। पति-पत्नी में झगड़े मनमुटाव पहले भी होते थे लेकिन वह संबंध विच्छेद या तलाक़ की शक्ल अख्तियार नहीं करते थे। जैसे-तैसे एक साथ रहते रहते, जिम्मेदारियां निभाते निभाते विवाह को चलाते रहते थे। लेकिन आजकल पति-पत्नी शादी के तुरंत बाद और बीस-पच्चीस वर्षों तक साथ रहने के बाद भी तलाक़ ले रहें हैं। शायद इसकी वजह एक-दूसरे पर आर्थिक निर्भरता कम हो रही है और आज “दुनिया क्या कहेगी” का भाव विदा हो रहा है। ख़ैर वजह कोई भी हो तलाक़ के मामले कोर्ट-कचहरियों में लगातार बढ़ रहें हैं। आधुनिक समय में शादी-विवाह की जगह “लिविंग इन” रिलेशनशिप ले रही है। तलाक़ की जगह ब्रेकअप ले रहें हैं। भारत में लिविंग इन रिलेशनशिप और डिवोर्स विदेशों से आयातित वस्तु है। लेकिन आज की यह सच्चाई बन चुकी है।

पीछे अभी तलाक़ शुदा जोड़ों के विषय में पढ़ रहा था। उसमें कहा गया कि यदि कोई तलाक़ शुदा कपल डिवोर्स के दस-बारह वर्ष बाद एक दूसरे से मिलें तो वह पाएंगे कि जिन वजहों से उनका तलाक़ हुआ था अब वह कारण ही समाप्त हो चुकें हैं। उनके बीच की कड़वाहट शायद अब नहीं है। अब वह अगर चाहें तो दोबारा एक साथ रहने की शुरुआत कर सकते हैं।

हो सकता है इसमें कोई सच्चाई हो लेकिन देखा गया है कोई भी रिश्ता जहां दस-बारह वर्ष का अंतराल आ गया हो, एकदम से सब भूल पाना अगर असंभव नहीं है तो भी बहुत मुश्किल तो है ही। एक बार रिश्तों की डोर में टूटन हो जाए और उनमें गांठ पड़ जाए तो उसे पहले जैसा हो जाना बहुत मुश्किल है। इसलिए कोशिश यह होनी चाहिए बात इस हद तक ना बढ़ने दी जाए का टूटन हो जाए। अगर टूटन हो भी जाए तो उसे जल्द ही दोबारा जोड़ने की कोशिश कर लेनी चाहिए। अगर मानसिक और शारीरिक फासले लंबे समय तक बरकरार रहें तो दूरियां स्थाई हो जाती हैं।

जिन स्त्री-पुरुषों के बीच तलाक़ हो जाता है वह समाजिक रूप से किसी से दोबारा स्थाई संबंध स्थापित नहीं कर पाते। कोई न कोई अड़चन आती ही रहती है। इसके लिए यही बक़ौल शायर, “ग़र तड़पना पड़े याद में उम्र भर, रोक लो रूठ कर उनको जाने ना दो। बाद में प्यार के चाहे भेजो हज़ारों पैग़ाम, वो फिर नहीं आते।”

सोशल फोरम

डिजिटल भीड़ की सनक

जब किसी शिक्षक की कोई नकारात्मक खबर बाहर आती है, तो जैसे पूरा समाज ही एक निजी अदालत बन जाता है। दोष एक व्यक्ति का होता है, लेकिन कलंक पूरे शिक्षकों पर मढ़ दिया जाता है। यह कोई न्यायिक प्रक्रिया नहीं होती, बल्कि सामाजिक और डिजिटल भीड़ की वह सनक होती है जो सोशल मीडिया पर लाइक्स, कमेंट्स और तीखी प्रतिक्रियाओं के सहारे नैतिकता का तमाशा रचाती है। इसमें सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि अब शिक्षकों के भीतर से ही ऐसे चेहरे उभर रहे हैं जो अपनी सार्वजनिक छवि को चमकाने के लिए अपने ही साथियों की सामाजिक निंदा में मुखर हो जाते हैं।

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

आजकल कई शिक्षक साथी सोशल मीडिया पर ऐसी नकारात्मक खबरों पर इतनी तत्परता से प्रतिक्रिया देते हैं, मानो वे किसी आदर्श मंडली के निर्वाचित प्रतिनिधि हों। उनका लहजा कुछ ऐसा होता है कि “देखो, हम उनसे अलग हैं... हम तो पूरी तरह से सच्चे, कर्मठ और जिम्मेदार हैं।” यह नैतिकता नहीं, एक किस्म का छद्म-प्रदर्शन है-जिसके पीछे की मंशा अपने मूल शिक्षकीय उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि अपने को अधिकारियों और समाज की नजर में ‘आदर्श शिक्षक’ के रूप में प्रमोट करना होता है।

> समय की मांग यही है कि शिक्षक अपना फोकस सोशल मीडिया पर नैतिकता का अभिनय करने से हटाकर अपने मूल कार्य–पढ़ाने, सोचने और समाज को दिशा देने–पर लगाए। गलत को गलत कहें, लेकिन उसकी सार्वजनिक निंदा में शामिल होकर शिक्षा के मंच को तमाशे का मैदान न बनाएं।

लेकिन इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी भी शिक्षक के गुण-दोष का मूल्यांकन सोशल मीडिया पर भीड़ के शोर से होना चाहिए? क्या हम यह भूल गए हैं कि शिक्षकों की आचार-संहिता, अनुशासन और जवाबदेही तय करने के लिए पूरे विभागीय नियम और संस्थागत प्रक्रियाएं मौजूद हैं? जब कोई ग़लती होती है, तो जांच, स्पष्टीकरण, रिपोर्ट, अनुशासनात्मक प्रक्रिया-सबका एक सुव्यवस्थित ढांचा है। अगर हम शिक्षक होने के बावजूद उस ढांचे को नकारकर सोशल मीडिया की सार्वजनिक दीवारों पर साथी शिक्षक को टांगे रखने लगेंगे, तो शिक्षा व्यवस्था की नैतिकता खुद हमसे सवाल करेगी।

जो शिक्षक दूसरों की गलतियों को अपनी छवि निर्माण की सीढ़ी बना रहे हैं, वे असल में उस सामूहिक गरिमा को क्षीण कर रहे हैं, जिसके बल पर शिक्षक समाज खड़ा रहता है। आज जिस पर पत्थर फेंक रहे हो, कल उसी छाया में तुम्हें खड़ा होना पड़ सकता है। इसलिए न्याय का अधिकार विभागीय प्रणाली को देना चाहिए, न कि अपने हाथ में लेकर डिजिटल भीड़ का हिस्सा बन जाना चाहिए।

समय की मांग यही है कि शिक्षक अपना फोकस सोशल मीडिया पर नैतिकता का अभिनय करने से हटाकर अपने मूल कार्य-पढ़ाने, सोचने और समाज को दिशा देने-पर लगाए। गलत को गलत कहें, लेकिन उसकी सार्वजनिक निंदा में शामिल होकर शिक्षा के मंच को तमाशे का मैदान न बनाएं। शिक्षक होने का अर्थ है विवेकशील होना, न कि हर मुद्दे पर प्रतिक्रियाशील। तभी हम शिक्षकों की गरिमा को भी बचा पाएंगे और समाज के भरोसे को भी। – ***फेसबुक वॉल से***

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

गोरक्ष कहे सुण हरे अवधू...

अध्यात्म मनुष्य के जीवन का एक अभिन्न अंग है। यह उसकी सोच, जीवन शैली और यहां तक कि समाज की दिशा भी तय करता है। यह एक निर्विवादित यथार्थ है, जिसका भारतीय संदर्भ में और भी गहरा महत्व है। इसी अध्यात्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है नाथ पंथ, जिसकी जड़ें भारतीय इतिहास में बहुत गहरी हैं। इस पंथ की विस्तृत समझ के लिए हमें इतिहास की गहराइयों में जाना होगा।

नाथ पंथ के कालखंड को लेकर विद्वानों में भिन्न-भिन्न मत हैं, फिर भी आठवीं से अठारहवीं शताब्दी तक के मध्यकाल को लेकर उनमें एकरूपता दिखती है। यह वह समय था जब भारतीय समाज अनेक जटिलताओं से घिरा हुआ था। आज की तरह ही आबादी का एक बड़ा हिस्सा गांवों में निवास करता था, और आजीविका का मुख्य साधन खेती और पशुपालन ही था। मशीनी युग का इतना विस्तार नहीं हुआ था, और बाज़ार का आधुनिक स्वरूप भी विकसित नहीं था। समाज अनेक मतों में विभक्त था, जिनमें शैव, शाक्त, बौद्ध, जैन और वैष्णव मार्गी प्रमुख थे। इस दौरान देसी राजा शासन कर रहे थे, और ऊँच-नीच का भेदभाव प्रबल था। सामाजिक सोच, समझ और प्रशासनिक व्यवस्था में बिखराव था। ऐसे में, इस बिखराव को समाप्त करने, जीवन में शुचिता और अनुशासन लाने की प्रबल आवश्यकता महसूस हुई। ज़ाहिर है, यह सब आध्यात्मिकता से ही संभव था। इसी बड़े "बिखराव" को पाटने के लिए नाथ पंथ का उदय हुआ। आचार्य रामचंद्र शुक्ल का मानना है कि बौद्धों की वज्रयान शाखा ही नाथ पंथ के रूप में विकसित हुई। नाथ पंथ के आगमन के साथ ही शैव, शाक्त, बौद्ध, जैन और वैष्णव मतों के अनुयायी इस संप्रदाय में समाहित होने लगे।

यूं तो नाथ संप्रदाय का आरंभ आदिनाथ भगवान शिव से माना जाता है, इसलिए शिव को ही आदि गुरु दत्तात्रेय के साथ नाथ संप्रदाय के प्रथम उपदेशक और परम आराध्य के रूप में संदर्भित किया गया है। दत्तात्रेय के शिष्य मत्स्येंद्रनाथ हुए, और उनके शिष्य गोरक्षनाथ। यह वही गोरक्षनाथ जी हैं जिनके नाम पर आज गोरखपुर महानगर बसा हुआ है।

गुरु गोरक्षनाथ को नमन करते गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश।

धर्म और राज्य के बिखराव को रोकने का किया प्रयास

- गुरु गोरक्षनाथ ने धर्म और राज्य के बिखराव को रोकने का प्रयास किया और इसे एक सुव्यवस्थित रूप प्रदान किया। इस पंथ के साधक हठयोग पर विशेष बल देते हैं, इसलिए इन्हें योग मार्गी भी कहा जाता है। गुरु गोरक्षनाथ ने योग अंग क्रिया (योग, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान) को महत्व दिया और इसके माध्यम से हठयोग का उपदेश दिया। उनकी शिक्षाओं और चमत्कारों से प्रभावित होकर उस समय के अनेक बड़े राजा दीक्षित हुए। उन्होंने अपना वैभव त्याग कर जनकल्याण में योगदान दिया। इनमें राजा भर्तृहरि, बप्पा रावल, गोगा जी, पूरणमल भगत और मान नाथ शामिल हैं, जो उनके शिष्य बने। आलम यह था कि इस संप्रदाय का विस्तार भारत के लगभग सभी प्रांतों में हुआ, और काबुल, कंधार, सिंध, बलूचिस्तान, कच्छ तथा अन्य देशों तक इसकी प्रसिद्धि पहुंची, जहां लोग इसके अनुयायी बने।

- गोरक्षनाथ जी ने संस्कृत और लोक भाषा में योग संबंधी साहित्य की रचना की। उनके द्वारा रचित ग्रंथों की संख्या 40 बताई जाती है, जिनका संकलन गोरख वाणी में किया गया है। उन्होंने माना है कि सिद्धियों के पार जाकर शून्य समाधि में स्थित होना ही योगी का परम लक्ष्य होना चाहिए। वे अपनी एक सूक्ति में प्राणीमात्र के बड़े अनुशासन के पक्ष में नज़र आते हैं। वे कहते हैं:

> "गोरक्ष कहे सुण हरे अवधू, जग में ऐसै रहणा।
> आषै देषिबा कानै सुणिबा मुष थै कछु न कहणा"

नेपाल में राजकीय मुद्रा पर अंकित हैं गुरु गोरक्षनाथ

श्री गोरक्षनाथ का नाम नेपाल देश में वंदनीय है। नेपाल के राजा इनको अपना प्रधान गुरु के रूप में मानते हैं। यहां तक कि नेपाल की राजकीय मुद्रा सिक्के पर श्री गोरक्षनाथ जी का नाम है और वहाँ के एक प्रांत के निवासी गोरखा कहलाते हैं, जिनका नाम भी उन्हीं से पड़ा माना जाता है। भारत के प्राय: सभी प्रांतों में योगी संप्रदाय के आश्रम हैं। उनके नाम पर कई विख्यात स्थान (जैसे गोरखपुर) और महोत्सव मनाए जाते हैं। राजस्थान में गोगा जी का जन्म गोरक्षनाथ के वरदान से हुआ था, जो एक प्रसिद्ध कथा है। संक्षेप में, गोरक्षनाथ ने योग और अद्वैत वेदांत के सिद्धांतों को सरल बनाकर जन-जन तक पहुंचाया, सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा दिया, और नाथ संप्रदाय को एक संगठित तथा प्रभावशाली परंपरा के रूप में स्थापित किया।

ब्रह्लीन दिग्विजय नाथ।

ब्रह्लीन अवैद्यनाथ।

- आचार्य अक्षय कुमार बनर्जी के अनुसार, गोरक्षनाथ मंदिर और मठ के बारे में परंपरागत मान्यता यह है कि वह मंदिर और इसके साथ का मठ ठीक उसी स्थान पर बनाए गए हैं जहां रहकर सिद्ध योगीराज गोरक्षनाथ ने बहुत दिनों तक गहनतम समाधि का अभ्यास किया था। तब के समय में यह स्थान एक घना जंगल हुआ करता था। नाथ संप्रदाय के इस महान प्रतिस्थापक ने इस स्थान को अपने आध्यात्मिक और अतिमानवीय गौरव से पवित्र किया।
- गोरखपुर में आज हम जिस विशाल और भव्य मंदिर का दर्शन कर हर्ष और शांति का अनुभव करते हैं, वह ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी की कृपा से है। इसके बाद उनके उत्तराधिकारी पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ जी हुए। उन्होंने इस परंपरा को आगे बढ़ाया और इस उत्तराधिकार को वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी के मज़बूत हाथों में सौंपा। अब वे ही इस पीठ के पीठाधीश्वर हैं। उनके संरक्षण में श्री गोरक्षनाथ मंदिर विशाल आकार-प्रकार, प्रांगण की भव्यता तथा पवित्र रमणीयता प्राप्त कर रहा है। पुराना मंदिर प्रांगण नव-निर्माण की विशालता और व्यापकता में समाहित हो गया है। मंदिर के भीतर वेदी की ओर एक निश्चल दीपशिखा है। यह दीपशिखा रात-दिन सतत रूप से मंद-मंद जलती रहती है, और इसे कभी बुझने नहीं दिया जाता। यह परम ज्योति का उपयुक्ततम प्रतीक है, जिसमें शिव और विष्णु परम तत्व के निरपेक्ष और सापेक्ष स्वरूप एक ही रूप में अभिव्यक्त होते हैं। अनेक तीर्थयात्री गोरक्षनाथ की इस तपोभूमि और उनके नाम से प्रसिद्ध पवित्र मंदिर के दर्शन के लिए बारह महीने आते रहते हैं। मंदिर में सांस्कृतिक पूजा लगभग थोड़ी-थोड़ी देर के बाद रात-दिन बराबर होती रहती है। पूरी संस्था एक योगी के प्रबंधन में है, जिन्हें महंत कहते हैं। महंत का स्थान बड़ा ही उच्च और पूज्य माना जाता है।
- गोरक्षनाथ तथा उनकी परंपरा के योगी-सिद्धों ने जहां योग साधना को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान किया, वहीं उसे आम जन के लिए सुलभ बनाया। उन्होंने परम सत्य को भी अपने आध्यात्मिक अनुभव से सार्वजनिक किया।

गोरक्षनाथ जी "गोरख वाणी" में कहते हैं:

"अजपा जपै सुनि मन धरै, पांचो इंद्री निग्रह करें।
ब्रह्म अगनि में होमै काया, तास महादेव बंदै पाया।"

गुरु परंपरा और "आदेश" का महत्व

- नाथ संप्रदाय में गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष महत्व है। "आदेश" शब्द इस संप्रदाय का अभिवादन है, जिसका अर्थ है आत्मा, दिव्य आत्मा और शरीर आत्मा का मेल। यह गुरुओं और समाधि स्थलों के सामने प्रणाम के रूप में उपयोग होता है। इसका प्रयोग शिष्य अपने गुरुओं के प्रति आदर व्यक्त करने के लिए करते हैं, और गुरु अपने शिष्यों को आशीर्वाद देते समय इसका प्रयोग करते हैं। योगी बालकनाथ जी के अनुसार, गुरु ही वह माध्यम हैं जिसके द्वारा मनुष्य चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकता है।

नाथ योगी और 'हठ' योग

- हठ योग में 'ह' सूर्य और 'ठ' चंद्रमा का प्रतीक है, जो शरीर में ऊर्जा के संतुलन को दर्शाता है। इसमें ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से शरीर की ''इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना'' नाड़ियों को नियंत्रित किया जाता है। गोरक्षनाथ जी ने हट योग के माध्यम से हरिद्वार के ऊपर स्थित झिलमिल गुफा में 65,000 मंत्रों को सिद्ध किया। उन्होंने संस्कृत के कई मंत्रों का हिंदी में अनुवाद भी किया, जिससे ये आम लोगों तक पहुंच सके।

प्रस्तुति: सिद्धार्थ श्रीवास्तव

चिंतन

धर्म की उत्कृष्ट अवस्था ही हैं अध्यात्म

धर्म का अर्थ है धारण करना, वह क्रियाएं,वह सिद्धांत जिनको हम पूर्ण रूप से स्वीकार कर धारण करते हैं अर्थात धारण करने योग्य ही धर्म है अब चाहे वह सिद्धांत हो या क्रिया हो या कोई मनोभाव ही क्यूँ ना हों, हमारे वेदों और पुराणों में यही सिद्धांत, क्रियाये, वर्णित हैं जो सांसारिक जीवन को जीने के लिए, जीवन का निर्वाह करने के लिए आवश्यक हैं

सांसारिक जीवन में धर्म हर रिश्ते, हर मनोभाव,हर जीव के अनुशाशित आचरण को साधता हैं, फिर वो चाहे पिता का, पुत्र का, माता का, मित्र का धर्म ही क्यों ना हों, धर्म सामाजिक व्यवस्था का सुडोल और सूद्रन ढांचा हैं और वह जीवंत रहता हैं आध्यात्मिक चेतना से, सारे सिद्धांत मौलिक रूप से एक ही स्वरूप को दर्शाते हैं जो हैं धर्म वैज्ञानिक पृष्ठभूमि के यह सिद्धांत ही हमारे वेदों, हमारे उपनिषदों, में इंगित हैं इन को धारण कर के ही हम जीवन में कर्तव्यों का निर्वाह करते हैं पर जब धर्म बुद्धि से उतरकर मन और आत्मा तक पहुंच जाता है तब वहीं से आध्यात्मिक चेतना की जागृति होती है और आध्यात्मिक बल मिलना आरंभ होता है, जब हमारी आत्मा धर्म को धारण कर लेती हैं तब ही हमारा आध्यात्मिक स्वरूप जागृत होता हैं यानी धर्म का आत्म केंद्रित होना ही अध्यात्म हैं, धर्म और अध्यात्म बाहरी रूप से दो अलग-अलग बातें नजर आती है पर वास्तविक रूप से "एक शरीर और एक प्राण है धर्म और अध्यात्म" धर्म क्रिया है और अध्यात्म उसे आत्मसार करने की प्रक्रिया है जैसे आदतों से संस्कार बनते हैं वैसे ही धार्मिक आचरण व क्रियो में लिप्त रहना उनको करते रहना ही उन्हें आत्मसार करता हैं धर्म से जुड़ी क्रियो को करते रहना उनका अभ्यास करते रहना ही उनको हमारी आत्मा तक पहुंचा सकता है यानी "रिचुअल से ही स्पिरिचुअल बन सकते हैं "धर्म की उत्कृष्ट अवस्था ही हैं आध्यात्म"

धर्म और अध्यात्म बाहरी रूप से दो अलग-अलग बातें नजर आती है पर वास्तविक रूप से "एक शरीर और एक प्राण है धर्म और अध्यात्म"

प्रस्तुति: ज्योतिषचार्या डॉ.स्वाती सक्सेना

एआई का धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में बढ़ता इस्तेमाल क्या दुनिया के लिए नई चुनौती पेश कर सकता है?

धर्म-अध्यात्म की एआई यात्रा में आत्मा की खोज

प्रस्तुति: मनोज त्रिपाठी

आधुनिक तकनीक और प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान का मिलन अब कल्पना नहीं, हकीकत बन रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) न केवल बिजनेस, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, बल्कि अध्यात्म की दुनिया में भी प्रवेश कर चुकी है। एआई का इस्तेमाल धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में नई संभावनाएं लेकर आया है। धर्म, पूजा-पाठ, ध्यान और निजी ध्यात्मिक अनुभवों को नए आयाम देने में इसकी भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। एआई की मदद से पवित्र ग्रंथों के साथ बातचीत को नया रूप मिल रहा है। इसका प्रयोग आध्यात्मिक मार्गदर्शन को निजी बनाने के साथ धार्मिक अनुष्ठान भी बढ़ा रहा है। लेकिन इस सबके बावजूद अध्यात्म की दुनिया में एआई से आ रहे बदलावों के बीच यह सवाल कम महत्वपूर्ण नहीं है कि इसे एक नई चेतना की शुरुआत माना जाए या भ्रम का युग। पूरी दुनिया में इस बात को लेकर बहस छिड़ी है कि क्या एआई आत्मा की खोज में सहायक होगा या इस विषय को और भटका देगा।

आज इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि एआई संचालित विश्लेषण ने गीता, बाइबिल, कुरान जैसे पवित्र ग्रंथों के अध्ययन में नई जान फूंक दी है। धर्म और अध्यात्म से जुड़े गूढ़ विषयों पर नए दृष्टिकोण के साथ प्रासंगिक तथा समावेशी समझ प्रदान की है। एआई के माध्यम से धार्मिक ग्रंथों का उन्नत विश्लेषण उन पर आस्था रखने वाले लोगों का भरोसा और बढ़ा रहा है। पारंपरिक प्रथाओं और धार्मिक मान्यताओं को समृद्ध कर रहा है। एआई संचालित ऐप्स आभासी आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में लोगों को प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं। उपयोगकर्ता की भावनाओं और आध्यात्मिक आवश्यकताओं के मुताबिक निजी प्रार्थनाएं और ध्यान संबंधी चिंतन तैयार किए जा रहे हैं।

आध्यात्मिक चैटबॉट्स कर रहे मार्गदर्शन

- एआई आधारित चैटबॉट्स, जैसे कि धर्मबॉट्स, भक्तों के सवालों का जवाब देकर उन्हें धार्मिक और आध्यात्मिक रास्ता दिखाने का काम कर रहे हैं। यह तकनीक न केवल त्वरित उत्तर देती है, बल्कि लोगों को उनके विषय से संबंधित गहन जानकारी भी प्रदान करती है। गीताजीपीटी के माध्यम से आध्यात्मिकता, दर्शन और संस्कृति का अन्वेषण किया जा सकता है, तो बाइबिल एआई सटीकता के साथ बाइबिल संबंधी अध्ययन उपलब्ध कराता है। बात चैटजीपीटी की करें, तो इससे अब तमाम लोग जीवन का उद्देश्य और आत्मा क्या है, जैसे सवाल पूछते हैं और इनका जवाब भी पाते हैं।

डिजिटल पूजा और वर्चुअल मंदिर

- एआई के माध्यम से श्रद्धालु वर्चुअल पूजा स्थलों और मंदिरों का अनुभव ले सकते हैं। कई एप्स और वेबसाइट्स एआई आधारित वर्चुअल दर्शन की सुविधा प्रदान करती हैं। इनके जरिए भक्त 3-डी और 360 डिग्री तकनीक का उपयोग करके अपनी इच्छा के मुताबिक मंदिर में मौजूद रहने का अनुभव कर सकते हैं।

बढ़ेंगे डिजिटल गुरु और ज्योतिषी

- अध्यात्म में एआई के प्रवेश से आने वाले समय में डिजिटल गुरुओं की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। इसी तरह एआई ज्योतिषी या भविष्यवक्ता आपके कर्म, राशिफल के आधार पर फलित बताने के साथ पूर्व जीवन की एआई आधारित व्याख्या करते नजर आ सकते हैं। जेफरी सेलावी ऐसा ही एक ज्योतिषीय उपकरण है, जो एस्ट्रल मैप्स और राशि चक्र कुंडली की गणना करता है। टैरो मास्टर, टैरो टैप भी कुछ ऐसे ही तकनीकी उपकरण हैं।

मेट्रो में बैठकर हिमालय में ध्यान

- एआई आधारित ध्यान एप जैसे कि कॉम और हेड स्पेस अपने उपयोगकर्ताओं को निजी स्तर पर ध्यान और योगाभ्यास के सत्र प्रदान करते हैं। इस दौरान तकनीक के जरिए साधक की प्रगति का विश्लेषण कर उन्हें बेहतर सुझाव दिए जाते हैं। इसी तरह एआई आधारित गाइडेड मेडिटेशन, वर्चुअल रियलिटी के साथ जुड़कर कुछ इस तरह के ध्यान का अनुभव दे रहे हैं, जैसा कि आप हिमालय की गोद में बैठकर महसूस करते हैं, भले ही आप मेट्रो में सफर कर रहे हों या सुबह के समय अपनी छत पर बैठे हों।

मंत्रों और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन

धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने, उनका अनुवाद करने के साथ मंत्रों, वचनों या श्लोकों का अर्थ समझाने के लिए दुनिया भर में अब एआई का धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है। यह सुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो संस्कृत, अरबी या अन्य प्राचीन भाषाएं नहीं जानते हैं। इसी क्रम में कई एआई आधारित ऐप लोगों को मंत्रोच्चारण और जीवन दर्शन सिखाने के काम में लगे हैं। उदाहरण के लिए सिबिल एआई जैसे नेटवर्क के जरिए आध्यात्मिक अंतृदष्टि और मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।

सिटी ब्रीफ

मैलानी से छोटी काशी के लिए कांवड़ियों का जत्था रवाना

मैलानी। फुलहिया नं 1 गाड़ी घाट शिव मंदिर से पूजा अर्चना कर कमेटी अध्यक्ष महिला मोर्चा की जिला मंत्री अनीता कौर, सदस्य मनोज निषाद, देवानंद निषाद, प्रीतम सिंह, भागवंत निशाद, ओमकार निषाद, शिवशरन, झाऊलाल ने सैकड़ों कांवड़ियों को अंगवस्त्र भेंट कर गोला छोटी काशी के लिए कांवड़ियों को रवाना किया। कावड़ यात्रा में महिलाएं भी शामिल हुईं। कावड़ यात्रा में विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष और बच्चे शामिल हुए। जिन्होंने गांव से खुटार रोड तक जाकर जत्थे को विदा किया। ग्रामीणों ने बम बम भोले के जयकारों के साथ कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाया। कांवड़ियों में विनोद मेट्रो, राहुल, रामसिंगर, केवल सिंह, राजू, प्रमोद, शिवकुमार, ज्योति कुमारी, राजेश, भोला सहित सैकड़ो कांवड़िया शामिल रहे। वहीं पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा।

वॉलिंटियर्स, भूतपूर्व सैनिक भी दे रहे सेवाएं

गोला गोकर्णनाथ अमृत विचार : सावन माह में छोटी काशी गोला में प्रत्येक सोमवार को लाखों की भीड़ जुटती है, जिसको देखते हुए पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी शनिवार शाम से सोमवार देर रात तक ढाई सौ वॉलिंटियर्स और भूतपूर्व सैनिकों का सहयोग लिया गया है, जो पौराणिक शिव मंदिर के प्रवेश, निकास द्वार और अधिक भीड़ भाड़ वाली जगह के साथ शिवम चौराहे, स्टेशन रोड, अंबेडकर तिराहे आदि कई स्थलों पर बनाए गए बैरियर पर भी अपनी सेवाएं देकर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित कर रहे हैं।

भगवा रंग में रंगी छोटी काशी, श्रद्धा, भक्ति और विश्वास से गूंजे शिवालय

सावन का दूसरा सोमवारः छोटी काशी में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया शिव का जलाभिषेक, सोमवार रात दो बजे ही खोल दिए मंदिर के कपाट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी/गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः आसमान में छाए बादलों के बीच से निकलने वाली धूप की उमस, तलबों में छाले, फिर भी हर-हर महादेव और बम-बम भोले का उद्घोष करते कांवड़ियों के कदम नहीं रुके। सावन में शिव भक्तों की आस्था का जीता जागता ओजस्वी दृश्य फिर नजर आया। सोमवार को छोटी काशी पूरी तरह भगवा रंग में रंग गई।

सावन के दूसरे सोमवार को जिले भर के शिवालयों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह 4 बजे से ही शिव मंदिर हर-हर महादेव, बोल बम और ओम नमः शिवाय की जयकारों से गूंजने लगे। गोला में दूर दराज के कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने पौराणिक तीर्थ में स्नान कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। रविवार की रात श्रृंगार पूजा के बाद बंद किए गए शिव मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए रात दो बजे ही खोल दिए गए। गोला के हर चौराहे, हर सड़क पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का सैलाब नजर आ रहा था। उधर, शहर के भूइफोरवानाथ मंदिर, कोतवाली के पास स्थित शिव मंदिर, छाया कुआं स्थित शिव मंदिर, ओयल के मेढक मंदिर, संकटा देवी मंदिर, दुखहरण नाथ मंदिर और लिलौटी नाथ मंदिर में सुबह से लेकर देर रात तक शिव का जलाभिषेक किया जाता रहा।

कोई भक्ति में तो कोई मन्नत पूरी होने पर ला रहा कांवड़ : गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः छोटी काशी की ओर बोल बम और हर-हर महादेव का जाप करते कांवड़िया चले आ रहे थे। हर सड़क पर श्रद्धालुओं का रेला था। इनमें कोई भक्ति में तो कोई मन्नत पूरी करने पर कांवड़ लेकर आ रहा है।

जहां मिल गई छांव, वहीं ठहर गये पांव : गोला गोकर्णनाथः इस बार सावन के दूसरे सोमवार से एक दिन पूर्व रविवार से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की आवक शुरू हो गई थी। रविवार को आये श्रद्धालु सोमवार की अल सुबह पूजा करने के बाद ही घर लौटना चाहते हैं। रविवार की रात मौसम खराब हो जाने पर श्रद्धालु रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म, बस स्टैंड के टीनशेड और दुकानों के आगे बने बरामदे में ही रात गुजारने के लिये रुक गये, जिन्होंने सोमवार सुबह भगवान भोलेनाथ का जलाभिशेक कर पूजन, अर्चन किया।

गोला गोकर्ण नाथ में जलाभिषेक को उमड़ा श्रद्धालु और कांवड़ियों का सैलाब। ● अमृत विचार

- रात दो बजे ही खुल गए शिव मंदिर के कपाट
- हर-हर, बम-बम के उद्घोष से गूंजी गोला नगरी

गोला गोकर्णनाथ में पौराणिक शिव मंदिर में पूजन करते श्रद्धालु।

शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़ : भीरा : नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित शिवालयों पर भारी भीड़ रही। शिवभक्तों ने विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन कर भांग, धतूरा, बेलपत्र, फल, फूल. दूध आदि चढ़ाकर माथा टेका और परिवार व क्षेत्र के खुशहाली की कामना। हर हर महादेव बम बम भोले के जयकार से शिवालय गूंजते रहे।

सोमवार को फकीर बाबा स्थान पर उमड़े शिव भक्त

बिझौली। बिझौली, चिन्तापुरवा, अमकोटवा, लखैया, जमुनाबाद फॉर्म, बहेरवा सहित क्षेत्र के श्रद्धालु सूर्योदय पूर्व से ही फकीर बाबा स्थान पर बने शिव मंदिर पर शिव भक्तो का पहुंचना शुरू हो गया था। भक्तां ने बेलपत्र, फूल, भांग, धतूरा, चंदन और अक्षत से भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। इस मौके पर महेशचंद्र कनौजिया, जमुनाबाद फार्म के ब्लाक नम्बर 3 के इंचार्ज कुलदीप वर्मा, ब्लाक दो के इंचार्ज अजय वर्मा, समलिया प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

टेढ़ेनाथ मंदिर में दिन भर रही श्रद्धालुओं की कतार

बग्घून। सूर्य उदय से पूर्व में बाबा टेढ़ेनाथ मंदिर पर भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, फूल, भांग, धतूरा, गंगाजल से अभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों ने कांवड़ियों के स्वागत के लिए मंदिर परिसर में जलपान एवं भंडारे का आयोजन किया। सुरक्षा की दृष्टि से अमीरनगर चौकी प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह चौकी स्टाफ के साथ मौजूद रहे। मौके पर सेवादार रोहित शर्मा, मयंक त्रिवेदी, रवीश पाटिल, पीपल कुमार, योगेश मिश्रा, पुनीत मिश्रा, जितेंद्र वाजपेई, छोटेलाल, शिवम दीक्षित, सूरज, राजीव सहित बाबा सेवा समिति के सेवादार मौजूद रहे।

मनौती पूरी होने पर पहली बार लेकर आईं कावड़

धौरहरा भटपुरवा निवासी रामकली ने बताया कि वह अपनी बहू सुनीता और बेटे श्रीकृष्ण के साथ पौराणिक शिव मंदिर में जलाभिषेक करने आई हैं। बताया कि उनकी बेटी की शादी 15 वर्ष पूर्व हुई थी, पर उसके कोई संतान नहीं थी। उन्होंने भोलेनाथ से मनौती मांगी कि उनकी बेटी के संतान होने पर वह कांवड़ चढ़ाने छोटी काशी गोला आएंगी। 15 वर्ष बाद नाती होने पर वह सपरिवार सावन के दूसरे सोमवार को भोलेनाथ का जलाभिषेक करने आई हैं। उनकी भोलेनाथ के प्रति सच्ची श्रद्धा है।

भक्ति में कांवड़ ले आया किशोर आयुष

फर्रुखाबाद के 14 वर्षीय आयुष कक्षा 10 में पढ़ाई कर रहा है। वह पहली बार छोटी काशी भोलेनाथ को गंगाजल भरकर कांवड़ चढ़ाने परिजनों के साथ आए हैं। आयुष ने कहा कि अपने रिश्तेदारों, मित्रों को कांवड़ चढ़ाने जाते देखकर उसमें भीआस्था जागी कि इस बार वह भोलेनाथ को कांवड़ चढ़ाने जाएगा। परिवार वालों के साथ सावन के दूसरे सोमवार को उसने पौराणिक शिव मंदिर में कांवड़ चढ़ाई। छोटी काशी गोला में आकर उसने स्वयं धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को समझा और शिव के प्रति सच्ची अनुभूति प्रकट की।

हर साल भक्ति में चढ़ाते हैं कांवड़

धौरहरा की सुनीता देवी पांचवीं बार कांवड़ चढ़ाने आई हैं। कहती हैं कि भोलेनाथ की कृपा है घर परिवार में खुशहाली है। इसी तरह फर्रुखाबाद निवासी प्रदीप कुमार कहते हैं कि वह भक्ति में हर साल कावड़ चढ़ाने आते हैं। उनके ऊपर भगवान शिव की असीम कृपा है। जहानगंज निवासी करण सिंह कहते हैं कि वह जब पहली बार आए थे उसके बाद भोलेनाथ की कृपा उनके परिवार पर बरसने लगी। तब से लगातार छोटी काशी में कांवड़ चढ़ाने के लिए आते हैं।

सुनीता।

करण सिंह।

प्रदीप कुमार।

श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान के बाद की भोलेनाथ की पूजा

धौरहरा। जालिम नगर पुल पर रविवार से ही श्रद्धालुओं ने पहुंचना शुरू कर दिया। सोमवार को सुबह पांच बजे से ही सरयू नदी में स्नान कर शिवभक्तों ने दान किया और आस पास के शिव मंदिरों में जल अर्पण कर सभी के सुख कल्याण की कामना की। स्नान दान के बाद अधिकतर श्रद्धालु छोटी काशी व जनपद बहराइच के आस पास के मंदिरों में जलाभिषेक के लिए रवाना हो गए। इस दौरान सीओ शमशेर बहादुर सिंह, धौरहरा कोतवाल सुरेश कुमार मिश्र सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर लगी लोहे की बेरीकेडिंग नहीं झेल पाई भक्तों का प्रेशर

गोला गोकर्णनाथ। सावन में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं आते हैं, जिसे नियंत्रित करने के लिए शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण कार्य में लगी यूपीपीसीएल की कार्यदायी संस्था ने लोहे की बेरीकेडिंग कराकर महिलाओं-पुरुषों एवं डाक कांवड़ के लिए अलग-अलग दीर्घाएं बनवाई थीं। सावन के पहले सोमवार को सब कुछ सही रहा, पर दूसरे सोमवार को शिव भक्तों की भारी भीड़ के दबाव के चलते रेलिंग टूट कर गिर गई और लोहे के एंगल भी क्रेक हो गए। भारी भीड़ होने के बावजूद भी भोलेनाथ की कृपा से कोई चोटिल नहीं हुआ। शिव भक्तों, कावड़ियों की सैकड़ों चप्पल-जूते वहीं पर रह गए, जिसे नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने साफ करवाकर हटवाया है और रेलिंग को बल्ली के सहारे रोककर किसी तरह श्रद्धालुओं को पौराणिक शिव मंदिर में दर्शनार्थ भेजने की व्यवस्था की गई।

तीज महोत्सव में झूला, व्यंजन और तीज क्वीन का जलवा

तीज महोत्सव में मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः अग्रवाल महिला संघ ने महाराजा अग्रसेन विद्या मंदिर, मारवाड़ी मंदिर परिसर में रविवार की शाम सावन तीज महोत्सव का रंगारंग आयोजन किया। जिसमें महिलाओं ने नृत्य आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ की अध्यक्ष पूनम मित्तल ने की। शुरुआत तीज स्पेशल डांस परफॉर्मेंस से हुई, जिसे नूपुर अग्रवाल, पूजा अग्रवाल और चेतना अग्रवाल ने खूबसूरती से प्रस्तुत किया। इसके बाद मैंगो डिश प्रतियोगिता की गई, जिसमें मधु अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, पूजा गोयल, शिवांगी अग्रवाल व मधुर अग्रवाल समेत कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वादिष्ट और आकर्षक मैंगो डिशेज सभी के आकर्षण का केंद्र रही।

विशेष आकर्षण कान्हा जी का झूला सजाओ' प्रतियोगिता रही, जिसमें शुभी अग्रवाल, निक्की मित्तल, नीतू अग्रवाल, नीरू अग्रवाल, स्वीटी अग्रवाल, शालू डालमिया, वर्तिका अग्रवाल व किरण अग्रवाल ने रचनात्मकता और पारंपरिक भावना का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया, जो दर्शकों के लिए सराहनीय रहा। तीज क्वीन प्रतियोगिता में पूजा अग्रवाल विजेता रहीं। इस दौरान अरुणा अग्रवाल, डॉ. रुचिका अग्रवाल, कविता अग्रवाल, लता अग्रवाल आदि रहीं।

तू दूर न होना शंभू, मैं किसी और का हो ना पाऊंगा...पर थिरक रहे कांवड़िए

बिझौली। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए शिव भजनों पर जमकर झूमते रहे। जगह-जगह सड़कों पर कांवड़ियों की झांकी निकल रही हैं। शिव भक्त उनके ऊपर फूलों की वर्षा कर रहें हैं। झांकी लेकर आने वाले श्रद्धालुओं ने पूछने पर बताया कि उनके यहां पर सावन मास में भगवान शिव की झांकी कई पीढ़ियों से निकाली जा रही है। कांवड़ यात्रा में बम-बम भोले के जयकारों से गाँव व शहर के मार्गों में वातावरण भक्तिमय नजर आ रह है। जिधर से देखो कांवड़िए भक्तिमय गीतों पर झूमते हुए आगे बढ़ रहे हैं। कई कांवड़िये भोलेनाथ की प्रतिमा को कंधे पर लेकर यात्रा कर रहे हैं तो कई कांवड़िए झांकी वाली कांवड़ों को लेकर गुजर रहे हैं। मनमोहक झाकिया देखने और इनका भजन सुनने के लिए कांवड़ यात्रा मार्ग पर जैसे कस्बा करनपुर, रजागंज, शहबुद्दीनपुर, केशवापुर, कुनैठिया स्थित हनुमान मंदिर के साथ ही अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग जुट गये। कांवड़ियों के कई जत्थे भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश की प्रतिमा को कंधे पर लादकर चल रहे हैं। कुछ जत्थों में शिवलिंग रूपी कांवड़, तांडव करते भगवान शिव, विष का प्याला पीते हुए, गौरी पार्वती संग शिव आदि-आदि स्वरूपों में भगवान शिव की झांकियां सजी हैं।

क्लेश हरण मंदिर पर श्रद्धालुओं ने की पूजा

गोला गोकर्णनाथ। नगर से पांच किमी दूर गांव अहमदनगर स्थित क्लेशहरण मंदिर पर भोर के पहर ही मंदिर के कपाट खुलने पर ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ पड़ी, जिन्होंने कतारबद्ध होकर भेलेनाथ की पूजा की। गोला के भोला के अनुज कहे जाने वाले क्लेशहरण बाबा के प्रति ग्रामीण भक्तों में अगाध श्रद्धा है। लोगों का मानना है कि यहां पूजा करने से सारे क्लेश दूर हो जाते हैं। इस मान्यता के साथ लोगों ने उनकी पूजा कर मेला परिसर में लगी दुकानों से अपनी आवश्यकता की वस्तुओं की खरीदारी की। महिलाओं की भीड़ अधिक रहने से हैदराबाद थाने का पर्याप्त पुलिस बल मुस्तैद रहा।

शिव भक्तों ने की पुष्प वर्षा

केशवापुर चौराहे पर ढकवा चौकी पुलिसा के बने सहायता केन्द्र पर कांवड़ियों को दवाई, पानी, नमकीन की व्यवस्था है। ढकवा चौकी प्रभारी महादेवी, कॉन्सटेबल तरुण कुमार, शिवेंद्र, विपिन, नीतीश, संजय ने कावड़ियों पर फूलों की वर्षा की।

पालिका चेयरमैन ने पुष्प वर्षा कर किया कांवड़ियों का स्वागत

गोला में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करते चेयरमैन विजय शुक्ल रिंकू। ● अमृत विचार

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः सावन माह के दूसरे सोमवार को गंगाजल भरकर लाने वाले कांवड़ियों पर नगर पालिका परिषद चेयरमैन विजय शुक्ल रिंकू की अगुवाई में भारत विकास परिषद छोटी काशी, व्यापार मंडल कंछल गुट, पूर्व सैनिक सेवा परिषद और श्याम दीवाने सेवा समिति के पदाधिकारियों ने अशोक चौराहे पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। पालिकाध्यक्ष ने देवाधिदेव महादेव के भक्तों के स्वागत करने के लिए सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों का आभार जताया। पुष्प वर्षा में श्रीश्याम दिवाने सेवा समिति के अजय गुप्ता, अनिल जलोटा, सुमित राठौर, प्रवीन रस्तोगी, सौरभ सिंह, रजत देवल, भारत विकास परिषद के शैलेन्द्र सक्सेना, अनुज खरे, मनोज वर्मा, द्वारिका प्रसाद रस्तोगी, संजय तिवारी, सुशील पटेल, संजय शुक्ला, पूर्व सैनिक सेवा परिषद से राजेश्वर सिंह, महेशचन्द्र पाठक, इन्द्रपाल, केजी त्रिवेदी, अकरम खान, प्रेम कुमार, मिथलेश अवस्थी, कुतुबुद्दीन अंसारी आदि मौजूद रहे।

प्रेम व समर्पण का उदाहरण है श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः साईं मैरिज लॉन में हो रही संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन कथावाचक संजीवनी मिश्रा ने कृष्ण-रुक्मणी विवाह के प्रसंग का वर्णन किया है।

उन्होंने सुनाया रुक्मणी का विवाह श्रीकृष्ण से पौष के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को हुआ था। रुक्मणी राजा भीष्मक की पुत्री थीं। वह श्रीकृष्ण से अपार प्रेम करती थीं। शिशपाल से उनका विवाह तय था, लेकिन रुक्मणी ने श्रीकृष्ण को मन में अपना पति मान लिया था। श्रीकृष्ण ने रुक्मणी का हरण कर लिया और शिशुपाल से युद्ध करके उन्हें द्वारका ले गए। वहां श्रीकृष्ण और रुक्मणी का विवाह धूमधाम से हुआ। यह विवाह पौराणिक कथाओं में प्रेम समर्पण और धार्मिक मान्यताओं का उदाहरण माना जाता है। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, विशिष्ट अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख मितौली राजीव वर्मा को आयोजकों ने अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। आयोजक व्यापारी नेता पटेल अशोक कनौजिया, जिला पंचायत सदस्य शिखा कनौजिया, राकेश भार्गव, सुमित वर्मा, सतीश वर्मा, प्रियंका वर्मा, डॉ. सुमेधा पटेल, अमीषा पटेल, आकाश कनौजिया, विशाल पटेल आदि श्रोता मौजूद रहे।

रुक्मिणी-श्रीकृष्ण विवाह की सजी झांकी।

सेवा भाव

सावन के पूरे महीना कंजा स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में 24 घंटे चलता रहेगा अटूट भंडारा

पूछताछ न भेदभाव, अग्रवाल सभा की ओर से मुस्कान के साथ परोसे जा रहे व्यंजन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः छोटी काशी में जैसे-जैसे सावन बढ़ रहा है, वैसे-वैसे श्रद्धा और सेवा की रफ्तार तेज हो रही है। नगर में अग्रवाल सभा की ओर से नगर सीमा पर कंजा स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में 24 घंटे अटूट भंडारा चल रहा है। हनुमान समिति की ओर से यहां कांवड़ियों के विश्राम की व्यवस्था और मुस्कान के साथ ही परोसे जा रहे व्यंजन व जगह जगह शरबत-पानी से भक्ति और सेवा का एक सुंदर संगम प्रस्तुत किया जा रहा है।

नगर के नीलकंठ मैदान, मोहम्मदी रोड स्थित कंजा बाबा देवस्थान पर सावन माह में दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं, कांवड़ियों के भोजन, पानी की 24 घंटे व्यवस्था की जा रही है, जिसमें हजारों लोग प्रतिदिन प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

नगर के नीलकंठ मैदान में अग्रवाल महासभा द्वारा पिछले आठ वर्षों से सावन माह में श्रद्धालुओं के भोजन, पानी की व्यवस्था की जा रही है। अग्रवाल महासभा के अतुल अग्रवाल स्वयं दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में लगते हैं। मोहम्मदी रोड स्थित कंजा देवस्थान पर भी समिति और अग्रवाल महासभा के पदाधिकारियों के सहयोग से कांवड़ियों, श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे नाश्ता, भोजन, पानी आदि की व्यवस्था के साथ उनके रुकने की व्यवस्था भी है। साथ ही चिकित्सा कैंप भी लगाया गया है। इसके अलावा नगर में अलीगंज रोड पर शाश्वत केडिया, लखीमपुर रोड पर मनोज शुक्ला और लक्ष्मी नगर कॉलोनी के प्रमुख व्यवसायियों के सहयोग से पीपल वाले गेट पर और शहनाई गेस्ट हाउस के सामने 38 वर्षों से शाहजहांपुर जिले के तिलहर वालों का भंडारा भी सावन के प्रत्येक सोमवार को आयोजित किया जाता है। त्रिलोक गिरी मंदिर, लखीमपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर पर सावन माह के अंतिम सोमवार को कई वर्षों से भंडारे का आयोजन हो रहा है।

कंजा स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में भंडारे में भोजन परोसती पूर्व चेयरमैन मीनाक्षी अग्रवाल।

शिविर में विश्राम करते दूरदराज से आए कांवड़िया। ● अमृत विचार

चेयरमैन ने बनवाया संयुक्त शिविर, इलाज से लेकर खोई वस्तु तक पा रहे श्रद्धालु

नगर पालिका परिषद के चेयरमैन विजय शुक्ल रिंकू ने कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वास्थ्य, खोया पाया और सुरक्षा का संयुक्त शिविर लगवाया है, जिसमें श्रद्धालुओं को अपनी खोई हुई वस्तुओं के साथ ही उन्हें इलाज भी मिल रहा है।

ब्रीफ न्यूज

जहर खाने से युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र के गांव हर्रेउआ निवासी रामचंद्र के पुत्र दिनेश कुमार (45) ने रविवार की शाम अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में दिनेश को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे और उसे भर्ती कराया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर आते ही परिवार में कोहराम मच गया।

तमंचा के साथ एक युवक गिरफ्तार

खीरी टाउन, अमृत विचार : एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस ने गुलफाम पुत्र रियाजुद्दीन निवासी मोहल्ला महाराजनगर थाना कोतवाली सदर को एक तमंचा 315 बोर व एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सदर कोतवाली में छह से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा है।

गोमती में नहाते समय किशोर की डूबने से मौत

मैगलगंज, अमृत विचार : सीतापुर जिले के थाना कमलापुर के गांव खेतुवापुर निवासी भूपेंद्र सिंह पुत्र योगेंद्र सिंह सोमवार को बाबा पारसनाथ के दर्शन के लिए साथियों के साथ मढ़िया घाट पर आया था। रात करीब डेढ़ बजे गोमती नदी में नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया। इससे डूबकर उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर उसकी तलाश कराई। कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसका शव बरामद कर लिया। खबर मिलते ही रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे।

ब्राउन शुगर के साथ दो नेपाली युवक गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार : गौरीफंटा एसआई विद्या सागर शुक्ला ने बताया कि पुलिस और एसएसबी की टीम रविवार की शाम को भारत-नेपाल सीमा पर संयुक्त चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान टीम ने आशीष चौधरी उर्फ अमित पुत्र फिरूवा उर्फ फेरू और राजू चौधरी पुत्र स्वर्गीय गंगाराम चौधरी निवासी धुरजन्ना वार्ड नं 17 धनगढ़ी थाना कनरी जिला कैलाली नेपाल राष्ट्र को रोक कर तलाशी ली तो दोनों आरोपियों के पास से 3 .51 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों का चालान भेजा है।

गुमशुदा बच्ची पुलिस ने परिजनों को सौंपी

रोशननगर, अमृत विचार : हरदोई के थाना हरबल क्षेत्र के गांव बेहथर निवासी देवीदयाल की पुत्री प्रियंका (8) परिजनों के साथ गोला मेला देखने आई थी, जो परिजनों से बिछड़ गई। मोहम्मदी रोड पर मेला ड्यूटी में लगी पीआरवी 2883 रोते देख उसे थाना ले गई। थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बालिका द्वारा बताए गए पते से संपर्क कर परिजनों का पता लगाकर प्रियंका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस 8 माह में नहीं निकलवा सकी आरोपी का सीडीआर

संवाददाता, फरधान

अमृत विचार: अपने को जल निगम का ठेकेदार बताकर कर गांव के एक दुकानदार से 25000 का शटरिंग का सामान लेकर फरार होने वाले कथित ठेकेदार के मामले में पुलिस 9 माह में आरोपी की सीडीआर डिटेल नहीं निकलवा पाई है। अब तक पीड़ित को न सामान मिला है और न ही भाड़ा।

थाना क्षेत्र के परसेहरा बुजुर्ग गांव निवासी अब्दुल लतीफ ने बताया कि 5 सितंबर 2024 को अपने को जल निगम का ठेकेदार बताते हुए दो लोग दुकान पर आए। पिलर बनाने वाले तीन फ्रेम भाड़े पर लिए। दुकानदार घर के मोबाइल नंबर पर फोन से काल करके अपनी पहचान बनाई। दुकानदार को उसकी बातों पर भरोसा हो गया और उसको फ्रेम दे दिए। अगले दिन फिर तीन फ्रेम कथित ठेकेदार भाड़े पर ले गया। काफी समय तक सामान वापस नहीं मिला तो उसने ठेकेदार के बताए गए पते पर तलाश किया तो पता चला कोई ठेकेदार नहीं है और न ही कोई काम हुआ है। जब दुकानदार ने उस नंबर पर फोन कर अपने फ्रेम और किराए का पैसों के लिए कहा तो पहले कथित ठेकेदार ने अपने को बाराबंकी निवासी देवा सिंह ठेकेदार बताया। कहा कि सामान धोखे से बाराबंकी चला आया है। अब वापस नहीं किया सकता। इसलिए सामान की आधी कीमत वापस मिलेगी। प्रभारी निरीक्षक दया शंकर द्विवेदी ने बताया कि कथित ठेकेदार ने पहले थाने आने को कहा था। फिर अगले दिन आने से मना कर दिया। सीडीआर मिलने के बाद ही आगे कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी फुटेज में पहचान होने के बाद कुंडल लूट के आरोपी के घर गया था सिपाही

लूट के आरोपी ने परिवार वालों के साथ सिपाही को पीटा

- आरोपी, उसके भाई और पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शहर की भटनागर कॉलोनी में दो दिन पहले महिला के कुंडल नोच कर भागे आरोपी की सुरागरसी करते हुए उसके घर पहुंचे सिपाही की आरोपी ने अपने भाई और पिता के साथ मिलकर पिटाई कर दी। इससे उसे चोटें आई हैं। सिपाही ने किसी तरह भागकर जान बचाई। सदर कोतवाली पुलिस ने सिपाही की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोहल्ला भटनागर कॉलोनी निवासी अनीता अग्रवाल 19 जुलाई की सुबह करीब साढ़े छह बजे मंदिर पूजा करने जाने के लिए घर से बाहर निकली थीं। इस बीच पीछे से आए अज्ञात युवक ने उनके कान पर झपट्टा मार दिया और सोने के कुंडल नोंच कर भाग निकला था। सदर कोतवाली पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। इस दौरान आरोपी की तस्वीर फुटेज में कैद हुई थी। सिपाही अमरजीत ने जब फुटेज में दिख रहे युवक की पहचान कराई तो उसकी पहचान शांतीनगर गढ़ी रोड निवासी आयुष शुक्ला के रूप में हुई।

सिपाही अमरजीत आरोपी की तलाश करते हुए रविवार को उसके घर पहुंच गया। घर पर मौजूद आरोपी आयुष शुक्ला से घटना को लेकर पूछताछ करने लगा। इसी बीच आयुष शुक्ला ने अपने भाई आदर्श शुक्ला और पिता विजय शुक्ला के साथ सिपाही पर हमला कर दिया और उसकी पिटाई कर दी। वह जब अपनी जान बचाकर घर के बाहर भागा तो आरोपियों ने उसे दौड़ा लिया। किसी तरह सिपाही ने भागकर अपनी जान बचाई। आरोपियों की पिटाई से सिपाही को चोटें आई हैं। किसी तरह बचकर कोतवाली पहुंचे सिपाही ने पूरी घटना बताई। इसके बाद शहर कोतवाल हेमंत राय भारी पुलिस बल के साथ आरोपी के घर पहुंचे और छापा मारा, लेकिन आरोपी पुलिस के हाथ नहीं आए।

सदर कोतवाल हेमंत राय ने बताया कि सिपाही की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। सिपाही का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दूसरों की सुरक्षा करने वाले सिपाही भी असुरक्षित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने की खुली छूट दे रखी है, लेकिन जिले में पुलिस की लचर कार्रवाई और जीरो टॉलरेंस की नीति की धज्जियां उड़ाने के कारण जिले में दूसरों की सुरक्षा करने का जिम्मा संभालने वाले सिपाही भी अपराधियों से सुरक्षित नहीं है। अपराधी सिपाहियों पर हमला करने में भी कोई गुरेज नहीं कर रहे हैं। अब सवाल उठता है कि जब जनता के रक्षक ही जिले में सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की सुरक्षा कैसे संभव हो सकती है।

पेट्रोल लेकर डीएम कार्यालय पहुंचे परिजन, किया हंगामा

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी न होने और प्रशासन की वादाखिलाफी से परिजनों में आक्रोश, न्याय नहीं मिलने पर करेंगे आत्मदाह

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: निघासन थाना क्षेत्र के गांव जुम्मनपुरवा (रघुवर नगर) निवासी आठ साल के बच्चे की मौत के मामले में कोई कार्रवाई न होने से नाराज परिजन सोमवार को डीएम कार्यालय पहुंचे। उनके पास केन में पेट्रोल था। यह देख प्रशासन में हड़कंप मच गया। सुरक्षाकर्मियों ने जब पेट्रोल की केन छीनने की कोशिश की तो परिजन आक्रोशित हो गए और उनसे भिड़ गए। करीब दो घंटे तक चले हाई प्रोफाइल ड्रामे के बाद पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। परिजनों ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वह कलेक्ट्रेट में ही पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर लेंगे।

पेट्रोल से भरी केन के साथ अपनी व्यथा बताते परिजन। ● अमृत विचार

गांव रघुवर नगर निवासी जमुना का पुत्र पप्पू (8) तीन जुलाई को घास लेने गया था, लेकिन वह शाम तक घर नहीं आया। तलाश के दौरान देर शाम उसका शव केले के खेत में बरामद हुआ था। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर जमीन विवाद में हत्या कर शव फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया था। काफी हंगामा होने के बाद बढ़ते बवाल को देखते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को नामजद कर कुछ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया था, लेकिन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से परिजन नाराज थे। सोमवार को मृतक पप्पू के पिता जमुना परिवार के कई लोगों के साथ डीएम कार्यालय पर पहुंचे। उनके हाथ में पेट्रोल से भरी एक केन थी और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्रवाई न करने और वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

- एसडीएम से लेकर चौकी इंचार्ज तक बिके हुए का लगाया आरोप

उनका कहना था कि एसडीएम, सीओ से लेकर सभी अधिकारी बिके हुए हैं। परिजन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर न्याय दिलाने की मांग कर रहे थे। परिजनों का कहना था गांव में प्रधान, एसडीएम, तहसीलदार, सीओ के सामने प्रशासन ने लिखित समझौता किया था, जिसमें आरोपियों के कब्जे वाली अवैध जमीन को खाली कराने, आरोपियों की संपत्ति कुर्क कर मकान ध्वस्त करने, लेखपाल विद्योत्मा के खिलाफ कार्रवाई करने समेत सात मांगों पर सहमति बनी थी। तब उन्होंने अपने बेटे के शव का अंतिम संस्कार किया था, लेकिन प्रशासन ने उनकी एक भी मांग को पूरा नहीं किया है। उन्हें आज यदि इंसाफ नहीं मिलता है तो वह कलेक्ट्रेट में ही पेट्रोल डालकर परिवार समेत अपनी जान दे देंगे।

डीएम कार्यालय पर तैनात कुछ सुरक्षा कर्मियों ने जब पेट्रोल भरी केन छीनने की कोशिश की तो आक्रोशित लोग उनसे भी भिड़ गए। इस बीच सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों की काफी मान मनौव्वल की और उन्हें कार्रवाई का आश्वासन देकर किसी तरह से उन्हें मनाया। तब जाकर परिजन शांत हुए और वापस लौट गए। इस पूरे मामले पर एएसपी पूर्वी पवन गौतम ने बताया कि विवेचना की जा रही है। हत्या के दर्ज मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उधर, एसडीएम निघासन राजीव निगम ने बताया कि जमीनी विवाद न्यायालय में लंबित है।

चौकी इंचार्ज पर हो चुकी है कार्रवाई

आठ साल के बच्चे का शव बरामद होने के बाद परिजनों ने खूब हंगामा किया था। चौकी इंचार्ज दुर्गेश शर्मा पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। साथ ही रिपोर्ट दर्ज होने और आरिपियों की गिरफ्तारी होने पर शव पोस्टमार्टम के लिए देने की मांग पर अड़ गए थे। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए चौकी इंचार्ज को हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया था।

हादसे में घायल महिला ने 21 दिन बाद तोड़ा दम

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: 30 जून की रात गुलरिया निवासी जितेंद्र कुमार उर्फ राजा पटेल की कार लखनऊ से घर वापस आते समय मालपुर के पास पलट गई थी। हादसे में जितेंद्र कुमार उर्फ राजा, कार सवार उनकी चार साल की बेटी श्रद्धा और भाभी सीमा देवी (32) की मौत हो गई थी. जबकि पत्नी सुषमा और शिवम (22) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दोनों का लखनऊ के आईकॉन अस्पताल में उपचार चल रहा था। डॉक्टर ने कुछ दिन पहले हालत ठीक होने पर शिवम को अस्पताल से छुट्टी दे दी थी, जबकि सुषमा का इलाज चल रहा था। 21 दिन चले इलाज के बाद सुषमा की भी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। माता-पिता की मौत के बाद उनके चार बच्चे किंजल (11), ऋषभ पटेल (5) और छह माह के शिवांश अनाथ हो गए।

खूंखार लंगूरी बंदर को पड़कर वन कर्मियों ने जंगल में छोड़ा

संवाददाता, मैलानी

अमृत विचारः नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में दर्जनों लोगों को घायल करने के बाद जागी वन विभाग टीम ने लंगूरी बंदर को पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया है। नगर में बंदरों के आतंक से नगरवासी परेशान हैं। नगर से लेकर गांव तक लोग बंदरों के आतंक से परेशान हैं।

उत्पाती बंदर आए दिन हमला कर नगरवासियों को घायल कर रहे हैं। बावजूद इसके खानापूरी के लिए वन विभाग ने बस एक ही बंदर को पकड़वाकर जंगल में छुड़वा कर पल्ला झाड़ लिया। लंगूरी बंदर ने शनिवार को रामलीला वार्ड निवासी विपिन तिवारी को घायल कर दिया, जिनकी नस कट जाने से जिला अस्पताल रेफर किया।

15 जुलाई को रामलीला वार्ड निवासी रोहित को गर्दन में काटकर घायल कर दिया, जिसके छह टांके लगे। जंगलात वार्ड निवासी लक्ष्मन के हाथ में काटकर घायल कर दिया।

दुर्घटना में में तीन कांवड़िया घायल

केशवापुर, अमृत विचारः धैरहरा थाना क्षेत्र के गांव पोगवापुर निवासी सचिन कुमार (22) सरयू नदी से पैदल कांवड़ लेकर गोला जा रहे थे। पानी पीने के लिए सड़क पार करते समय गोला की ओर से जा रहे विशाल (20) निवासी चम्पागढ़, थाना रामपुर मथुरा और साथी उत्तम दुबे (21) सीपतपुर, थाना थानगांव, जनपद सीतापुर बाइक सवारों ने सामने से टक्कर मार दी, जिसमें पैदल कावड़िया सहित तीन लोगों को चोटें आई हैं। पुलिसकर्मियों ने घायलों को सीएचसी भिजवाया।

हादसे में वनकर्मी और बिजली विभाग के संविदा कर्मी की मौत

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: नगर के दुधवा रोड पर सोमवार को दो बाइकों में भिड़ंत हो गई। हादसे में बिजली संविदा कर्मचारी, दूसरी बाइक पर सवार वन कर्मी की मौत हो गई। जबकि एक युवक घायल हो गया। घायल को सीएचसी लाया गया, जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मृतक भरत सिंह।

सीएचसी में उमड़ी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

नगर के मोहल्ला रंगरेजान द्वितीय निवासी सिकंदर अली (35) बिजली विभाग में संविदा कर्मी के पद पर तैनात था। सुबह 10 बजे वह बाइक से अपने साथी रिंकू के साथ चंदन चौकी जा रहा था। वहीं दुधवा में तैनात पलिया के मोहल्ला सुभाषनगर निवासी वन कर्मी भरत सिंह (34) पुत्र नंदा सिंह बाइक से दुधवा से पलिया आ रहे थे। दुधवा रोड पर पॉम रिसोर्ट के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में भरत सिंह और सिकंदर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, सिकंदर का साथी रिंकू गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने सूचना मृतकों के परिजनों को दी और घायल रिंकू को सीएचसी भेजा। जहां से डॉक्टर ने रिंकू को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। परिवार वालों के साथ तमाम लोगों की भीड़ लग गई।

मृतक सिकंदर।

नवोदय के छात्रों ने खुद को किया हॉस्टल में बंद, पुलिस ने जबरन निकाला

फंदा लगाते वीडियो किया वायरल, 7 घंटे बाद प्रशासन की सख्ती से शांत हुआ मामला, लंबे समय से प्राचार्य और छात्रों के बीच चल रही थी रार, कार्रवाई न होने पर फूटा आक्रोश

संवाददाता, मितौली (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: जवाहर नवोदय विद्यालय के सीनियर वर्ग के छात्रों ने सोमवार सुबह खुद को हॉस्टल में बंद कर लिया। अंदर से ही छात्रों ने मीडिया और सोशल मीडिया पर अपनी मांगों के मैसेज व वीडियो भेजे। छात्रों का फंदा लगाते हुए भी वीडियो वायरल हुआ। इससे विद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया। छात्रों से वार्ता करने तहसीलदार ज्योति वर्मा पहुंचीं, लेकिन उनसे बात करने से छात्रों ने मना कर दिया। छात्रों ने न नाश्ता लिया और न ही दोपहर का भोजन। करीब 7 घंटे बाद एसडीएम रेनू मिश्रा के निर्देश पर पुलिस ने बंद दरवाजा तोड़कर सभी छात्रों को सकुशल बाहर निकाला और जलपान व भोजन की व्यवस्था कराई।

कस्बा के जवाहर नवोदय विद्यालय में करीब 160 छात्रों ने सोमवार को विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए खुद को हॉस्टल के कमरों में बंद कर लिया। इसमें कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्र शामिल थे। सूचना तहसील से लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंची तो प्रशासन में खलबली मच गई। सबसे तहसीलदार के साथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में एसडीएम पहुंचीं। शाम करीब साढ़े पांच बजे तक अधिकारी बच्चों को समझाने का प्रयास करते रहे। छात्रों का आरोप है कि प्रधानाचार्य छात्रों व स्टाफ के साथ खराब व्यवहार और मारपीट करते हैं। एसडीएम के आश्वासन के बाद भी जब छात्र नहीं माने तो उनके निर्देश पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर छात्रों को जबरन बाहर निकाला। एसडीएम ने अभिभावकों की मौजूदगी में छात्रों से वार्ता की और छात्रों को उनके सुपुर्द कर दो दिन का अवकाश दे दिया।

घटना स्थल पर मौजूद भारी पुलिस फोर्स व प्रशासनिक अधिकारी ● अमृत विचार

पुलिस के साथ कमरे से बाहर निकलते छात्र। ● अमृत विचार

छात्रों से बात करती एसडीएम रेनू मिश्रा प्रशासनिक अधिकारी। ● अमृत विचार

करीब 10 घंटे भूखे प्यासे बैठे रहे छात्र

मितौली। सुबह करीब 8 बजे छात्राओं ने खुद को हॉस्टल में बंद कर लिया था। तमाम प्रयासों के बावजूद सभी के समझाने बुझाने के बाद भी छात्र जब नहीं माने। तब प्रशासनिक अधिकारियों ने दरवाजे को तोड़कर कटर से काटकर छात्रों को बाहर निकाला। करीब 10 घंटे भूखे प्यासे छात्र कमरे के अंदर बैठे रहे। उन्होंने खाना पानी लेने से भी इनकार कर दिया था। बाहर आने पर उनको जलपान कराया गया।

छात्राओं की ये थी मांग

छात्राओं ने प्रधानाचार्य का तत्काल स्थानांतरण और उनके व्यवहार की औपचारिक जांच करने की मांग की है। वही कर्मचारी कमाल अहमद का स्थानांतरण करने और सार्वजनिक माफ़ी मांगने की मांग रखी है। कर्मचारी कमाल अहमद पर शिक्षकों की प्रतिष्ठा खराब करने और दो शिक्षकों को झूठे आरोप में फंसाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की गई है।

तीन थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा

मितौली। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन मुस्तैद रहा। सीओ सर्किल के तीनों थाने मितौली, मैगलगंज और नीमगांव की भारी फोर्स मौके पर मौजूद रही। सीओ जितेंद्र सिंह परिहार ने छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन छात्र किसी भी कीमत पर बिना मांगे पूरी हुए बाहर आने के लिए राजी नहीं हुए।

मीडिया को बाहर भेजने पर भड़के छात्र

मितौली। सुबह से विद्यालय स्टाफ सहित प्रशासनिक अमला छात्रों को समझाने में जुटा हुआ था। छात्र प्राचार्य के निलंबन को लेकर अड़े हुए थे। वहीं विद्यालय पंहुचे एसडीएम मोहम्मदी अविनाश कुमार के फरमान पर मीडिया व विद्यार्थी परिषद के लोगो को परिसर से बाहर किये जाने पर छात्र उग्र हो गए। छात्र व एबीबीपी के कार्यकर्ताओं जमकर नारेबाजी की।

छात्रों ने प्राचार्य पर यह लगाए आरोप : छात्रों ने वायरल किए गए पत्रों में कहा है कि प्रधानाचार्य एसके सक्सेना और कर्मचारी कमाल अहमद लगातार दुर्व्यवहार, शारीरिक प्रताड़ना दे रहे थे। इसकी शिकायत पहले भी की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। दुर्व्यवहार और पद के दुरुपयोग के कारण हमें यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। प्रधानाचार्य ने एक कर्मचारी सचिन को दूसरों के सामने पीटा है। यह घटना केवल कमाल ने देखी। प्रधानाचार्य नियमित रूप से छात्रों की पिटाई करते हैं। कभी-कभी तो बेरहमी से, जिससे परिसर में भय और आघात का माहौल बन गया है। वह शिक्षण कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं और छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए एक शत्रुतापूर्ण वातावरण बनाते हैं। उन्होंने कला शिक्षक, एसपी. सिंह को सबके सामने गालियां दीं। कई छात्रों और कर्मचारियों को मानसिक उत्पीड़न, धमकियों और अपमान का सामना करना पड़ा है।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर उठाई प्राचार्य की बर्खास्तगी की मांग

मितौली, अमृत विचार : जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को खुद को कमरे में कैद करने की खबर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्कूल पहुंच गए और प्राचार्य मुर्दाबाद, पुलिस प्रशासन होश में आओ के नारे लगाने लगे। इस बीच प्रशासनिक अधिकारियों से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों से कई बार नोकझोंक हुई। प्रशासनिक अधिकारी जब हॉस्टल का गेट तोड़ रहे थे तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों को वहां से हटा दिया गया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि छात्रों से बात हुई है। वह बता रहे हैं कि प्राचार्य तानाशाह रवैये का है। अपनी वेडिंग एनिवर्सरी पर छात्राओं से नृत्य कराया था। जिसका एक महिला शिक्षक ने विरोध किया तो सभी आरोप उसी पर लगा दिये। ऐसे गंभीर आरोप में प्राचार्य को तत्काल निलंबित कर बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाए और रिपोर्ट दर्ज कराई जाए। इस दौरान एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री अभिव श्याम, जिला संगठन मंत्री अनूप शुक्ला, विभाग संयोजक अजय पांडेय शिवांश शुक्ला, मनीष सिंह, अमन सिंह, आयुष शुक्ला, अटल शुक्ला, राज ठाकुर आदि मौजूद रहे।

एनिवर्सरी पर छात्राओं से नृत्य करवाने का आरोप

मितौली। नवोदय प्रकरण में छात्रों ने प्राचार्य एसके सक्सेना पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमे छात्रों व कर्मचारियों को पीटने के अलावा प्राचार्य पर छात्राओं से अपनी एनिवर्सरी पर नृत्य कराने जैसा गंभीर आरोप लगा है। छात्रों का कहना है कि प्राचार्य कक्षा 11 के छात्राओं से मेहंदी लगाकर नृत्य करवाया है, जो घोर निंदनीय है। महिला शिक्षक के विरोध करने पर उसी पर आरोप मढ़ दिए गए।

दो छात्र डिहाइड्रेशन का हुए शिकार

मितौली। स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर दो एम्बुलेंस तैनात की गई थी। स्वास्थ्य विभाग से सीएचसी अधीक्षक खुद कमान संभाले हुए थे। पहले बच्चों को एम्बुलेंस में बैठाया गया। अभिभावकों के विरोध करने पर उतार दिया गया। अधीक्षक डॉ देवेंद्र ने बताया दो छात्रों को डिहाइड्रेशन की शिकायत थी, जिसके चलते उनको भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। अब दोनों छात्रों का स्वास्थ्य ठीक है।

श्रमिक कल्याण संघ ने अपनी मांगों के लिए दिया धरना

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः सोमवार को बजाज चीनी मिल के मुख्य गेट पर श्रमिक कल्याण संघ के महामंत्री विश्वनाथ सिंह के नेतृत्व में चीनी मिल के कर्मचारियों ने चीनी मिल में ज्वाइनिंग को लेकर धरना प्रदर्शन किया और जोरदार नारेबाजी की।

चीनी मिल के अधिकारियों ने धरना प्रदर्शन में शामिल लोगों को काम पर जाने को कहा तब श्रमिक कल्याण संघ के महामंत्री श्री सिंह भड़क गए और अपने साथियों दीनानाथ यादव, सतवीर सिंह, वीरेश, सुरेश ठाकुर, महेंद्र शर्मा, प्रवीन गुप्ता, विजय गुप्ता आदि के साथ प्रबंध मिल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इसी बीच सूचना पाकर धरनास्थल पर पहुंचे भाजपा युवा नेता धर्मेंद्र गिरि मोंटी ने श्रमिक संघ के नेताओं से मिलकर कर्मचारियों के हित के लिए यूनिट हेड नीरज बंसल, अवनी पांडे, आरके मिश्रा, रितेश दुबे से वार्ता कर वाउचर कर्मचारियों को एक अगस्त से दो बैच में दो दो बार महीने में कंपनी रोल पर ड्यूटी देने की बात कही, जिस पर मिल अधिकारियों ने सहमत जताई। अधिकारियों का आश्वासन मिलने पर धर्मेंद्र गिरि मोंटी और महामंत्री विश्वनाथ सिंह ने धरना समाप्त कराया और धरने पर बैठे सभी कर्मचारी काम पर वापस चले गए।

बिजनेस ब्रीफ

पानीपत में लगेगा हरित हाइड्रोजन संयंत्र

नयी दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने सोमवार को कहा कि उसकी इकाई हरियाणा में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की पानीपत रिफाइनरी में सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करेगी। यह परियोजना राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप है जिसका उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। लार्सन एंड टुब्रो की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एलएंडटी एनर्जी ग्रीनटेक लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जाने वाला यह संयंत्र केंद्र के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का समर्थन करते हुए 25 वर्ष तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को प्रति वर्ष 10,000 टन हरित हाइड्रोजन की आपूर्ति करेगा।

एनटीपीसी के निदेशक मंडल का होगा पुनर्गठन

नयी दिल्ली, 21 जुलाई (भाषा) सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की दो इकाइयों... टीएचडीसी इंडिया लि. और नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, विद्युत मंत्रालय ने नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (नीपको) और टीएचडीसी इंडिया के निदेशक मंडल में एक गैर-कार्यकारी चेयरपर्सन की नियुक्ति और चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के पद को प्रबंध निदेशक के रूप में पुन: नामित करने का प्रस्ताव रखा था।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर पड़ी सुस्त

नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून, 2025 में घटकर 1.7 % रही है। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन पांच प्रतिशत बढ़ा था। आंकड़ों के अनुसार, बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि मई की तुलना में थोड़ा बेहतर रही है। मई में इन क्षेत्रों का उत्पादन 1.2 प्रतिशत बढ़ा था। 5प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक और बिजली के उत्पादन में जून में गिरावट आई।

आयकर विधेयक में बदलाव का सुझाव

संसदीय समिति ने टीडीएस रिफंड दावों, ट्रस्ट के कराधान में बदलाव का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

नए आयकर विधेयक की समीक्षा करने वाली संसदीय समिति ने सोमवार को सुझाव दिया कि व्यक्तिगत करदाताओं को बिना किसी जुर्माने के नियत तिथि के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) रिफंड का दावा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। संसदीय समिति ने सुझाव दिया कि धार्मिक एवं परमार्थ न्यासों को दिए गए गुमनाम दान को कराधान से मुक्त रखा जाए।

आयकर विधेयक-2025 की समीक्षा के लिए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में लोकसभा की प्रवर समिति का गठन किया गया था। लोकसभा में सोमवार को पेश की गई 4,575 पेज की रिपोर्ट में नए आयकर विधेयक, 2025 में गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) की आय के प्रबंधन के तरीके में व्यापक बदलाव के सुझाव भी दिए गए हैं। समिति ने आयकर विधेयक, 2025 में बदलावों की सिफारिश की है। यह छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। संसदीय समिति ने कहा है कि एनपीओ, विशेष रूप से धर्मार्थ और परमार्थ उद्देश्यों वाले संगठनों के लिए गुमनाम दान पर कर लगाने के संबंध में अस्पष्टता को दूर किया जाना चाहिए। समिति ने गैर-लाभकारी संस्थाओं (एनपीओ) की 'प्राप्तियों' पर कर लगाने का विरोध किया है, क्योंकि यह आयकर अधिनियम के तहत वास्तविक आय कराधान के सिद्धांत का उल्लंघन है। सुझावों में 'आय' शब्द को फिर से लागू करने की सिफारिश की गई है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केवल एनपीओ की शुद्ध आय पर ही कर लगाया जाए। यह देखते हुए कि पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले 'गुमनाम दान के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर' है, समिति ने सुझाव दिया कि धार्मिक और परमार्थ न्यास (ट्रस्ट), दोनों को ऐसे दान पर छूट दी जानी चाहिए।

नया आयकर विधेयक

- छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 का लेगा स्थान
- लोकसभा में पेश की गई 4,575 पेज की रिपोर्ट

गुप्त दान पर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव

समिति ने कहा, विधेयक का घोषित मकसद इसके पाठ को सरल बनाना है, लेकिन समिति को लगता है कि धार्मिक एवं परमार्थ ट्रस्ट के संबंध में एक महत्वपूर्ण चूक हुई है, जिसका देश के एनपीओ क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आयकर विधेयक, 2025 के खंड 337 में सभी पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले गुप्त दान पर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए स्थापित एनपीओ को ही सीमित छूट दी गई है। यह आयकर अधिनियम, 1961 की वर्तमान धारा 115बीबीसी से बिल्कुल अलग है। मौजूदा कानून में अधिक व्यापक छूट प्रदान की गई है। इसके मुताबिक, अगर कोई ट्रस्ट या संस्था पूरी तरह से धार्मिक और परमार्थ कार्यों के लिए बनाई गई हो, तो गुप्त दान पर कर नहीं लगाया जाता है। गौरतलब है कि ऐसे संगठन आमतौर पर पारंपरिक माध्यमों (जैसे दान पेटियों) से योगदान प्राप्त करते हैं, जहां दान देने वाले की पहचान करना असंभव है।

भारत वैश्विक बाजार में उभरती हुई महाशक्ति

बात काम की

भारत वैश्विक बाजार में उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति के रूप में अपनी भूमिका सशक्त कर रहा है। विशाल जनसंख्या, मजबूत सेवा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणी स्थिति और विविध निर्यात क्षमताएं भारत को वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अहम भागीदार बनाती हैं। हाल के वर्षों में सरकार के किए सुधारों और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के भरोसे ने भारत की वैश्विक व्यापार में भूमिका को और भी प्रभावशाली बनाया है।

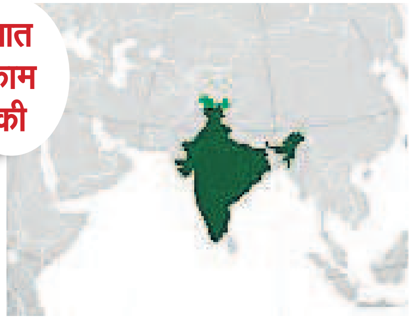

निर्यात और आयात में संतुलन

भारत कृषि, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, रत्न-आभूषण, ऑटोमोबाइल और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में प्रमुख निर्यातक है। कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी जैसे उत्पादों का आयात करता है।

आईटी और सेवा क्षेत्र में नेतृत्व

भारत की आईटी कंपनियां जैसे टीसीएस, इनफोसिस, विप्रो और एचसीएल दुनियाभर में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। अमेरिकी, यूरोपीय और एशियाई बाजारों में भारत की आईटी सेवाएं अत्यंत लोकप्रिय हैं।

मैन्युफैक्चरिंग और मेक इन इंडिया

मेक इन इंडिया पहल से भारत वैश्विक विनिर्माण हब बनने की ओर अग्रसर है। एप्पल, सैमसंग व अन्य वैश्विक कंपनियों ने भारत में निर्माण इकाइयों की स्थापना की है। इससे विदेशी निवेश में वृद्धि हुई और वैश्विक भागीदारी बढ़ी है।

एफडीआई-एफआईआई का प्रवाह

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) व विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफआईआई) का सतत प्रवाह, इसकी आर्थिक स्थिरता और विकास की गति को दर्शाता है।

भौगोलिक स्थिति व रणनीतिक संबंध

भारत की भौगोलिक स्थिति उसे एशिया, यूरोप व अफ्रीका से व्यापार के लिए रणनीतिक केंद्र बनाती है। अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी-20, ब्रिक्स, और डब्ल्यूएचओ में भारत की सक्रिय भूमिका ने इसके वैश्विक प्रभाव को मजबूत किया है।

ग्रीन इकोनॉमी में योगदान

भारत नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े निवेश कर रहा है। इससे वह न केवल घरेलू ऊर्जा जरूरतें पूरी कर रहा है, बल्कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रयासों में भी योगदान दे रहा है।

निर्यात बढ़ाने के लिए 36 राज्यों ने बनाई रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

- सभी ने राज्य निर्यात संवर्धन समिति व जिला निर्यात संवर्धन समिति का किया गठन किया

देश के निर्यात को बढ़ाने के उद्देश्य से 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी निर्यात रणनीति तैयार की है। एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने राज्य निर्यात संवर्धन समिति (एसईपीसी) और जिला निर्यात संवर्धन समिति (डीईपीसी) का गठन किया है।

इसके अलावा, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के क्षेत्रीय अधिकारियों ने 590 जिलों के लिए जिला कार्ययोजना का मसौदा तैयार किया है। इनमें से 249 जिलों को डीईपीसी ने औपचारिक रूप से अधिसूचित किया है। अधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं में जिलों से निर्यात को बढ़ावा देने की एक व्यापक रणनीति शामिल है। केंद्र राज्यों को निर्यात संवर्धन गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है क्योंकि इससे घरेलू विनिर्माण और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

अधिकारी ने कहा, 28 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य निर्यात रणनीति तैयार की गई है। इनमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक शामिल हैं। विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में, डीजीएफटी ने 'जिला निर्यात केंद्र' पहल को शामिल किया है। इसका उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले की क्षमता और विविधता को दिशा प्रदान करके उन्हें निर्यात केंद्र बनाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, देश के सभी जिलों में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों और सेवाओं की पहचान की गई है। निर्यात संवर्धन के लिए सहायता देने और निर्यात वृद्धि की बाधाओं को दूर करने के लिए प्रदेश स्तर पर एसईपीसी और जिला स्तर पर डीईपीसी बनाई गई है।

पैसा ही पैसा बनता और दूसरा पैसा भी खींच लाता है

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शेयर बाजार में कुछ वर्षों में 30 वर्ष से कम आयु वाले युवा निवेशकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इसकी बड़ी वजह तकनीकी प्रगति, कम ट्रेडिंग लागत और सूचना तक बढ़ती पहुंच है। यही वजह है कि आज का युवा निवेश के परम्परागत तरीकों से हटकर तुलनात्मक जोखिम लेने को तैयार है। कई वर्षों में कुछ म्यूचुअल फंड्स और एसआईपी ने शानदार रिटर्न देकर निवेशकों का न सिर्फ मनोबल बढ़ाया है, बल्कि नए निवेशकों को आकर्षित भी किया है। खासतौर पर युवाओं में एसआईपी बचत का बड़ा रुझान देखने को मिल रहा है। दरअसल, इसमें मिलने वाला चक्रवृद्धि ब्याज दूसरी बचत योजनाओं के मुकाबले अधिक लाभांश देता है। चक्रवृद्धि ब्याज की कमाई के लिए निवेशक को कोई गुणा-गणित नहीं लगाना पड़ता है।

- एसआईपी के रिटर्न ने जीता भरोसा बढ़ी नए निवेशकों की संख्या
- वित्तीय सलाहकारों के मुताबिक 1000 का निवेश बना सकता करोड़पति

वित्तीय सलाहकार विवेक द्विवेदी का कहना है कि अगर आप अच्छी इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम में हर महीने सिर्फ 1000 रुपये निवेश करते हैं, तो यह बचत आपको नौकरी से रिटायर होने के बाद करोड़पति बना सकती है। इसे इस तरह समझ सकते हैं, अगर आप हर महीने सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में 1,000 रुपये का निवेश करते हैं और इसमें 12% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर मिलती है, तो 5 साल के बाद निवेश 82,000 रुपये होगा। 10 साल बाद, यह रकम 2,32,000 रुपये और 20 साल बाद 9,99,000 रुपये हो सकती है। राकेट की तरह आपका निवेश चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत से ऊपर भागता है। अब जरा रुकिए, अगर आप 30 साल टिक सकते हैं तो आपकी रकम रुपये 35,29,000 और 40 साल में एक करोड़ से भी अधिक हो सकती है। यही कारण है कि अधिकतर वित्तीय विशेषज्ञ युवाओं को पहली सैलरी से ही एसआईपी की सलाह देते हैं। अगर आपको और पैसों की ज़रूरत है, तो अपनी रुपये 1,000 प्रति माह की राशि को हर साल 10% बढ़ाकर और बड़ी रकम हासिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज का जादू दिखाता है कमाल

भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां आश्चर्य है। इसी तरह करीब दो शताब्दी पहले अमेरिका के पहले पोस्टमास्टर जनरल और पुअर रिचड्र्स अलमनैक पुस्तक के लेखक, बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा था कि पैसा ही पैसा बनाता है, और जो पैसा पैसा बनाता है, वह पैसा ही दूसरा पैसा खींच लाता है। एसआईपी निवेश के बारे में यह बात सही मालूम पड़ती है।

निवेश की रिकार्ड तोड़ बारिश

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में निवेश का आंकड़ा इस समय अनुमान के मुताबिक 27, 000 करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच चुका है ।यह अब तक का सबसे अधिक मासिक एसआईपी प्रवाह है। एसआईपी खातों की संख्या भी बढ़कर करीब 9 करोड़ पर पहुंच रही है।

बैंक शेयरों में लिवाली बाजार को मिली मजबूती

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 443 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,000 अंक के पार

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को दो कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 443 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 25,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। तिमाही वित्तीय नतीजों के बाद एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई।

सेंसेक्स 442.61 अंक की बढ़त संग 82,200.34 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 122.30 अंक चढ़कर 25,090.70 अंक पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मजबूत रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा पूंजी प्रवाह ने भी बाजारों को समर्थन दिया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो) में सबसे अधिक 5.38% की तेजी रही। पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम के बाद कंपनी का शेयर मजबूत हुआ। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.76% चढ़ा। जून तिमाही में लाभ 15.9% बढ़कर 13,558 करोड़ होने के बाद बैंक का शेयर चढ़ा है। एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.19% मजबूत हुआ। बैंक का जून को समाप्त तिमाही में लाभ 1.31% की गिरावट के साथ 16,258 करोड़ रहने के बाद इसके शेयर में मजबूती आई।

सौर ऊर्जा क्रांति

राजस्थान के आबू रोड स्थित इंडिया वन सोलर थर्मल पावर प्लांट में आसमान के नीचे चमकते परावर्तक दर्पण, स्वच्छ ऊर्जा की ओर भारत की पहल हैं। यह संयंत्र सौर ऊर्जा से बिजली उत्पन्न कर हरित भविष्य की दिशा में अहम योगदान दे रहा है।

सेबी ने फिर कहा- डब्बा कारोबार अवैध, निवेशक सतर्क रहें

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को फिर कहा कि डब्बा कारोबार अवैध है और निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। नियामक ने अवैध कारोबारी सेवाएं देने वाली किसी भी इकाई से लेन-देन नही करने को कहा है। बाजार की भाषा में, डब्बा कारोबार से आशय अवैध और बाजार से इतर कारोबार से है। यह कारोबार मान्यता प्राप्त शेयर बाजारों और नियामकीय निगरानी के दायरे से बाहर होता है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बार्ड (सेबी) ने कहा कि ऐसी गतिविधियां निवेशकों के लिए जोखिम पैदा करती हैं और यह प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 (एससीआरए), सेबी अधिनियम, 1992 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन है। सेबी उपायों, जागरूकता व कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ मिलकर निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए अमेरिकी दल आएगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी दल अगस्त में भारत का दौरा करेगा। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी टीम अगस्त के उत्तरार्ध में भारत आएगी।

भारत-अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन में समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की थी। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और अमेरिका के दक्षिण एवं पश्चिम एशिया क्षेत्र के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने इस वार्ता में अपने-अपने दल का नेतृत्व किया। दोनों देश 1 अगस्त से पहले अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिशों में लगे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने भारत सहित कई देशों पर उच्च सीमा शुल्क लगाए हैं, जिनकी निलंबन अवधि 1 अगस्त को खत्म होने वाली है।

व्यापार समझौते पर पांचवें दौर की वार्ता में कृषि और वाहन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं और स्कोमेट (विशेष रसायन, जीव, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी) से संबंधित मामलों पर भी चर्चा हुई। अधिकारी ने भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता एक अगस्त से पहले संपन्न होने की संभावना पर कहा कि बातचीत जारी है। दरअसल, भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क रियायतों की अमेरिकी मांग को लेकर अपना रुख कड़ा कर लिया है। भारत ने अबतक किसी भी देश के साथ व्यापार समझौते में डेयरी क्षेत्र में कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। कुछ किसान संघों ने सरकार से व्यापार समझौते में कृषि से संबंधित किसी भी मुद्दे को शामिल न करने का आग्रह किया है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर 24 जुलाई को हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षर होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी होंगे। दोनों देशों ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इस समझौते में चमड़ा, जूते और कपड़ा जैसे श्रम-प्रधान उत्पादों के निर्यात पर कर हटाने का प्रस्ताव है। साथ ही ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों के आयात को सस्ता किया जाएगा। इस समझौते से 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार दोगुना होकर 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

न्यायिक कार्यवाही का राजनीतिकरण न करें

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना की याचिका पर हुई शीर्ष सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना की याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को आगाह किया कि न्यायिक कार्यवाही का राजनीतिकरण न करें। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में न्यायालय के फैसले पर बनर्जी की टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि कृपया अपनी राजनीतिक लड़ाई इस अदालत के बाहर लड़ें।

पीठ ने आत्मदीप नामक धर्मार्थ न्यास की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में आरोप है कि मुख्यमंत्री ने कोर्ट के फैसले के बाद आपत्तिजनक बयान दिए जो न्यायपालिका को कमजोर करते हैं। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने पीठ से सुनवाई स्थगित करने का आग्रह करते हुए कहा कि कार्यवाही शुरू करने के लिए अटॉर्नी जनरल को अनुरोध भेजा गया था। गवई ने कहा, क्या आपको यकीन है कि आपको सहमति मिल जाएगी।

पीठ ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। यह याचिका इस साल अप्रैल में दिए उस फैसले से संबंधित है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 2016 में प. बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा की गईं लगभग 25,000 नियुक्तियों को अमान्य करार दिया गया था। मुख्यमंत्री ने इस फैसले पर कथित तौर पर कुछ आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं थीं।

- शिक्षक भर्ती घोटाले में कोर्ट के फैसले पर बनर्जी की टिप्पणी के खिलाफ याचिका पर हुई सुनवाई

उदयपुर फाइल्स में छह दृश्यों को हटाने का सुझाव शीर्ष न्यायालय ने रिलीज पर रोक जारी रखी

केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि उसने फिल्म उदयपुर फाइल्स- कन्हैया लाल टेलर मर्डर में 6 दृश्यों को हटाने का सुझाव दिया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ से कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सुझाई बातों के अलावा कोई भी आगे की कार्रवाई अनुच्छेद 19 का उल्लंघन होगी। पीठ ने अगले आदेश तक रोक जारी रखी और सुनवाई 24 जुलाई के लिए निर्धारित की।

विक्रेताओं के विवरण पर केंद्र-राज्यों को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और राज्यों से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें यह घोषित करने की अपील की कि उपभोक्ताओं को वितरकों और विक्रेताओं के विवरण के अलावा उत्पादों के बारे में जानने का अधिकार है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा है कि उपभोक्ताओं के लिए सुविचारित विकल्प चुनने तथा अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं और अनुचित शोषण से खुद को बचाने के लिए जानने का अधिकार महत्वपूर्ण है।

छात्रा से छेड़छाड़ में प्रधानाध्यापक समेत दो हिरासत में

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में सरकारी हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक समेत दो शिक्षकों को नौवीं कक्षा की छात्रा के यौन उत्पीड़न में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

छात्रा के परिवार द्वारा शनिवार को शिकायत देने के बाद रविवार की मध्य रात्रि को रायबनिया थाने की पुलिस ने आरोपियों को उनके घर से पकड़ लिया। शिकायत अनुसार चारमार गांव स्थित स्कूल के गणित शिक्षक ने कई बार छात्रा से छेड़छाड़ की और घटना की जानकारी प्रधानाध्यापक को देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रभारी निरीक्षक लोपामुद्रा पांडा ने कहा, शिक्षकों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन एक तीर्थयात्री की गई जान

जम्मू, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के पुराने मार्ग पर सोमवार को हुए भूस्खलन में 70 वर्षीय तीर्थयात्री की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कटरा शहर में हुई तेज बारिश से भूस्खलन हुआ, जिसकी वजह से बुकिंग कार्यालय और उसके ऊपर बना लोहे का ढांचा ढह गया।

भूस्खलन के बाद यात्रा कई घंटों तक स्थगित रही। यह घटना सुबह साढ़े आठ बजे बाणगंगा के पास गुलशन का लंगर में हुई। वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन वैश्य ने बताया कि सभी को अस्पताल ले जाया गया है। वैश्य ने कहा कि बचाव और मलबा हटाने का कार्य जारी है।

पुंछ में स्कूल की छत पर गिरा पत्थर, एक छात्र की मौत, 5 घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रातभर हुई भारी बारिश से हुए भूस्खलन की चपेट में सरकारी स्कूल आ गया। इस घटना में एक छात्र की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट कर छात्र की मौत पर शोक प्रकट किया। अधिकारियों ने बताया कि बैंछ-कलसां इलाके के प्राथमिक विद्यालय की टिन की छत पर बड़ा पत्थर आ गिरा, जिससे कई छात्र घायल हो गए। एक छात्र एहसान अली (5) की मौत हो गई।

वर्ल्ड ब्रीफ

दिल्ली में जीटी रोड का हिस्सा दो दिन के लिए बंद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कांवड़ यात्रियों के मद्देनजर जीटी रोड का प्रमुख हिस्सा 23 जुलाई सुबह आठ बजे तक बंद रहेगा। दिल्ली पुलिस ने बताया कि केशव चौक गोलचक्कर से युधिष्ठिर सेतु तक सड़क का बायां मार्ग 21 जुलाई को सुबह आठ बजे से 23 जुलाई को सुबह आठ बजे तक वाहनों के लिए बंद रहेगा। कहा गया है यात्री मौजपुर जाने के लिए केशव चौक अंडरपास लें या फिर श्याम चौक पर 'यू-टर्न' लेकर स्वामी दयानंद मार्ग, विकास मार्ग या मास्टर प्लान रोड होते हुए आईएसबीटी पहुंचें।

प्रकाश राज समेत चार अभिनेता ईडी में तलब

हैदराबाद। ईडी ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए अभिनेता राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा, लक्ष्मी मांचू को तलब किया है। ईडी ने दग्गुबाती को 23 जुलाई, प्रकाश राज को 30 जुलाई, देवरकोंडा को छह अगस्त और लक्ष्मी को 13 अगस्त को तलब किया है। इन सभी पर अवैध पैसा बनाने में जुटे ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप का प्रचार करने का आरोप है।

अमरनाथ यात्रा पर 3,700 श्रद्धालु रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन करने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में 3,700 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था सोमवार को दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। कड़ी सुरक्षा में जत्था रविवार देर रात तीन बजकर 33 मिनट से सोमवार तड़के चार बजकर छह मिनट के बीच 148 वाहनों में सवार होकर भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ।

किश्तवाड़ में आया 3.1 तीव्रता का भूकंप

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार देर रात भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रविवार रात 1:36 बजे आए भूकंप की तीव्रता 3.1 थी। इसका केंद्र किश्तवाड़ के पास सतह से 10 किमी नीचे 33.17 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.87 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

पनडुब्बी रोधी युद्धक जलयान अजय को एक समारोह में भारतीय नौसेना के हस्तांतरित किया गया। एजेंसी

नौसेना की नई ताकत... लहरों पर उतरा अजय

कोलकाता, एजेंसी

- पनडुब्बी रोधी आठवें युद्धपोत का जलावतरण किया गया

रक्षा क्षेत्र की पीएसयू गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने भारतीय नौसेना के लिए निर्मित पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट' की श्रृंखला का आठवां और आखिरी जहाज का सोमवार को जलावतरण किया।

'अजय' नामक इस युद्धपोत का जलावतरण भारतीय नौसेना के सामग्री प्रमुख वाइस एडमिरल किरण देशमुख की पत्नी प्रिया देशमुख ने समारोह की मुख्य अतिथि के तौर पर किया। जीआरएसई के एक अधिकारी के मुताबिक कोलकाता की इस युद्धपोत निर्माता कंपनी ने भारतीय नौसेना के लिए आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत का निर्माण किया है। उन्होंने बताया कि ये बहुउद्देश्यीय युद्धपोत हैं और कई तरह के अभियानों में हिस्सा ले सकते हैं। जीआरएसई के अधिकारी ने यह भी कहा कि ये जहाज कम गहराई वाले जलक्षेत्र में संचालन के हिसाब से तैयार किए गए हैं, इसलिए ये तटीय इलाकों में आसानी से काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 77.6 मीटर लंबे और 10.5 मीटर चौड़े ये युद्धपोत तटीय जल क्षेत्र में सतह के नीचे पूरी तरह से निगरानी करने और तलाश एवं बचाव अभियान के संचालन में भी सक्षम हैं।

समुद्र की लहरों पर भारतीय नौसेना का युद्धक जहाज अजय।

सुप्रीम फटकार: सारी हदें पार कर रहा ईडी

वकीलों को तलब करने पर नाराज हुई शीर्ष अदालत, दिशा-निर्देश जारी करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से तलब करने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि ईडी सारी हदें पार कर रहा है। न्यायालय ने इस संबंध में दिशानिर्देश बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी विधिक पेशे की स्वतंत्रता पर इस तरह की कार्रवाइयों के प्रभावों पर ध्यान देने के लिए अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू की गई एक सुनवाई के दौरान की। कोर्ट की टिप्पणी ईडी की ओर से वरिष्ठ वकील अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद आई है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अगर यह गलत भी है तब भी एक वकील और मुवक्किलों के बीच का संवाद विशेषाधिकार प्राप्त संवाद होता है और उनके खिलाफ नोटिस कैसे जारी किए जा सकते हैं। इस संबंध में दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ईडी सारी हदें पार कर रहा है। शीर्ष

अदालत को यह बताया गया था कि वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार जैसे विधिक पेशेवरों को हाल में ईडी द्वारा नोटिस जारी किया गया और इससे कानून के पेशे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस मुद्दे को शीर्ष स्तर पर उठाया गया है और जांच एजेंसी को वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए नोटिस जारी नहीं करने के लिए कहा गया है।

वेंकटरमणी ने इससे पहले कहा कि उन्होंने ईडी अफसरों से बात की है, वकीलों को समन भेजना गलत है। मेहता ने वेंकटरमणी से सहमति जताते हुए कहा, वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए तलब नहीं किया जा सकता। हालांकि, झूठे विमर्श गढ़कर संस्थानों को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

कानूनी आजादी को कुचलने वाले चीन और तुर्किए की राह पर न चले भारत

वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने चीन और तुर्किये का उदाहरण देते हुए कहा, भारत को उन देशों की राह पर नहीं चलना चाहिए जिन्होंने कानूनी पेशे की स्वतंत्रता पर कुठाराघात किया है। उन्होंने कहा, तुर्किये में पूरी बार एसोसिएशन को भंग कर दिया गया था। चीन में भी ऐसा ही मामला हुआ है। वकीलों ने जोर देकर कहा कि वकीलों को खासकर विधि संबंधी राय देने के लिए तलब करना एक खतरनाक नजीर तय कर रहा है। एक वकील ने कहा, अगर यह जारी रहा तो यह वकीलों को ईमानदार और स्वतंत्र सलाह देने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि जिला अदालतों के वकीलों को भी बेवजह परेशान किया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने इस पर कहा कि अदालत भी इस तरह की रिपोर्ट से हैरान है।

ये संस्था के खिलाफ विमर्श गढ़ने की कोशिश

जहां तक सामान्य टिप्पणियों का सवाल है, कभी-कभी उन्हें गलत समझा जाता है, जो अलग-अलग मामलों पर निर्भर करता है। यह प्रवर्तन निदेशालय नहीं, बल्कि एक संस्था के खिलाफ एक विमर्श गढ़ने की एक सुनियोजित कोशिश है। 'माई लॉर्ड' कुछ मामलों में सीमा का उल्लंघन पाया जा सकता है...। - **सॉलिसिटर जनरल**

हम खबरें या यूट्यूब नहीं देखते

हम खबरें नहीं देखते, न यूट्यूब पर साक्षात्कार देखते हैं। पिछले हफ्ते अस्वस्थ रहने के दौरान ही मैं कुछ फिल्में देख पाया। हमें कई मामलों में ईडी की ओर से अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण देखने को मिल रहा है, ऐसा नहीं है कि हमें ये नहीं मिल रहा है। ईडी कोर्ट के तर्कसंगत आदेशों के खिलाफ भी अपील दायर कर रहा है। - **प्रधान न्यायाधीश**

ईडी से पूछा- राजनीतिक लड़ाई में आपका इस्तेमाल क्यों हो रहा है

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ ईडी की अपील खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में ईडी के आचरण पर सवाल उठाए और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण से भूखंड आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी के खिलाफ मामला रद्द करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

राजनीतिक लड़ाई में एजेंसी को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ आगाह करते हुए सीजेआई बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा, राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जाए। आपका इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है। सीजेआई गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी बीएम पार्वती से जुड़े एमयूडीए मामले की कार्यवाही रद्द कर दी गई थी। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा, श्रीमान राजू (ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू), कृपया हमें मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें। अन्यथा, हमें ईडी के बारे में कुछ कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। दुर्भाग्यवश, मुझे महाराष्ट्र में इसका अनुभव है।

ब्रिटेन-फ्रांस समेत 25 देशों ने की गाजा में युद्ध खत्म करने की हिमायत

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन और फ्रांस सहित 25 देशों का कहना है कि गाजा में युद्ध अब समाप्त होना चाहिए और इजराइल को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और जापान सहित अन्य देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा, गाजा में नागरिकों की पीड़ा नए स्तर तक पहुंच गई है। उन्होंने पानी और भोजन की बुनियादी जरूरतें हासिल करने की कोशिश कर रहे बच्चों और नागरिकों के लिए सहायता की धीमी आपूर्ति और उनकी अमानवीय हत्या की निंदा की।

इन देशों के विदेश मंत्रियों ने एक बयान में कहा, इजराइल सरकार का सहायता वितरण मॉडल खतरनाक है, अस्थिरता को बढ़ावा देता है और गाजा वासियों को मानवीय सम्मान से वंचित करता है। बयान में कहा गया है, इजराइल सरकार का नागरिक आबादी को आवश्यक मानवीय सहायता देने से इनकार करना अस्वीकार्य है। इजराइल को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन

- भोजन लेने आ रहे बच्चों-बुजुर्गों की अमानवीय हत्या की निंदा की

करना चाहिए। बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में लगभग 20 यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री तथा समानता, तैयारी और संकट प्रबंधन के लिए यूरोपीय संघ के आयुक्त शामिल थे।

अमेरिका और जर्मनी ने इस बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए। हस्ताक्षरकर्ताओं ने तत्काल युद्ध-विराम का आह्वान किया और कहा कि वे क्षेत्र में शांति लाने के लिए राजनीतिक मार्ग का समर्थन करने के वास्ते कदम उठाने को तैयार हैं। गाजा पट्टी की 20 लाख से अधिक की फलस्तीनी आबादी एक भयावह मानवीय संकट से जूझ रही है और अब मुख्यतः उस क्षेत्र में आने वाली सीमित सहायता पर निर्भर है।

टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित करना सही

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेसी

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति ने पहलगाम हमले में संलिप्त पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने का स्वागत किया है।

समिति ने कहा कि जो लोग आम नागरिकों की हत्या करते हैं, उन्हें माफ नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें सजा दी जाती है। पिछले सप्ताह अमेरिका ने टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट की अध्यक्षता वाली समिति ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप सच बोलते हैं। टीआरएफ एक विदेशी आतंकवादी संगठन है और इसे यह दर्जा मिलना ही चाहिए।

- अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने किया फैसले का स्वागत, न्यूयॉर्क टाइम्स की फिर की आलोचना

समिति ने कहा, यह बात साफ और स्पष्ट है कि पहलगाम हमला एक आतंकवादी हमला था। समिति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 22 अप्रैल के अपने पुराने पोस्ट का भी जिक्र किया, जिसमें उसने पहलगाम हमले पर 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की उस खबर की कड़ी आलोचना की थी जिसका शीर्षक था: 'कश्मीर में उग्रवादियों ने कम से कम 24 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी।'

काबुल में बुर्का न पहनने पर 10 से ज्यादा महिलाएं गिरफ्तार

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पुलिस ने दस से अधिक ऐसी युवतियों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने बुर्का या हिजाब पहनने के नियमों का पालन नहीं किया था।

अफगानिस्तान इंटरनेशनल मीडिया ने रविवार को बताया ये गिरफ्तारियां बीते दो दिनों में काबुल के इलाकों में हुईं। महिलाओं को रेस्टोरेंट, सड़कों और बाजारों से उठाकर अज्ञात जगह ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नैतिकता कानून संबंधी ये पुलिस अधिकारी पुरुष थे और उन्होंने लड़कियों के साथ मारपीट भी की। महिलाओं में से कुछ को पुलिस की गाड़ियों में जबरन बिठाने से पहले पीटा गया। इन पर हिजाब से संबंधित ड्रेस कोड का उल्लंघन करने का आरोप है। मध्य और पश्चिमी काबुल में रविवार को लगभग 100 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया।

सिपाही को हिरासत में यातनाएं देने वाले अफसरों को गिरफ्तार करने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर पुलिस में सिपाही खुर्शीद अहमद चौहान को प्रताड़ित करने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी अधिकारियों को एक महीने में गिरफ्तार करने का आदेश दिया। मामले की जांच सीबीआई से कराने और सरकार को उसे 50 लाख रुपए की सहायता राशि देने को भी कहा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट का फैसला रद्द करते हुए यह निर्देश दिया। शिकायत के मुताबिक, चौहान को हिरासत में प्रताड़ित किया गया। शीर्ष अदालत चौहान की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 20 से 26 फरवरी, 2023 तक जेआईसी कुपवाड़ा में छह दिन अवैध हिरासत के दौरान उनके गुप्तांगों को क्षत-विक्षत करने सहित अमानवीय और अपमानजनक यातनाएं दी गईं। पीठ ने फैसले में लिखा, कि सिपाही चौहान के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्याय का उपहास होगा।

नाटो की बैठक से पहले कीव पर भीषण हमला

कीव, एजेंसी

- ट्रंप की अध्यक्षता में नाटो देशों की ओर से यूक्रेन को हथियार देने के संबंध में होनी थी बैठक में चर्चा

रूस ने यूक्रेन पर भीषण हवाई हमला किया है जो हाल के महीनों के सबसे बड़े हवाई हमलों में एक है। यह हमला ब्रिटेन और जर्मनी के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाटो सहयोगियों द्वारा यूक्रेन को हथियार प्रदान करने पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक से कुछ ही घंटे पहले हुई है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में दो लोग मारे गए और 15 घायल हो गए जिनमें एक 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। सोमवार रात कीव पर ड्रोन और मिसाइल हमले से यूक्रेन को पश्चिमी सैन्य सहायता की आवश्यकता जाहिर हो गई। एक सप्ताह पहले ट्रंप ने कहा था कि यूक्रेन में कुछ ही दिनों में सहायता पहुंच जाएगी। इस डिजिटल बैठक का नेतृत्व ब्रिटिश रक्षा मंत्री जॉन हीली और उनके जर्मन समकक्ष बोरिस पिस्तोरियस करेंगे।

पोलैंड और मित्र देशों की वायु सेनाएं सक्रिय

मास्को। पोलैंड की सशस्त्र बल परिचालन कमान ने कहा है कि यूक्रेन में कथित रूसी गतिविधि के बीच पोलैंड और सहयोगी वायु सेनाओं को सक्रिय कर दिया गया है। परिचालन कमान ने एक बयान में कहा कि पोलैंड और सहयोगी वायु सेनाओं ने अभियान शुरू कर दिया है और ज़मीनी वायु रक्षा तथा रडार टोही प्रणालियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सेना ने दावा किया है कि इन कदमों का उद्देश्य असुरक्षित क्षेत्रों की सीमा से लगे क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आज वापसी की उड़ान भरेगा ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- खराब होने के बाद एक माह से खड़ा है तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर

ब्रिटेन की 'रॉयल नेवी' का एफ-35बी लाइटनिंग लड़ाकू विमान मंगलवार को वापस स्वदेश के लिए उड़ान भरने के वास्ते पूरी तरह तैयार है। केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ये विमान आपातकालीन स्थितियों में यहां उतरा था और तब से यहीं खड़ा है।

हवाईअड्डे के सूत्रों के अनुसार ब्रिटेन के सबसे उन्नत 'स्टील्थ' बेड़े के इस लड़ाकू विमान की से मरम्मत कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी यह नहीं पता चला है कि यह किस समय वापसी के लिए उड़ान भरेगा। दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में एक माने जाने वाले इस विमान की कीमत 110 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

तकनीकी खराबी आने के बाद से यह विमान 14 जून से यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़ा है। ब्रिटेन से विमानन से जुड़े अभियंता इसकी मरम्मत के लिए यहां पहुंचे थे। विमान के यहां उतरने के शुल्क के अलावा हवाई अड्डे पर विमान के लिए दैनिक किराया और पार्किंग का शुल्क भी देना होगा। सूत्र ने कहा, इसके रखरखाव के लिए लाए गए उपकरणों और चालक दल को दूसरी उड़ान से भेजा जाएगा।

तकनीकी खराबी के बाद तिरुवनंतपुरम के हवाई अड्डे पर खड़ा लड़ाकू विमान।

किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश में अभियान

जम्मू। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों ने घने जंगल में छिपे आतंकवादियों के एक समूह का पता लगाने के लिए सोमवार को तलाश अभियान फिर से शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सेना ने संयुक्त अभियान दच्छन और नागसेनी के बीच चेरजी क्षेत्र के खानकू जंगल में रविवार दोपहर को शुरू किया था और इस दौरान संक्षिप्त मुठभेड़ भी हुई। अधिकारियों के अनुसार, ये आतंकवादी हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े हो सकते हैं और इनमें दो शीर्ष आतंकवादियों पर 30-30 लाख का इनाम घोषित है।

नासा-इसरो के उपग्रह निसार का प्रक्षेपण 28 जुलाई को होगा

बेंगलुरु। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से नासा-इसरो संयुक्त उपग्रह 'निसार' को 30 जुलाई की शाम पांच बजकर 40 मिनट पर प्रक्षेपित किया जाएगा।

इसरो के अनुसार, जीएसएलवी-एफ16 सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह को 743 किलोमीटर दूर सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित करेगा और इसका झुकाव 98.4 डिग्री होगा। इसरो ने एक विज्ञप्ति में बताया कि निसार पहली बार स्वीपएसएआर प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगा, जिसके तहत 242 किलोमीटर के दायरे में पृथ्वी की निगरानी करेगा। इसमें कहा गया कि यह उपग्रह पूरी दुनिया की निगरानी करेगा और हर 12 दिन में हर मौसम, दिन और रात के आंकड़े व जानकारी उपलब्ध कराएगा, जिससे कई क्षेत्रों में इसका उपयोग किया जा सकेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 22 जुलाई, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी-07.05 तक तत्पश्चात त्रयोदशी 23 जुलाई 04.39 तक।

आज का पंचांग

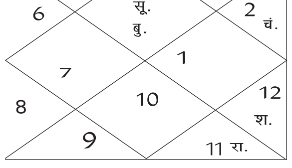

दिशाशूल - उत्तर, **ऋतु** - वर्षा।

चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-मृगशिरा 07.24 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष - आज विद्यार्थियों को नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। जॉब में बदलाव करने की योजना भी बना सकते हैं। सरकारी काम थोड़े प्रयासों से पूर्ण हो जायेंगे। बच्चे शिक्षा और करियर में संतुलन बनाकर रखें। अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग कर पायेंगे।

वृष - आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में लाभ हो सकता है। आपके जनसंपर्क का दायरा विस्तृत होगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। किसी से उलझने के बजाय शान्तिपूर्वक मामलों को हल करें। परिवारजनों के साथ खुशनुमा समय व्यतीत करेंगे।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में आपके प्रमोशन की चर्चा चल सकती है। घर में प्रियजनों का आगमन हो सकता है। टीमवर्क के कारण सभी काम पूर्ण हो जायेंगे। आप समय का सार्थक प्रयोग अपने लाभ के लिए कर पायेंगे। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।

कर्क - आज दोपहर में सिर में दर्द और भारीपन की समस्या हो सकती है। आज कुछ समय मित्रों के सानिध्य में बितायें। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने में समस्या आयेगी। बजट को ध्यान में रखते हुए ही धन निवेश करें। किसी नकारात्मक विचार के कारण आपका मन खराब हो सकता।

सिंह - आज नया कारोबार शुरू करना चाह रहे हैं तो उसकी योजना आज बना सकते हैं। आपकी सफलता के पीछे एकाग्रता और समर्पण का बड़ा हाथ रहेगा। दोस्तों से भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आपको आशावादी बने रहना चाहिए।

कन्या - आज अविवाहित लड़कियों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। पुरानी गलतियों को दोहराने से बचें। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। उत्तम कार्यशैली के कारण आपको सफलता मिलेगी। धन संबंधी मामलों के लिए दिन अच्छा है।

तुला - आज पूरा दिन आनंद में व्यतीत होगा। बच्चों को लेकर आपकी चिंता दूर होगी। अधिकारी आपके विरुद्ध व्यवहार कर सकते हैं। सोच-समझकर ही आपको निर्णय लेना चाहिए। आपकी सलाह से लोगों को लाभ मिलेगा। खर्चों की तुलना में आपकी आय अधिक रहेगी।

वृश्चिक - आज कार्यक्षेत्र में रुकावटें आ सकती है। नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। बड़े भाई-बहनों के स्वास्थ्य की चिंता होगी। मन लगाकर सभी काम करें तो सफलता मिलेगी। छोटी-छोटी बातों को तूल देने से बचें। व्यवसाय में क्रोध के कारण नुकसान हो सकता है।

धनु - आज घर का वातावरण अत्यन्त सकारात्मक रहेगा। राजनैतिक संबंधों का उत्तम लाभ उठा पायेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका नियंत्रण रहेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। मन लगाकर अपना काम करें। साझेदारी वाले व्यापार में धन लाभ होगा।

मकर - आज आपके मित्र आपको कुछ उपहार दे सकते हैं। अपनी बातों को दूसरों के ऊपर न थोपें। निर्माण कार्यों से जुड़े कारोबार में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपरिचित लोगों से अधिक मेल-मिलाप न करें। खोई हुई वस्तु आपको वापस मिल सकती है।

कुंभ - आज कोई पुराना विवाद दूर होगा। परिजनों से अपने मन की बातें शेयर कर तरोताजा महसूस करेंगे। बनते कार्यों में आ रही रुकावटें दूर होंगी। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रेमी जन से विवाह को लेकर संभावना बन रही है।

मीन - आज आलस्य के कारण आपके काम बाधित हो सकते हैं। करियर में अस्थिरता रहेगी। कटु भाषा बोलने के कारण लोग आपसे नाराज रहेंगे। विधिक मामलों में छोटी-छोटी गलतियों के कारण समस्या होगी। लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना करेंगे।

सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

> भगवान ने मुझे स्वस्थ रखा है। मैं मौकों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। जब आप देश के लिए खेलते है तो सबसे बड़ी प्रेरणा यही होती है कि आप देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।
>
> –मोहम्मद सिराज

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 22 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

भारत में हॉकी टीम नहीं भेजना चाहता पाकिस्तान

कराची : पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने खेल की वैश्विक नियामक संस्था एफआईएच को सूचित किया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए अपनी टीम को भारत भेजना मुश्किल होगा। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा कि उन्होंने एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) को पत्र लिखकर टीम को भारत भेजने को लेकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा हमने उन्हें सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है।

अनुष ने जर्मनी में ड्रेसेज स्पर्धा जीती

हॉफगेइसमर (जर्मनी) : भारत के अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ जुबिलमस्टर्नियर हॉफगेइसमर ओपन के ड्रेसेज स्पर्धा में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले अग्रवाला ने 69.891 प्रतिशत अंकों के प्रभावशाली स्कोर के साथ छह खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसमें बाकी के अन्य प्रतियोगी जर्मनी के थे। पिया पियोट्रोव्स्की और कथरीना हेमर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। यह जीत इस जोड़ी के लिए 'एस' स्तर पर पहली सफलता है। अग्रवाला और सात साल की उनकी इस मादा घोड़े की यह एकसाथ सिर्फ दूसरी प्रतियोगिता थी।

भारत क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

सोलो (इंडोनेशिया) : भारत की जूनियर टीम को सोमवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 104-110 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। रिले स्कोरिंग प्रणाली के तहत खेली जा रही इस प्रतियोगिता के बेहद करीबी मुकाबले में भारत ने पहले मैच में 11-9 से मिली हार के बाद शानदार वापसी की। भार्गव राम अरिगेला और विश्वा तेज गोब्बुरू की लड़कों की युगल जोड़ी ने भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद वेन्नाला कलागोटला और रेशिका उथयासूरियन की लड़कियों की जोड़ी ने भी जीत हासिल की।

अर्जुन छठे व प्रज्ञानानंद सातवें स्थान पर रहे

लास वेगास : भारतीय स्टार अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानानंद यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रहे, जबकि अमेरिका के ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन ने खिताब जीता। अरोनियन ने टूर्नामेंट के फाइनल में हमवतन हंस मोके नीमन को 1.5-0.5 से हराया। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन को अमेरिका के फैबियानो कारूआना से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि प्रज्ञानानंद ने एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो को 1.5-0.5 से हराकर इस प्रतियोगिता में अंतिम आठ प्रतिभागियों में सातवां स्थान हासिल किया।

अक्षय भाटिया का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

पोर्टरश (उत्तरी आयरलैंड) : भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया 153वें 'द ओपन' गोल्फ में संयुक्त 30वें स्थान पर रहकर मेजर (गोल्फ के चार बड़े टूर्नामेंट) में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल किया। इस 23 साल के खिलाड़ी ने चार बर्डी और दो बोगी की मदद से दो अंडर 69 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर चार अंडर (73-68-70-69) का रहा। भारतीय मूल के ब्रिटेन के गोल्फर आरोन राय संयुक्त 34वें स्थान पर रहे। इस साल के चारों मेजर के कट में जगह बनाने सफल रहे राय ने भी आखिरी दौर में दो अंडर 69 का कार्ड खेला। उनका स्कोर 69-72-71-69 का रहा।

शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली : भारत इस साल 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा और इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान शहर की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। विश्व में शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे ने सोमवार को यह घोषणा की। इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालीफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी : अर्शदीप चौथे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं, बीसीसीआई ने टीम की दी जानकारी

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं जबकि चोटिल तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। दूसरे और तीसरे टेस्ट में खेलने वाले रेड्डी रविवार को जिम में अभ्यास करते हुए चोटिल हो गए थे और अब वह स्वदेश लौटेंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा नीतीश कुमार रेड्डी बाएं घुटने की चोट के कारण शेष दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। नीतीश स्वदेश लौट आएंगे और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। अर्शदीप को पिछले सप्ताह बेकेनहैम में अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। उन्होंने श्रृंखला में अब तक कोई मैच नहीं खेला है।

बयान में कहा गया है बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है।

हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और वह मैनचेस्टर में टीम से जुड़ चुके हैं। चौथा टेस्ट मैच बुधवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। इंग्लैंड पांच मैचों की एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 से आगे चल रहा है।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान जसप्रीत बुमराह (मध्य) व अन्य खिलाड़ी। एजेंसी

खिलाड़ी टीम के मुताबिक ढलें या टीम खिलाड़ियों के मुताबिक पर हुई चर्चा

- मैनचेस्टर : भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर और मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रूबेन अमोरिम के बीच इस बात को लेकर चर्चा हुई कि क्या कोई खिलाड़ी टीम के साथ तालमेल बिठाता है या टीम खिलाड़ी के साथ तालमेल बिठाती है। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को दुनिया के मशहूर फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ियों से कैरिंगटन स्थित उनके प्रशिक्षण मुख्यालय में मुलाकात की थी। गंभीर और अमोरिम की स्थिति काफी हद तक एक जैसी है। अमोरिम की देखरेख में यूनाइटेड को पिछले 10 मैचों में से छह में शिकस्त का सामना करना पड़ा है। गंभीर की कप्तानी में भारत ने अपने पिछले 11 टेस्ट मैचों में से आठ गंवाए हैं। दोनों टीमों की मुलाकात ओल्ड ट्रैफर्ड स्थिति यूनाइटेड के घरेलू स्टेडियम की जगह प्रायोजक के एक कार्यक्रम में हुई जहां उनके खिलाड़ी भारतीय टीम का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। इस मौके पर दोनों टीमों ने जर्सी का आदान-प्रदान किया। गंभीर ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से कहा यह टीम खेलों को लेकर उनकी और मेरी सोच से जुड़ी एक अच्छी बातचीत थी। टीम खेलों की मूल भावना बहुत सरल है। मुझे लगता है कि खिलाड़ी टीम की जरूरतों के हिसाब से ढलता है, न कि टीम किसी खास व्यक्ति के हिसाब से ढलती है।

ध्रुव जुरेल, शार्दुल ठाकुर और अर्शदीप सिंह इंग्लैंड के मैनचेस्टर में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान अपनी जर्सी के साथ। एजेंसी

चौथे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम

- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड में बशीर की जगह डॉसन शामिल

- इग्लैंड ने भारत के खिलाफ 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच के लिए सोमवार को चोटिल ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज लियाम डॉसन को एकादश में शामिल किया। इंग्लैंड पांच मैच की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 से आगे है जिसने हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में क्रमशः पहला और तीसरा टेस्ट जीता था। भारत ने एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट जीता था। **इंग्लैंड की एकादश :** जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स और जोफ्रा आर्चर।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान कुलदीप यादव (बाएं) और रवींद्र जडेजा। एजेंसी

कुलदीप को खिलाने पर विचार करना चाहिए

मैनचेस्टर, एजेंसी

- इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन ने दी सलाह

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन का मानना है कि भारत को चौथे टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश में कुलदीप यादव को शामिल करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पहले से ही संतुलित टीम में इस कलाई के स्पिनर को शामिल करना चयन की दुविधा पैदा कर सकता है।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच से मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलने की उम्मीद है और भारत को बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे चौथे टेस्ट से पहले साहसिक फैसला करना होगा कि उसे तीन स्पिनरों के साथ खेलना है या नहीं। हालांकि अगर मेहमान टीम दो स्पिनरों के साथ खेलने और कुलदीप को शामिल करने का फैसला करती है तो उसे वाशिंगटन सुंदर या रविंद्र जडेजा में से किसी एक को बाहर करना होगा जिन्होंने अब तक श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया है। हार्मिसन ने कहा चौथे टेस्ट के विकेट से कुलदीप को उछाल नहीं मिलेगा, पर जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा, इससे स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलेगी। पिछले तीन टेस्ट मैच पांचवें दिन तक चले हैं इसलिए भारत को दूसरे या तीसरे स्पिनर के साथ खेलने पर गंभीरता से विचार करना होगा।

इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर (बाएं) और जैकब बेथेल सोमवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान।। एजेंसी

जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे : सिराज

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने सोमवार को जसप्रीत बुमराह के बुधवार से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच में खेलने की पुष्टि की। काम के बोझ के प्रबंधन को देखते हुए बुमराह के पांच में से तीन टेस्ट में खेलने की योजना बनाई गई है। यह स्टार तेज गेंदबाज दूसरे टेस्ट में नहीं खेला था जिसमें भारत ने शानदार जीत हासिल की थी। इसके बाद वह लॉर्ड्स टेस्ट में खेले जिसे भारत 22 रन से हार गया था।

भारत के 1-2 से पिछड़ने के बीच पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने हाल ही में आखिरी दो टेस्ट मैच में इस स्टार तेज गेंदबाज को खिलाने की जरूरत पर बात की थी। मैनचेस्टर में टीम के पहले आउटडोर अभ्यास सत्र के बाद सिराज ने कम से कम चौथे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता की पुष्टि कर दी। सिराज ने संवाददाताओं से कहा जहा तक मुझे पता है जस्सी भाई (बुमराह) खेलेंगे, हमारा संयोजन दिन-प्रतिदिन बदल रहा है (चोटों के कारण)। अगले मैच की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा इंग्लैंड के खेलने के तरीके को देखते हुए हमारी योजना अच्छी लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी जारी रखने की है।

अभ्यास सत्र के दौरान गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद सिराज। एजेंसी

हमने दिखाया कि टीम जरूरत के अनुसार अपना रवैया बदल सकती है : कार्स

- इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स ने बुधवार से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट से पहले कहा कि लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ इंग्लैंड की 22 रनों की जीत टीम की आक्रामक क्रिकेट शैली से बाहर निकलने और जरूरत के हिसाब से ढलने की क्षमता का एक शानदार उदाहरण थी। कार्स ने 193 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने में इंग्लैंड की मदद की। उन्होंने भारत की दूसरी पारी में दो विकेट चटकाये जिसमें करुण नायर को अंदर आती गेंद पर चकमा देना भी शामिल है। कार्स ने कहा हम जिस शैली में खेलते हैं वह उससे काफी अलग था। हमें सामंजस्य बिठाना पड़ा, पर ये दर्शाता है कि यह टीम चुनौती स्वीकार कर परिस्थितियों के मुताबिक ढल सकती है। हमने सीरीज की शुरुआत में बहुत बात की थी कि उस अगले स्तर तक कैसे पहुंचा जाए, एक प्रभावशाली टेस्ट टीम और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम कैसे बना जाए।

निर्णायक मुकाबले में होगी कांटे की टक्कर

चेस्टर ली स्ट्रीट (ब्रिटेन), एजेंसी

- भारत और इंग्लैंड के बीच अंतिम महिला एकदिवसीय मैच आज

भारतीय टीम को लॉर्ड्स की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने गलत शॉट चयन के कारण दूसरे मैच में हार झेलनी पड़ी थी और अब यहां मंगलवार को होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उसे इंग्लैंड की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारत ने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से पहला मैच चार विकेट से जीता था, लेकिन शनिवार को लंदन में खेले गए बारिश से प्रभावित दूसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा, जिससे तीन मैचों की श्रृंखला अंतिम वनडे से पहले 1-1 से बराबरी पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्व कप दो महीने बाद शुरू होने वाला है। भारत की ऑलराउंड ताकत तथा कुछ खिलाड़ियों की अच्छी फॉर्म के कारण उम्मीद की जा रही थी कि वह दूसरे मैच में ही श्रृंखला अपने नाम कर देगा, पर खराब शॉट चयन के कारण उसकी योजनाओं पर पानी फेर दिया और 29 ओवर के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वह आठ विकेट पर 143 रन ही बना सका।

भारत ए पुरुष हॉकी टीम हारी

आइंडहोवन (नीदरलैंड) : भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में अपना अभियान नीदरलैंड के खिलाफ 2-8 से हार के साथ समाप्त किया। युवा भारतीय मिडफील्डर राजिंदर सिंह और फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी ने रविवार को खेले गए यूरोप दौरे के अंतिम मैच में भारतीय टीम की तरफ से गोल दागे।

दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली के लिए कार्य समिति गठित

लंदन, एजेंसी

- आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में लिया गया निर्णय

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट में दो स्तरीय प्रणाली शुरू करने की संभावना तलाशने के लिए अपने नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति का गठन आईसीसी की सिंगापुर में हुई वार्षिक आम बैठक के दौरान अध्यक्ष जय शाह और गुप्ता के नेतृत्व में किया गया था।

गुप्ता को इस महीने की शुरुआत में सीईओ नियुक्त किया गया था। 'द गार्डियन' की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैनल के अन्य सदस्यों में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग भी शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कोई भी बदलाव विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के लिए किया जाएगा, जो 2027 से 2029 तक चलेगा। इसमें मौजूदा नौ टीम के प्रारूप के बजाय छह-छह के दो डिवीजन का प्रस्ताव है।

छह भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी प्रतिबंधित

नई दिल्ली, एजेंसी

- विश्व विश्वविद्यालय खेलों में नहीं ले पाएंगे भाग

जर्मनी के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम चयन को लेकर विवादों में घिर गई है क्योंकि चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को कथित प्रशासनिक चूक के कारण भाग लेने से रोक दिया गया है।

प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया था लेकिन केवल छह को ही प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई क्योंकि अधिकारी 16 जुलाई को प्रबंधकों की बैठक के दौरान सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत करने में विफल रहे। बाहर की गई एक खिलाड़ी अलीशा खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा यह केवल कुप्रबंधन नहीं है- यह करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम जवाब, जवाबदेही और हमारी आवाज सुनी जाने की मांग करते हैं। हमने कोई मैच नहीं गंवाया - हमने भाग लेने का अपना अधिकार ही खो दिया। उन्होंने लिखा यह केवल एक गलती नहीं है। यह एआईयू और हमारी टीम के अधिकारियों द्वारा करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम न्याय की मांग करते हैं। सूत्रों के अनुसार बीवी राव और अजीत मोहन भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के अधिकारी थे जो बैठक में शामिल हुए थे। देश में विश्वविद्यालय स्तर के खेलों के लिए नोडल संस्था एआईयू ने इस घटना को स्वीकार किया है। एआईयू सचिव डॉ. पंकज मित्तल ने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए पीटीआई को बताया, ''हमें इसकी जानकारी दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

सात्विक और चिराग की नजरें दमदार प्रदर्शन पर

चांग्झू : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेगी।

चाइना ओपन पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अंतिम प्रमुख प्रतियोगिता है। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा। वर्तमान में विश्व में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं लेकिन अभी तक फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं।

यही नहीं उन्हें पिछले सप्ताह जापान ओपन में पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार का सामना करना पड़ा था।

दिली इच्छा | एक साल से अधिक समय से हैं बाहर, छोटी बहन सेरेना की भी चाहती हैं वापसी

वीनस विलियम्स कोर्ट पर लौटने के लिए तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

वीनस विलियम्स एक साल से अधिक समय के बाद पहली बार टेनिस कोर्ट पर लौटने के लिए तैयार हैं और उनकी दिली इच्छा है कि उनकी छोटी बहन सेरेना भी वापसी करें। वीनस डीसी ओपन से टेनिस कोर्ट पर वापसी करेंगी। दूसरी तरफ सेरेना का हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह रैकेट घुमाती दिख रही हैं। वीनस से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मैं अपनी टीम से कहती रहती हूं कि अगर वह यहां होती तो बहुत अच्छा होता।

हमने शुरू से काफी कुछ साथ में किया है और इसलिए मुझे निश्चित तौर पर उसकी कमी खलती है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा लेकिन अगर वह वापसी करती है तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह इस बारे में आप सबको अवगत कर देगी। सेरेना 43 वर्ष की है और उन्होंने 2022 में अमेरिकी ओपन के बाद कोई मैच नहीं खेला था। इसके बाद उन्होंने उस खेल से दूर जाने की घोषणा की थी जिस पर उन्होंने लंबे समय तक दबदबा बनाए रखा था। इस दौरान उन्होंने 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब और वीनस के साथ 14 युगल खिताब जीते थे। अमेरिका की राजधानी में हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट शुरू होने से एक दिन पहले वीनस ने कहा मुझे नहीं पता कि वह क्या करने जा रही है। मैं उससे इस बारे में नहीं पूछती। मुझे लगता है कि वह हमेशा गेंद को हिट करती रहती है क्योंकि हम ऐसे ही हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में उनके एक अभ्यास सत्र के दौरान सेरेना वहां आईं और लगभग 15 या 20 मिनट तक उनके साथ रहीं। वीनस ने कहा वह छह महीने की छुट्टी ले सकती है और फिर आसानी से वापसी कर सकती है। आप उस जैसी प्रतिभा को सिखा नहीं सकते। पिछले महीने 45 साल की हुईं वीनस ने सात ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते हैं जिनमें दो अमेरिकी ओपन और पांच विंबलडन खिताब शामिल हैं। उनका आखिरी टूर्नामेंट मार्च 2024 में मियामी ओपन में था, जहां वह पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं।

सेरेना विलियम्स व वीनस विलियम्स (दाएं)। एजेंसी (फाइल फोटो)

ड्रेपर ने टोरंटो टूर्नामेंट से नाम लिया वापस

- लंदन : ब्रिटेन के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने बाँह की चोट के कारण टोरंटो और सिनसिनाटी में होने वाले आगामी टूर्नामेंटों से नाम वापस ले लिया है। ड्रेपर ने कहा विंबलडन के बाद मेरे बाएँ हाथ में चोट लग गई, कोई गंभीर बात नहीं है। मुझे सुनिश्चित करना है कि बाकी सीजन के लिए यह पूरी तरह से ठीक हो जाऊं।